



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31]
No. 31]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 1, 1992/श्रावण 10, 1914
NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 1, 1992/SRAVANA 10, 1914

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा
विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किये गये साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण,
प्रकार के आदेश, उप नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administration of Union Territories)

गृह मंत्रालय

(भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय)

नई दिल्ली, 19 जून, 1992

मा० का० नि० 342 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत के महारजिस्ट्रार
और पदेन जनगणना आयुक्त के कार्यालय में अपर निदेशक (इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित
नियम बनाते हैं, अर्थात् :

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का नाम भारत के महारजिस्ट्रार और पदेन जनगणना आयुक्त के कार्यालय अपर निदेशक (इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग) भर्ती नियम, 1992 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रदत्त होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :— इन पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों से उपाग्रह अनु-
सूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, शैक्षिक और अन्य अर्हताएं आदि :— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, शैक्षिक और अन्य अर्हताएं और उक्त
से संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निर्द्देशः—यह व्यक्ति

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्थीय विधि के अधीन प्रमुख है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों के बारे में, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना प्रपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	चयन पद प्रथम प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुश्रेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
अपर निदेशक (इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग)	2* 1992 *कार्यभार के अनुसार संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपक्षित अन्त- मुमविधीय	4100-125- 4850-150- 5300 हफण	लागू नहीं	50 वर्ष से अधिक (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनु- देशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्षों तक शिथिल की जा सकती है) टिप्पणी:— आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से आशेषन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी (और असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य का महात्मा जवाहरलाल नेहरू प्रदेश का लाहौल और स्पीति जिला और चम्पा जिले का पंगो सब-डिवी- जन, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले अभ्य- र्थियों के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख नहीं)	नहीं

सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं

8

अनिवार्य:

- (1) (क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर विज्ञान/कम्प्यूटर अनुप्रयोग में मास्टर डिग्री या कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में डिग्री या समतुल्य।
या
(ख) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी/गणित (सांख्यिकी सहित)/प्रबालन अनुसंधान/भौतिकी/अर्थशास्त्र (सांख्यिकी सहित)/वाणिज्य (सांख्यिकी सहित) में मास्टर डिग्री या समतुल्य।

- (2) इलैक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग के क्षेत्र में 8/10 वर्ष का अनुभव (उनके लिए जो क्रमशः (1) (क) और (1) (ख) में बिहित अनिवार्य प्रहृताएं रखते हैं)। इनमें से 5 वर्ष का अनुभव बाणिज्यिक व्यवसायोन्मुखी भाषा (कमर्शियल बिजनेस ओरिएटेड लैंग्वेज) में सिस्टम डिजाइन और प्रोग्रामिंग/सेनक्रम या मिनरी कम्प्यूटर पर फार्मूला ट्रांसलेशन में होना आवश्यक है। शेष अनुभव निम्नलिखित में से किसी भी क्षेत्र में हो सकता है:—

- (1) कम्प्यूटर प्रणाली का जयन और संस्थापन।
- (2) चलन-चलन स्थानों पर स्थित कम्प्यूटर केन्द्रों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रबंध।
- (3) ग्राफिक/कार्टोग्राफिक प्रयोगों के लिए साफ्टवेयर का विकास।
- (4) डी० बी० एम० एस० पैकेज का उपयोग करते हुए डाटा बेस का विकास।
- (5) ओ० एस०, प्लॉटर इंटरफेस रूटीन या अन्य उपयोगिताओं जैसे प्रणाली साफ्टवेयर पैकेजों का विकास।

टिप्पणी 1: प्रहृताएं, अन्यथा सुप्रहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पणी 2: अनुभव संबंधी प्रहृता (प्रहृताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उस दशा में शिथिल की जा सकती हैं/हैं, जबकि जयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।

बांछनीय

- (1) कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में विशेषज्ञता सहित व्यवसाय प्रशिक्षण में मास्टर डिग्री या समतुल्य।
- (2) राष्ट्रीय स्तर पर कम्प्यूटर नेटवर्क की स्थापना का अनुभव।
- (3) कम्प्यूटर के प्रारम्भिक प्रयोक्ताओं को प्रशिक्षण देने का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित आयु और शैक्षिक प्रहृताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं

परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों से भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रति शतता

9

10

11

आयु : नहीं

अनिवार्य प्रहृताएं : हां

सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों के लिए एक वर्ष प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण, जिसके न न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना के क्षेत्र जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया किया जाएगा

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

12

13

14

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

- (1) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/विश्वविद्यालयों/मातृसत्ता प्राप्त अनुसंधान संस्थाओं/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/सांविधिक या स्वायत्त संगठनों के अधीन ऐसे अधिकारी

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टिकरण पर विचार करने के लिए) :

1. भारत के महाराजिस्ट्रार—अध्यक्ष
2. संयुक्त सचिव (प्रशासन), गृह मन्त्रालय—सदस्य
3. निदेशक (इलैक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग)—सदस्य

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक होगा।

- (क) (1) जो नियमित आधार पर मनुष्य पद धारण किए हों, या
- (2) जिन्होंने 3700-5000 या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर तीन वर्ष की नियमित सेवा की हो, या
- (3) जिन्होंने 3000-4300 रुपये या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर प्रायः वर्ष की नियमित सेवा की हो, और

“टिप्पणी: सीधे भर्ती किए गए किसी व्यक्ति के पुष्टिकरण से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्य-वाहियां संघ लोक सेवा आयोग को अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु, यदि आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक पुनः होगी।”

(ख) जिनके पास कालम 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हों।

(2) बाह्य अभ्यर्थियों के साथ-साथ ग्रेड में तीन वर्ष की नियमित सेवा वाले ऐसे त्रिमासीय संयुक्त निदेशको (इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग) पर भी विचार किया जाएगा जो कालम 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं रखते हैं। यदि उनमें से किसी का पद के लिए अयन हो जाता है तो पद की प्रोन्नति द्वारा भरा गया माना जाएगा।

फीडर प्रवर्ग में विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी साइन में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

दूसरी प्रकार, प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत व्यक्ति भी प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से तुरन्त पहले धारित किसी अन्य संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित, प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

[फाइल नं० 10/1/91-प्रार० जी० (प्रशा० 2)]

पी० एन० सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Office of the Registrar General, India)

New Delhi, the 19th June, 1992

G.S.R. 342.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Additional Director (Electronic Data Processing) in the Office of the Registrar General and ex-officio Census Commissioner for India, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Office of the Registrar General and ex-officio Census Commissioner for India [Additional Director (Electronic Data Processing)] Recruitment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed thereto.

3. Method of recruitment, age limit, educational and other qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, educational and other qualifications and

other matters relating to the aforesaid shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule

4. Disqualifications.—No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, ex-serviceman and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-selection Post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Additional Director (Electronic Data Processing)	2* (1992) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 4100-125-4850-150-5300	Not Applicable	Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).
<p>Note : The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu & Kashmir State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar, Islands or Lakshadweep).</p>					
Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and Other qualifications required for direct recruits.		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.		
7	8		9		
No	Essential		Age : No		
	(i) (a) Master's Degree in Computer Science/Computer Applications or Degree in Computer Engineering from a recognised University or equivalent.		Essential Qualifications		
			Yes		
			OR		

-
- (i) (b) Master's Degree in Statistics/Mathematics (with Statistics)/Operations Research/Physics/Economics (with Statistics)/Commerce (with Statistics) from a recognised University or equivalent.
- (ii) 8/10 years' experience (respectively for those possessing Essential Qualification (i) (a) and (i) (b) in the Electronic Data Processing field. Out of this 5 years must be in Systems Design and Programming in Commercial Business Oriented Language/Formula Translation on a MAINFRAME/MINI COMPUTER. The balance may be in any of the following fields:—
- (1) Computer System Slection and Installation.
 - (2) Management at the National level of location-ally deseperate Computer Centres.
 - (3) Development of the software for graphic/Car-tographic Applications.
 - (4) Data base development using a DBMS package.
 - (5) Development of System Software packages like OS, Plotter interface routines or other utilities.

Note: 1. Qualification are relaxable at the discre-tion of the Union Public Service Commis-sion in case of candidates otherwise well qualified.

Note: 2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidate belonging to scheduled castes and scheduled tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that suffi-cient number of candidates from these communities possessing the requisite ex-perience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable

- (i) Master's degree or equivalent Diploma in Busi-ness Administration with specialisation in Com-puter Applications.
 - (ii) Experience of setting up a Computer network at the national level.
 - (iii) Experience of providing training to initial users of Computers.
-

Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment, or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods:	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.
10	11	12
One year for direct recruits.	Promotion/transfer on deputation failing which by direct recruitment.	<p>Promotion/Transfer on Deputation:</p> <p>Officers under the Central/State Governments/Universities/Recognised Research Institutes/Public Sector Undertakings/Statutory or Autonomous Organisations—</p> <p>(a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or</p> <p>(ii) with three years' regular service in posts in the scale of Rs. 3700-5000 or equivalent; or</p> <p>(iii) with eight years' regular service in posts in the scale of Rs. 3000-4500 or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.</p> <p>(2) The Departmental Joint Directors (Electronic Data Processing) with three years regular service in the grade and possessing educational qualifications prescribed for direct recruits under column 8 shall also be considered along with the outsiders. In case any of them is selected to the post, it shall be deemed to have been filled by promotion.</p> <p>The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation.</p> <p>Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.</p> <p>Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation department of the Central Government shall ordinarily not exceed THREE Years.</p>
13	14	
If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation):— 1. Registrar General of India—Chairman 2. Joint Secretary (Administration) Ministry of Home Affairs—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary on each occasion.	

3. Director (Electronic Data Processing)—Member.

“Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held”.

[F.No. 10/1/91—RG(Ad.-II)]

P.N. SINGH, Under Secy.

विस्तार मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1992

सा. का. नि. 343.—राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा समूह “क” नियम, 1987 (जिसे इसमें आगे उक्त नियम कहा गया है) का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा समूह “क” (संशोधन) नियम, 1991 है।
(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. उक्त नियमों से संलग्न अनुसूची II के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात्:—

अनुसूची II

[नियम 2 का खंड (ब) और नियम 25 देखें।]

सेवा के विभिन्न समूहों में के पदों पर प्रोन्नति और पुष्टि के मामलों पर विचार करने के लिए विभागीय समिति की संरचना

क्रम सं.	समूह	प्रोन्नति पर विचार करने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति	पुष्टि पर विचार किए जाने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति
1	2	3	4
1. समूह II	1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग 2. सचिव (राजस्व) 3. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड 4. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड	अध्यक्ष सदस्य सदस्य सदस्य	लागू नहीं होता
2. समूह III	1. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड 2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड के दो सदस्य *	अध्यक्ष सदस्य	लागू नहीं होता
3. समूह IV	1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग 2. अध्यक्ष केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड 3. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड *	अध्यक्ष सदस्य सदस्य	लागू नहीं होता
5. समूह V	1. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड 2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड के दो सदस्य *	अध्यक्ष सदस्य	लागू नहीं होता

1	2	3	4
6. रू. VI	1. अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग	अध्यक्ष	1. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड--प्रध्यक्ष
	2. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड	सदस्य	2. संयुक्त सचिव (प्रशासन), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड--सदस्य
	3. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड*	सदस्य	3. उप सचिव (प्रशासन), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड--सदस्य

*जिसका नामनिर्देशन अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

टिप्पण 1: संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य से भिन्न किसी सदस्य की अनुपस्थिति से समिति को कार्यवाहियों, यदि विभागीय प्रोन्नति समिति के आधे से अधिक सदस्य बैठक में हजरि थे तो विधिवत् नहीं होगी।

टिप्पण 2: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां आयोग 1 के अनुमोदन के लिए भेजी जाएंगी तथापि यदि उनका आयोग द्वारा अनुमोदन नहीं किया जाता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक, जिसकी अध्यक्षता संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष करेगा, पुनः की जाएगी।

[फा. सं. ए-32012/2/91-प्रशा. II]

भार. के. गुप्तन, प्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 3rd July, 1992

G.S.R. 343.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian

Customs and Central Excise Service Group 'A' Rules, 1987 (hereafter called the said rules) namely :—

1. (i) These rules may be called the Indian Customs and Central Excise Service Group 'A' (Amendment) Rules, 1992.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. The Scheduled II annexed to the said rules shall be substituted by the following Schedule, namely :—

SCHEDULE II

[See Clause (C) of the rule 2 and rule 25]

Composition of Departmental Promotion Committee for considering cases of promotion and confirmation to posts included in the various grades of the service.

S. No.	Grade	Departmental Promotion Committee for Considering Promotion	Departmental Promotion Committee for Considering Confirmation
1	2	3	4
1.	Grade II	1. Chairman/Member, Union Public Service Commission 2. Secretary (Revenue) 3. Chairman, Central Board of Excise & Customs 4. Members, Central Board of Excise & Customs	— Chairman — Member — Member — Member
2.	Grade III	1. Chairman, Central Board of Excise & Customs 2. Two Members of Central Board of Excise & Customs*	— Chairman — Member

1	2	3	4
3. Grade IV	1. Chairman/Member, Union Public Service Commission	— Chairman	Not applicable.
	2. Chairman, Central Board of Excise & Customs	— Member	
	3. Member, Central Board of Excise & Customs*	— Member	
4. Grade V	1. Chairman, Central Board of Excise & Customs	— Chairman	Not applicable.
	2. Two Members of Central Board of Excise & Customs*	— Members	
5. Grade VI	1. Chairman/Member, Union Public Service Commission	— Chairman	1. Member, Central Board of Excise & Customs — Chairman
	2. Chairman, Central Board of Excise & Customs	— Member	2. Joint Secretary (Admn.) Central Board of Excise & Customs — Member
	3. Member, Central Board of Excise & Customs	— Member	3. Deputy Secretary (Admn.) Central Board of Excise & Customs — Member

*To be nominated By Chairman, Central Board of Excise & Customs.

NOTE 1 : The absence of a Member other than Chairman or a Member of the Commission shall not invalidate the proceedings of the Committee, if more than half the Members of the Departmental Promotion Committee had attended its meetings.

NOTE 2 : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Commission shall be held.

[F. No. A-320(2/91-Ad.-II)]

R.K. GUPTAN, Under Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 1 जून, 1992

सा.का.नि. 344.—जबकि सालारजंग संग्रहालय अधिनियम, 1961 (1961 का 26) जिसे इसके बाद उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 5 की उपधारा (1) के उपबन्ध (घ) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ने नवाब अक़्बास यार जंग को इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिए सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के सदस्य के रूप में मनोनीत किया है;

और जबकि उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के उपबन्ध (छ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद् के महानिदेशक, डा. सरोज घोष, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा के विभागाध्यक्ष श्री गुलाम शेख तथा श्री के.एन. राव, भूतपूर्व सांसद (6-3-251/4, रोड नं. 1, बजारा हिल्स, हैदराबाद) को सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिए सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के सदस्य के रूप में मनोनीत किया है।

जहां तक आंध्र प्रदेश राज्य सरकार के नामित व्यक्तियों का संबंध है, इस संबंध में अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी।

[सं. फा. 10-15/86-सी एच 5/सी एच 1]

पी.एल. पसरीचा, अवसर सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

नई दिल्ली, 16 जून, 1992

(Department of Culture)

New Delhi, the 1st June, 1992

G.S.R. 344.—Whereas in pursuance of clause (i) of Sub-section (1) of Section 5 of the Salarjung Museum Act, 1961 (26 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government has nominated Nawab Abbas Yar Jung to be a member of the Salarjung Museum Board for a period of five years with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

And, whereas, in pursuance of clause (g) of sub-section (1) of Section 5 of the said Act, the Central Government has nominated Dr. Saroj Ghose, Director General, NCSM, Shri Gulam Seikh, Head of the Department, M. S. University, Baroda and Shri K. S. Rao, Ex-MP (6-3-251/4, Road No. 1 Banjara Hills, Hyderabad), to be members of the Salarjung Museum for a period of five years with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

In so far as State Government of Andhra Pradesh nominees are concerned, a separate notification will be issued.

[No. F. 10-15/86-CH-5/CH.1]

P. L. PASRICHA, Under Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th July, 1992

G.S.R. 345.—The words "with immediate effect" appearing in the last line of the Notification of even number dated 16th June, 1992 may be read as "with effect from the date of assumption of office".

[F. 2-27/87-CH.5/CH.1]

DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1992

सा. का. नि. 347.—भारतीय संग्रहालय अधिनियम, 1910 की धारा 2 की उपधारा (1) के उपबंध (ज) के अनुसरण में, एशियाटिक सोसाइटी, कलकत्ता द्वारा प्रो. कल्याण कुमार गंगुली को भारतीय संग्रहालय, कलकत्ता के व्यासों के रूप में 3 वर्ष की अवधि के लिए पदभार ग्रहण करने की तारीख से नामित किया गया है।

[फा. सं. 2-27/87-सी. एच. I]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 1992

G.S.R. 347.—In pursuance of clause (h) of Sub-section (1) of Section 2 of the Indian Museum Act, 1910, Prof. Kalyan Kumar Ganguly has been nominated by Asiatic Society, Calcutta as Trustee of the Indian Museum, Calcutta

for a period of 3 years with effect from the date of assumption of office.

[F. No. 2-27/87-CH.1]

DHARAM PAL, Under Secy.

विद्युत एवं प्रसारणिक ऊर्जा स्रोत संस्थान

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1992

सा. का. नि. 348.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रस्तावित नितियों का प्रयोग करते हुए, और केन्द्रीय ऊर्जा आयोग / केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण अनुसंधानोद्यम (संयुक्त "ए" वर्ग) (अखिलेश्वर अधिकारियों का संयुक्त कां.अ.) भर्ती नियम, 1986 को उन बातों के सिक्का अधिकांश करने हुए

भर्ती की प्रक्रिया का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :- उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उसका/उनके वेतनमान ये होंगे, जो उक्त अनुसूची के सम्म

5. निरहंताणं - बहु व्यक्ति -

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है

उक्त पद पर निम्नलिखित का पालन नहीं होगा

6. शिक्षण करने की शक्ति—अर्थात् केन्द्रीय सरकार को यह तात् है कि ऐसा करना आवश्यक या सर्वोपयुक्त है, वहाँ यह उसके लिए जो कारण हैं उसे लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी दाय या प्रवर्ग के व्यक्तियों को बाधित, आवेशन द्वारा शिक्षित कर सकेगी।

7. ध्यावृत्ति -इन नियमों की कांई बात, ऐसे आरक्षणों, प्रायु-सीमा में छूट और अन्ध रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रिय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर तिकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्ध विशेष प्रकार के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है ।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वयन एवं अवकाश अवयदन	सीधे भर्ती किए जाने वाले सेवा व्यक्तियों के लिए प्रायु सीमा	में जोड़ें गए वर्षों का फायदा
1	2	3	4	5	6	7
1. प्रधान लिपिक	2 (1991)	समूह 'ग' अनुसूचित्वीय, (भराजपत्रित)	1400-40-1800-र. रों.-50-2300 रु.	अवयदन	लागू नहीं होता	केंद्रीय सिविल सेवा (वेतन) निदम, 1972 के निदम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।						
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अपेक्षित अनुज्ञाएं						
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा को अवधि यदि कोई हो विहित प्रायु और शैक्षिक अनुज्ञाएं प्राप्त न हो व्यक्तियों को वशा में लागू होंगे या नहीं						
8						
9						
10						
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता			लागू नहीं होता		

भर्ती की प्रवृत्ति भर्ती मध्ये श्रेणी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वृद्धि में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

12

प्रोन्नति द्वारा।

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अधीनस्थ कार्यालय के अनुसचिवीय कर्मचारी वृत्त काष्ठ के ऐसे उच्च श्रेणी सिविल जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर कम से कम पाँच वर्ष सेवा की है।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति (समूह "ग")

लागू नहीं होता

1. निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -अध्यक्ष
2. निदेशक (एच.टी.डी. 1) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -सदस्य
3. निदेशक (टी.एम.डी.) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -सदस्य
4. अवर सचिव (प्रशासन) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -सदस्य
5. अवर सचिव (कार्मिक) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -सदस्य

1	2	3	4	5	6	7
2. आधुनिक श्रेणी-II	15* (1991) समूह "ग" अनुसचिवीय, *कार्यभार के आधार (अराजकतित) पर परिवर्तन किया जा सकता है।	समूह "ग" अनुसचिवीय, 1400-40-1800-व. रो.-50-2300 रु०	अवकाश		लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

8

9

10

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

11

12

प्रोन्नति द्वारा

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अधीनस्थ कार्यालय के अनुसचिवीय कर्मचारी वृत्त काष्ठ के ऐसे आधुनिक श्रेणी iii जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर कम से कम पाँच वर्ष सेवा की है।

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति (समूह "ग")

लागू नहीं होता

1. निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -अध्यक्ष
2. निदेशक (एच.टी.डी.) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -सदस्य
3. निदेशक (टी.एम.डी.) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -सदस्य
4. अवर सचिव (प्रशासन) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -सदस्य
5. अवर सचिव (कार्मिक) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण -सदस्य

8

9

10

- (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड से मैट्रिकुलेशन या समतुल्य; और
- (2) न्यूनतम गति:—
- (क) आंग्ललिपि (अंग्रेजी) में प्रति मिनट 100 शब्द और टंकण (अंग्रेजी) में प्रतिमिनट 40 शब्द की गति; या
- (ख) आंग्ललिपि (हिन्दी) में प्रतिमिनट 100 शब्द और टंकण (हिन्दी) में प्रतिमिनट 40 शब्द की गति हो।

लागू नहीं होता

दो वर्ष

11

12

कर्मचारी न्यून आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा जगके न हो सकने पर भर्ती को अन्य प्रयुक्त प्रणाली जैसे केन्द्रिय (अतिशिष्ट) कर्मचारीवृत्त कक्षा/स्थानीय रोजगार कार्यालय/केन्द्रिय त्रिचालय आंग्ललिपिक/ सेवा काउंटर के आंग्ललिपिक श्रेणी "ख" से स्थायी स्थानान्तरण के माध्यम से।

लागू नहीं होता

14

14

विभागीय प्रोन्नति (समूह "ग")

लागू नहीं होता

1. निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण—अध्यक्ष
2. निदेशक (एच.टी.डी.) केन्द्रीय विद्युतप्राधिकरण—सचिव
3. निदेशक (टी.एम.टी.) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण—सदस्य
4. अवर सचिव (प्रशासन) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण—सचिव
5. अवर सचिव (व्यापार) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण—सदस्य

1	2	3	4	5	6	7
5. निम्न श्रेणी लिपिक	59* (1991) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	समूह "ग" अनुसूचितीय (अवकाशपत्रित)	950-20-1150 -द.रो.- 29-1500 रु	अचयन	18 से 25 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए शर्तों या शर्तों के अनुसार उच्च-कार्य श्रेणियों के लिए विचार को जा सकता है। टिप्पण:—व्यक्तिगत आवश्यकता करने के लिए निर्धारित तारोख कर्मचारी न्यून आयोग द्वारा कक्षा-निर्धारित होगी। रोजगार कार्यालयों के माध्यम से भर्ती की दृष्टि से आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्धारित तारोख तदु-अंतिम तारोख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों का काम चलने के लिए कहा गया है।	लागू नहीं होता

8

9

10

- (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड से मैट्रिकुलेशन या समतुल्य; और
- (2) टंकण (अंग्रेजी) में प्रतिमिनट 30 शब्द की गति; या
- (ख) टंकण (हिन्दी) में प्रति मिनट 25 शब्द की गति।

हों

स्तर 11 में उपरिष्ठ सीमा तक

दो वर्ष

- (1) कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से 90 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा जिसके न हो सकने पर भर्ती को अन्य अनुज्ञेय प्रणाली जैसे केन्द्रीय (अधिषिष्ट) कर्मचारीवृन्द कक्ष स्वातंत्र्य रोजगार कार्यालय द्वारा ।
- (2) 5 प्रतिशत विभागीय परीक्षा के आधार पर ऐसे समूह "घ" कर्मचारीवृन्द में से जिनके पास मैट्रिकुलेशन या समतुल्य अर्हताएं हैं और जिन्होंने समूह "घ" में नियमित आधार पर पांच वर्ष सेवा की है परीक्षा के लिए पात्रता को अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष है (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 50 वर्ष आयु)

टिप्पण: (क) किसी विशिष्ट वर्ष से संबंधित भरी न गई रिक्तियां अग्रणीत नहीं की जाएंगी ।

(ख) यदि, खंड (ii) के अधीन उपलब्ध रिक्तियों की संख्या से ऐसे कर्मचारियों की संख्या, जिन्होंने उक्त परीक्षा में अर्हता प्राप्त की है, अधिक है तो ऐसे अधिक संख्या के कर्मचारियों पर परमावर्ती वर्षों में होने वाली रिक्तियों को भरे जाने लिए विचार किया जाएगा ताकि पहले की परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर ऐसे कर्मचारियों से जिन्होंने बाद की परीक्षा में अर्हता प्राप्त की है, पहले विचार किया जा सके ।

(ग) जब तक कि अन्यथा सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी अर्थात् सिविल सर्जन द्वारा शारीरिक रूप से निःशक्तता के कारण टंकण परीक्षण उत्तीर्ण करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य नहीं घोषित कर दिया जाता और टंकण परीक्षण उत्तीर्ण करने की अपेक्षा से नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा छूट नहीं दे दी जाती है, अभ्यर्थियों को उनकी नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष के भीतर अंग्रेजी में न्यूनतम 30 शब्द या हिंदी में 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षण उत्तीर्ण करना होगा; जिसके न हो सकने पर उन्हें तब तक वार्षिक बतनवृद्धि (यों) अनुज्ञेय नहीं होगी जब तक कि वे परीक्षण उत्तीर्ण नहीं कर लेते ।

(3) पांच प्रतिशत रिक्तियां ऐसे समूह "घ" कर्मचारियों में से जिनके पास मैट्रिकुलेशन या समतुल्य अर्हता है और जिन्हें टंकण का ज्ञान है ज्येष्ठता-सह-उपयुक्तता के आधार पर भरी जाएगी ।

संक्रम 11 में कथित रूप

विभागीय प्रोन्नति समिति (समूह "ग")

(पुष्टि, परीक्षा और दक्षतापरीक्षा पूरा करने के संबंध में विचार करने के लिए)

- (1) निदेशक (प्रशासन), केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण—अध्यक्ष
- (2) निदेशक (एच.टी.डी.) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण—सदस्य
- (3) निदेशक (टी.एम.डी.) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण—सदस्य
- (4) अवर सचिव (प्रशासन) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण—सदस्य
- (5) अवर सचिव (कार्य) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण—सदस्य

लागू नहीं होता

[सं. 28/92मिसिलसं.ए.-12018/5/90-प्रशा. I]

आर. पुष्पोत्तमन, अवर सचिव

MINISTRY OF POWER & NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (Department of Power)

New Delhi, the 1st July, 1992

G.S.R. 348.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministerial (Group 'C') posts (joint cadre of subordinate offices) of Central Water Commission/Central Electricity Authority Recruitment Rules, 1986, in so far as they relate to the Central Electricity Authority, except as respects things done or omitted to be done before such supersession the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Ministerial (Group 'C') posts in the Subordinate Offices of the Central Electricity Authority, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministerial (Group 'C') posts of Central Electricity Authority (Subordinate Offices) Recruitment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classifications and scales of pay.—The number of the said posts, their classifications and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule aforesaid.

4. Method of Recruitment, age-limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts, age-limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

5. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
1. Head Clerk	2@ (1991) @Subject to variation depending upon workload.	Group 'C' Ministerial (Non Gazetted)	Rs. 1400-40-1800--EB-50 2300.
2. Stenographer Grade-II	15 @ (1991) @Subject to variation depending upon workload.	-do-	Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300.
3. Upper Division Clerk	34@ (1991) @Subject to variation depending upon workload.	-do-	Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.
Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added service admissible under rule 30 of Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	
5	6	7	
Non Selection	Not applicable	Not applicable	
-do-	-do-	-do-	
-do-	-do-	-do-	
Education & other qualifications required for direct recruits	Whether age & educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any,	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
8	9	10	11
1. Not applicable	Not applicable	Not applicable	By promotion
2. -do-	-do-	-do-	By promotion
3. -do-	-do-	-do-	By promotion

In case of recruitment by promotion/ deputation/ transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists. what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
12	13	14
1. Upper Division Clerk borne on the cadre of Ministerial staff of the subordinate offices of the Central Electricity Authority who have rendered atleast five years' service in the grade on regular basis.	Departmental Promotion Committee (Group C) (i) Director (Administration.) Central Electricity Authority—Chairman (ii) Director (HTD-I), Central Electricity Authority—Member. (iii) Director (TMD), Central Electricity Authority—Member (vi) Under Secretary (Administration), Central Electricity Authority— Member. (v) Under Secretary (Personnel), Central Electricity Authority—Member.	Not applicable
2. Stenographer Grade-III borne on the cadre of Ministerial staff of the subordi- nate offices of the Central Electricity Authority who have rendered atleast five years' service in that grade on regular basis.	-do-	-do-
3. Lower Division Clerks borne on the cadre of Ministerial staff in subordinate offices of Central Electricity Authority and who have rendered atleast eight years' service in that grade on regular basis.	-do-	-do-
4. Stenographer Grade-III	61@ (1991) @ Subject to variation depending upon workload.	-do-
5. Lower Division Clerk	69@ (1991) @ Subject to variation depending upon workload.	-do-
-do-	18-25 years (Relaxable for Government servants in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note: The crucial date for determining the age limit shall be as advertised by the Staff Selection Commission. In case of recruitment through the Employment Exchange, the crucial, date for deter- mining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the Names.	-do-
-do-	-do-	Not applicable

8	9	10	11
4. (i) Matriculation or equivalent from a recognised University/Board; and (ii) Minimum speed of (a) 100 words per minute in Shorthand (English) and 40 words per minute in Typewriting (English) or (b) 100 words per minute in Shorthand (Hindi) and 30 words per minute in Typewriting (Hindi).	Not applicable	Two years	By direct recruitment through Staff Selection Commission failing which through other permissible channels of recruitment such as the Central (Surplus) Staff cell/Local Employment Exchange/Permanent transfer from the Stenographer Grade 'D' of Central Secretariat Stenographer Service cadre.
5. (i) Matriculation or equivalent from a recognised University/Board. and (ii) Minimum speed of (a) 30 words per minute in Typewriting (English) or (b) 25 words per minute in Typewriting (Hindi).	Yes, to the extent indicated in Col. 11	Two years	(1) 90% by direct recruitment through Staff Selection Commission, failing which through other permissible channels of recruitment such as the Central (Surplus) Staff Cell/Local Employment Exchange. (2) 25% to be filled, on the basis of Departmental Examination from amongst Group 'D' staff who possess matriculation or equivalent qualifications and have rendered five years' service on regular basis in Group 'D'. The maximum age limit for eligibility for examination is 45 years (50 years of age for Scheduled Castes/Scheduled Tribes).

Note:

- (a) Unfilled vacancies pertaining to a particular year shall not be carried over.
- (b) If more of such employees than the number of vacancies available under clause (ii) qualify at the said examination, such excess number of employees shall be considered for filling the vacancies arising in the subsequent years so that the employees qualifying at an earlier examination are considered before those who qualify at a latter examination.
- (c) Unless otherwise declared by the competent medical authority i.e. civil surgeon, to be permanently

unfit to pass the typewriting test because of a physical disability and exempted by the appointing authority from the requirement of passing the typewriting test, candidates shall have to pass typewriting test at a minimum speed of 30 words in English or 25 words in Hindi per minute within a period of two years from the date of appointment failing which no annual increment(s) shall be allowed to them until they have passed the said test.

- (3) 5% of vacancies shall be filled on seniority-cum-fitness basis from Group 'D' employees who possess Matriculation or equivalent qualification and who have knowledge of typing.

12	13	14
4. Not applicable	<p>Departmental Promotion Committee (Group 'C')</p> <p>(for considering confirmation, clearance of probation and Efficiency Bar)</p> <p>(i) Director (Administration), Central Electricity Authority—Chairman.</p> <p>(ii) Director (HTD-I), Central Electricity Authority—Member.</p> <p>(iii) Director (TMD), Central Electricity Authority—Member.</p> <p>(iv) Under Secretary (Administration), Central Electricity Authority—Member.</p> <p>(v) Under Secretary (Personnel), Central Electricity Authority—Member.</p>	Not applicable.
5. As stated in Col. 11	-do-	Not applicable.

[No. 28/92 F.No. A-12018/5/90-Adm.-I]

R. PURUSHOTHAMAN, Under Secy.

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रति- प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/नियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने स्थानान्तरण किया जाएगा वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

11

12

- (1) 25 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा
(2) 75 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा हैं) द्वारा।

प्रोन्नति:

सौर ऊर्जा केन्द्र में 1400-2600 रु० वेतनमान में ऐसे सहायक फोरमैन, जिन्होंने उस श्रेणी में पाँच वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा हैं)।
केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकारी और विश्वविद्यालयों/वैज्ञानिक संस्थाओं/अनुसंधान संस्थाओं से ऐसे वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद,

(क) (i) नियमित आधार पर सूक्ष्म पद धारण किए हुए हैं,

(ii) जिन्होंने 1400-2300 रु० या समतुल्य वेतनमान वाले पद पर पाँच वर्ष नियमित सेवा की है, और

(ख) जिनके पास किसी मान्यताप्राप्त संस्था से यांत्रिक इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी में तीन वर्ष का डिप्लोमा है।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि: जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस/उन नियमों के अधीन नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, तीन वर्ष से अधीन नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

प्रोन्नति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए समूह 'ख'
विभागीय प्रोन्नति समिति:

1. सहायक/निदेशक (सौर ऊर्जा केन्द्र)--अध्यक्ष
2. प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी (सौर ऊर्जा केन्द्र)--सदस्य
3. प्रशासनिक अधिकारी (सौर ऊर्जा केन्द्र)--सदस्य

किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा हैं) पर नियुक्ति करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

टिप्पणी: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति का कार्यवाहिका, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएगी। किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति को बैठक संघ लोक सेवा आयोग के समक्ष या किसी सदस्य को अध्यक्षता में फिर से होगी।

[सं० 1/1/85—असा./एस०ई० सी.]

अजीत कुमार गुप्ता, निदेशक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Non-Conventional Energy Sources)

New Delhi, the 17th July, 1992

G.S.R. 349.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Foreman, Group 'B' (Non-Gazetted) Ministerial in the Solar Energy Centre, Department of Non-Conventional Energy Sources, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Solar Energy Centre, Department of Non-Conventional Energy Sources (Foreman) Recruitment Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualification etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such a marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any persons from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, in consultation with the Union Public Service Commission by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of posts	No. of posts	Classification	Scale of pay
(1)	(2)	(3)	(4)
Foreman	2* (1991)	G.C.S. Gp. 'B', Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900

*Subject to variation dependent on workload.

Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rules 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972
(5)	(6)	(7)
Selection	Not applicable	Not applicable
Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any
(8)	(9)	(10)
Not applicable	Not applicable	2 years for promotee Officers
		Method of rectt., whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer percentage of the vacancies to be filled by various methods
		(i) 25% by promotion (ii) 75% by transfer on deputations, transfer (including short term contract).
(12)	(13)	(14)
In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a departmental promotion committee exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment

PROMOTION :

Assistant Foreman in the Solar Energy Centre in the scale of Rs. 1400-2600 with five years regular service in the grade.

Transfer on deputation/Transfer including (short-term contract) from :

Officers under the Central Government/ State Government Scientists and Technologists from Universities/Scientific Institutions/Research Institutions.

(a) (i) holding analogous posts on a regular basis.

OR

(ii) with 5 years regular service in post in the Scale of Rs. 1400-2300 or equivalent; and
(b) possessing 3 years diploma in Mechanical Engineering/Technology from a recognised institution.

(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding appointment under these rules, in the same organisation/ Department, shall not exceed 3 years).

Gp. 'B' Departmental Promotion Committee For promotion/confirmation :

1. Adviser/Director (Solar Energy Centre) — Chairman
2. Principal Scientific Officer (Solar Energy Centre) — Member
3. Administrative Officer (Solar Energy Centre) — Member

NOTE : The proceedings of the Departmental promotion committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval if, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental promotion committee to be presided over by the Chairman or a member of the Union Public Service Commission shall be held.

Consultation with the Union Public Service Commission necessary while appointing an officer on deputation transfer (including short term contract).

प्राप्तिकृत एवं नव संशोधन

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1992

भा. का. नि. 350 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के पदच्युत द्वारा प्रदत्त जलियों का प्रयोग करने हुए और अनुसंधान संस्थान और ब्रह्मविद्यालय, देहरादून और उसके बाह्य क्षेत्र (समूह "ब" पद) भर्ती नियम, 1983 की, उन बातों के विषय में प्रकाशित करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिकरण से पहले किया गया है या करने का सोचा किया गया है वन शिक्षा निदेशालय का कार्यालय, देहरादून और उसके पटक महाविद्यालयों में समूह "ब" पदों पर भर्ती का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम वन शिक्षा निदेशालय, देहरादून और उसके पटक महाविद्यालय (समूह "ब" पद) भर्ती नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनका वेतनमान के होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य शर्तें आदि :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शर्तें आदि, उनसे संबंधित अन्य बातें के होंगे जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरर्हता :—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अन्तर्गत अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह निम्न व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, यहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. आरम्भिक गठन :—इस अनुसूची में वर्णित पदों के पदधारियों, जो इन नियमों के प्रकाशन के पूर्व नियमित आधार पर भर्ती/नियुक्त किए गए थे, इन नियमों के अन्तर्गत नियुक्त किए गए समझे जाएंगे। इन नियमों के प्रकाशन के पूर्व नियमित आधार पर किसी पद पर उनके द्वारा की गई सेवा को अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए पात्रता को विनिश्चित करने के लिए गणना में लिया जाएगा।

8. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अनुपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना प्रयोजित है।

अनुसूची						
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अग्रपद अथवा अग्रयन पद	गांधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।
1	2	3	4	5	6	7
1. हेमर	अ)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ"	825-15-900-	अग्रयन	18 से 25 वर्ष के बीच :	नहीं
	1992	मेवा, समूह "घ"	व. रो. -20-		(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति की जा सकती है।	
	कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	अनुसूचित जातीय	1200 र.		टिप्पणी :—आयु-सीमा पर ध्यान देने के लिए निर्धारित तारीख भारत में अश्वधियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निष्कारण द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आये-वन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।	

7

टिप्पण : 2 :—रोजगार-कार्यालयों के माध्यम से भर्ती की दशा में आयु सीमा व्यवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अवेकिल भौतिक और अन्य ग्रहणाएं
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और भौतिक ग्रहणाएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो

8

9

10

- (i) आठवीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाणपत्र
(ii) किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में बैचर की परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
(iii) किसी अस्पताल या औषधालय में दो वर्ष के अनुभव के साथ प्राथमिक उपचार या घावों पर ड्रेसिंग करने का पर्याप्त ज्ञान होना चाहिए।

लागू नहीं होता

दो वर्ष

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

सीधी भर्ती द्वारा।

लागू नहीं होता

टिप्पण :—पदधारी के प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर या सम्बन्धी बीमारी या अध्ययन छुट्टी या अन्य परिस्थितियों में एक वर्ष या अधिक अवधि के लिए बाहरी रहने के कारण हुई रिक्तियाँ, केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारियों से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के आधार पर भरी जा सकेंगी :—

- (क) जो नियमित आधार पर सकृश पद धारण किए गए हुए हैं;
(ख) जिनके पास स्तंभ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित ग्रहणाएं और अनुभव हैं।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) :

लागू नहीं होता

- कार्यालय का प्रधान —अध्यक्ष
- अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाने वाला समुचित प्रास्थिति का एक अन्य अधिकारी —सदस्य
- अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाने वाला किसी बाह्य विभाग का एक अधिकारी —सदस्य

1	2	3	4	5	6	7
2. दफ्तरी	2* (1992) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ"	800-15-1010 द. रो.-20- 1150 रु	अनन्त	लागू नहीं होता	नहीं
	8			9		10
	लागू नहीं होता			लागू नहीं होता		दो वर्ष
	11			12		
	प्रोत्पत्ति द्वारा			प्रोत्पत्ति ऐसे जपरासी और कक्षा परिवर्तन, जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है।		
	13			14		
1. संबंधित कार्यालय का प्रधान		--अध्यक्ष		लागू नहीं होता		
2. अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाने वाला एक अन्य अधिकारी		--सदस्य				
3. किसी सिव्वा कार्यालय से सम्बन्धित प्राप्ति का एक अधिकारी		--सदस्य				
1	2	3	4	5	6	7
3. प्रधान माली	1* (1992) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ"	775-12-955 द. रो.-14- 1025 रु.	अनन्त	लागू नहीं होता	नहीं
	8			9		10
	लागू नहीं होता			लागू नहीं होता		लागू नहीं होता
	11			12		
	प्रोत्पत्ति द्वारा			प्रोत्पत्ति ऐसे माली, जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम तीन वर्ष नियमित सेवा की है।		
	13			14		
1. कार्यालय का प्रधान		--अध्यक्ष		लागू नहीं होता		
2. अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाने वाला एक अन्य अधिकारी		--सदस्य				
3. किसी बाह्य कार्यालय से सम्बन्धित प्राप्ति का एक अधिकारी		--सदस्य				

1	2	3	4	5	6	7
4. अपरासी/कक्षा परिवार	15* (1992) * (वन शिक्षा निदेशालय--2 राज्य वन सेवा महाविद्यालय, देहरादून--2 राज्य वन सेवा महाविद्यालय कोयम्बटूर--2 राज्य वन सेवा महाविद्यालय, बनौद्वार--7 पूर्वी वन रेंजर महाविद्यालय, कुरुमियांग--9) * कार्यभार के आधार पर परितर्क किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ब" अराजपक्षित प्रतनुमविधीय	750-12-976- द. री.— 14-940 रु.	लागू नहीं होता	18 से 20 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या प्रादेशों के अनुसार सरकारों सेवाकों के लिए शिथिल की जा सकती है। टिप्पण:- प्राप्ति-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक सारीख भारत में अव्य- धियों से उनसे भिन्न जो अवमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं (प्राप्ति- वन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। टिप्पण 2 :- रोजगार कार्या- लयों के माध्यम से का जाने वाला भर्ती की दशा में प्राप्ति-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	लागू नहीं होता
	8		9		10	
आवश्यक : आठवीं स्तर उर्दी बोलीयः होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा में "बुनियादी" और "पुनश्चर्चा" पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण।			नहीं		सोचे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए दो वर्ष	
	11		12			
75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा और 25 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।			750-940 रु. के वेतनमान में वन शिक्षा निदेशालय और इसके बटक महाविद्यालयों में कार्य कर रहे ऐसे सकाईनाला चौकीदार/ वन गार्ड और अन्य समूह "ब" कार्यचारियों में से स्थानान्तरण द्वारा, जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित महँगाएँ हैं और अंग्रेजी या हिन्दी या प्रादेशिक भाषा पढ़ने की योग्यता है और जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम पांच वर्ष नियमित सेवा की है।			
	13		14			
विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) : संबंधित कार्यालय का प्रधान 2. अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाने वाला एक अन्य अधिकारी 3. किसी भिन्न कार्यालय से समुचित प्रास्थिति का एक अधिकारी			लागू नहीं होता			
			--अध्यक्ष --सदस्य --सदस्य			

1	2	3	4	5	6	7
5. मास्की	8* (1992) (राज्य बन सेवा महाविद्यालय, देहरादून - 2 राज्य बन सेवा महाविद्यालय, कोयम्बटूर - 2 राज्य बन सेवा महाविद्यालय, बनौली - 2 पूर्वी बन रेंजर महाविद्यालय, कुरसियोग - 2) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ब" अराजपत्रित, अननु- सूचित सचिबीय	750-12-870- द. रो.-14-940 रूपये	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच। (केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनु- सार सरकारी सेवाओं के लिए शिथिल की जा सकती है। टिप्पण 1 : आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंदाज और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। टिप्पण 2 : रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाने वाली भर्ती की दशा में, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	लागू नहीं होता
8	9				10	
आवश्यक :	लागू नहीं होगा				दो वर्ष	
बागबानी का ज्ञान।						
बांछनीय :						
पांचवां स्तर उत्तीर्ण।						
11	12					
सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होगा					
13	14					
विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) :	लागू नहीं होता					
1. संबंधित कार्यालय का प्रधान - अध्यक्ष						
2. अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाने वाला एक अन्य अधिकारी-सदस्य						
3. किसी भिन्न कार्यालय/विभाग से समुचित प्रारिणति का एक अधिकारी - सदस्य						
1	2	3	4	5	6	7
6. चौकीदार	23* (1992) (राज्य बन सेवा महाविद्यालय, देहरादून - 12 राज्य बन सेवा महाविद्यालय, कोयम्बटूर - 5 राज्य बन सेवा महाविद्यालय, बनौली - 4 पूर्वी बन रेंजर महाविद्यालय, कुरसियोग - 2) *कार्यभार के आधार पर परि- वर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ब" अराजपत्रित अननु- सूचित सचिबीय	750-12-870- द. रो.-14-940 रूपये	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनु- सार सरकारी सेवाओं के लिए शिथिल की जा सकती है। टिप्पण 1 : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंदाज और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। टिप्पण 2 : रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाने वाली भर्ती की दशा में आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	लागू नहीं होता

8	9	10				
आवश्यक :	लागू नहीं होता	दो वर्ष				
पाठकों स्तर उत्तीर्ण						
बांछनीय :						
होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा में "बुनिवादी" और "पुनश्चर्चा पाठ्य-क्रम में प्रशिक्षण ।						
11	12					
सीधी भर्ती द्वारा ।	लागू नहीं होता					
13	14					
विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) :	लागू नहीं होता					
1. संबंधित कार्यालय का प्रबन्धन—अध्यक्ष						
2. अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाने वाला एक अन्य अधिकारी—सदस्य						
2. किसी भिन्न कार्यालय/विभाग से समुचित प्रास्थिति का एक अधिकारी—सदस्य						
1	2	3	4	5	6	7
7. क्लासी/ प्राउंडसमैन/ मजदूर	25* (1992) (राज्य वन सेवा महाविद्यालय, देहरादून - 21 राज्य वन सेवा महाविद्यालय बनीहार - 2 राज्य वन सेवा महाविद्यालय, कोयम्बतूर - 2) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है ।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ब" अराजपत्रित, घननु-संचिदीय	750-12-870- द. रो.-14-940 रूपये	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए शिक्षित की जा सकती है ।) टिप्पण 1 : आयु सीमा प्रवर्धित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आश्रय प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी । टिप्पण 2 : रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाने वाली भर्ती की दशा में, आयु-सीमा प्रवर्धित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है ।	लागू नहीं होता
8	9	10				
पांचवा स्तर उत्तीर्ण ।	लागू नहीं होता	दो वर्ष				
11	12					
सीधी भर्ती द्वारा ।	लागू नहीं होता					

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) .

लागू नहीं होता

1. संबंधित कार्यालय का प्रधान—अध्यक्ष
2. एक अन्य अधिकारी (अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाएगा) —सदस्य
3. किसी अन्य विभाग/कार्यालय से समुचित प्रास्थिति का एक अधिकारी — सदस्य

1

2

3

4

5

6

7

8. सफाईवाला

17*

साधारण केन्द्रीय सेवा,

750-12-870-

लागू नहीं

18 से 25 वर्ष के बीच।

लागू नहीं होता

(राज्य वन सेवा महाविद्यालय,

(1992)

समूह "घ" अराजपत्रित, द गे.-14-940क.

होता

(केन्द्रीय सरकार द्वारा समक-समय पर

देहरादून-9

अनुसूचित

जारी किए गए आवेदनों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए नियमित की जा सकती है।

राज्य वन सेवा महाविद्यालय,

*कार्यभार

के आधार पर

कोयम्बटूर-3

परिवर्तन किया

राज्य वन सेवा महाविद्यालय,

जा सकता है।

बनौतार-3

पूर्वी वन रेंजर महाविद्यालय,¹

कुरसियांग-2)

टिप्पण 1 : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अवसरियों से (उनमें भिन्न जो अंशगत और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।

टिप्पण 2 : रोजगार-कार्यालयों के माध्यम से की जाने वाली भर्ती की दशा में आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

8

9

10

बांछनीय:

लागू नहीं होता

वा बंध

प्राथमिक विद्यालय उत्तीर्ण

11

12

सीधी भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति की संरचना

लागू नहीं होता

(पुष्टि के लिए) .

1. संबंधित कार्यालय का प्रधान—अध्यक्ष
2. अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाने वाला एक अन्य अधिकारी—सदस्य
3. किसी बाह्य कार्यालय से समुचित प्रास्थिति का एक अधिकारी—सदस्य

1	2	3	4	5	6	7
9. तकनीकी सहायक श्रेणी 3/ प्रयोगशाला परिष्कार	2* *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समुह "घ", अननुसूचित	800-15-1010- द.रो-20-1150 र.	अवयव	18 से 25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार सुरक्षा सेवाओं के लिए शिथिल की जा सकती है। टिप्पण 1: आयु सीमा प्रस्तावित करने के लिए निर्धारित तारीख भारत में प्रत्यक्षियों से (उनसे भिन्न जो अंदमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। टिप्पण 2: रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाने वाली भर्ती की दशा में, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।]	नड़ी
8				9		10
मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो।				लागू नहीं होता		दो वर्ष
11						12
सीधी भर्ती द्वारा						लागू नहीं होता
13						14
विभागीय प्रोन्नति समिति की संरचना (गुंथि के लिए):						लागू नहीं होता
1. संबंधित कार्यालय का प्रधान—अध्यक्ष						
2. संबंधित राज्य वन सेवा महाविद्यालय का प्राध्यापक/अनुदेशक—सदस्य						
3. किसी बाह्य कार्यालय से समुचित प्रास्थिति का एक अन्य अधिकारी (अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाएगा)—सदस्य						

[सं. 9/91-एफ ई]

एम. एन. कामरा, अवर सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

New Delhi, the 1st July, 1992

G.S.R. 350.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun and its outside Centres (Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1983 in so far as they relate to the posts covered under these rules, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'D' posts in the office of the Directorate of Forest Education, Dehra Dun and its constituent colleges, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Forest Education, Dehra Dun and its constituent Colleges (Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales

of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age-limit, and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualification.—No person:

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Initial constitution.—The incumbents of the posts shown in the Schedule who were recruited/appointed on a regular

basis before the publication of these rules shall be deemed to have been appointed under these rules. The service rendered by them in a post on a regular basis before the publication of these rules shall be taken into account for deciding their eligibility for promotion to the next higher post.

8. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of the age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	Number of post	Classifi- cation	Scale of Pay	Whether selection post or non-selec- tion post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
1. Dresser	1* (1992) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service, Group 'D' Non- Ministerial	Rs. 825-15- 900-EB- 20-1200	Non- selection	Between 18 and 25 years. (Relaxable for Government servants as per the instruc- tions or orders issued by the Central Government). Note 1. : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note 2. : In case the recruit- ment is made through Em- ployment Exchange, the Crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employ- ment Exchange is asked to submit names.
Whether benefit of added years of service admissi- ble under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifica- tions required for direct recruits		Whether age and educa- tional qualifications pres- cribed for direct recruits will apply in the case of promotees.		Period of probation, if any
7	8		9		10
No	(i) 8th class pass certificate, (ii) Should also have passed the Dressers Examination from a recognised Institute, or; (iii) should have adequate know- ledge of First Aid and dress- ing of wounds with 2 years experience in a hospital or dis- pensary.		Not applicable		2 years

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of promotion/ deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
11	12	13	14
By direct recruitment Note : Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from offices of Central Government :— (a) holding analogous posts on regular basis; (b) possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.	Not applicable	Departmental Promotion Committee (for confirmation) : 1. Head of the Office —Chairman 2. Another officer of appropriate status to be nominated by Chairman —Member 3. An officer from an outside department to be nominated by Chairman —Member	Not applicable

1	2	3	4	5	6
2. Daftry	2*(1992) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D'	Rs. 800 15 1010 EB 20 1150	Non selection	Not applicable

7	8	9	10
No	Not applicable	Not applicale	2 years

11	12	13	14
By promotion	Promotion : Peons and Class Room Attendants with 5 years regular service in the grade.	1. Head of the Office concerned—Chairman 2. Another officer to be nominated by Chairman —Member 3. An officer of an appropriate status from a different office—Member	Not applicable

1	2	3	4	5	6
3. Head Mali	1* (1992) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service, Group 'D' Non-Ministerial	Rs. 775-12-955-EB-14-1025	Non-Selection	Not applicable
7		8		9	10
No		Not applicable		Not applicable	Not applicable
11		12		13	14
By promotion	Promotion : Malis with a minimum of 3 years' regular service in the grade.		1. Head of the Office— —Chairman 2. Another officer to be nominated by the Chairman—Member 3. An officer of an appropriate status from an outside office (to be nominated by the Chairman)—Member		Not applicable

1	2	3	4	5	6
4. Peon/ Class Room Attendant	15* (1992) (Directorate of Forest Education—2 State Forest Service College, Dehra Dun—2 State Forest Service College, Coimbatore—0 State Forest Service College, Burnihat—7 Eastern Forest Rangers College, Kurseong—4 *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'D' Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 750-12-870-EB-14-940	Not applicable	Between 18 and 25 years. (Relaxable for Government servants as per the instructions or orders issued by the Central Government). Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note 2 : In case recruitment is made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit names.

7	8	9	10
Not applicable	Essential : 8th standard pass. Desirable : Training in 'Basic' and 'Refresher' Course in Home Guards and Civil Defence.	No	2 years for direct recruits.

11	12	13	14
75% by direct recruitment and 25% by transfer failing which by direct recruitment.	By transfer from Safaiwala, Chowkidar/Forest Guards and other Group 'D' em- ployees working in the Directorate of the Forest education and its constituent colleges in the pay scale of Rs. 750-940 who possess the qualifications prescrib- ed for direct recruits with an ability to read either English or Hindi or re- gional languages and have put in a minimum of 5 years of regular service in the grade.	Departmental Promotion Committee (for confirma- tion) : 1. Head of the Office concerned—Chairman 2. Another officer to be nominated by the Chairman—Member 3. An officer of an ap- propriate status from a different office—Member	Not applicable
Note : Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other cir- cumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on de- putation basis from officers of Central Government holding analogous post on regular basis and possessing the qualifications prescribed for direct recruits under column 8.			

1	2	3	4	5	6
5. Mali	8* (1992) (State Forest Service College, Dehra Dun—2 State Forest Service College, Coimbatore—2 State Forest Service College, Burnihat—2 Eastern Forest Rangers College, Kurseong—2) *Subject to variation dependent on work- load.	General Central Service, Group 'D' Non- Gazetted, Non- Minis- terial	Rs. 750-12- 870-EB 14-940	Not appli- cable	Between 18 and 25 years. (Relaxable for Government servants as per the orders issued by the Central Government from time to time). Note: 1. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Anda- man & Nicobar Islands and Lakshadweep). Note: 2. In case recruitment is made through Employ- ment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Em- ployment Exchange is asked to submit the names.

7	8	9	10
Not applicable.	Essential: Knowledge of gardening. Desirable: 5th Standard pass.	Not applicable	2 years

11	12	13	14
By direct recruitment. Note: Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from Officers of Central Government holding analogous posts on regular basis and possessing the qualifications prescribed for direct recruits under column 8.	Not applicable.	Departmental Promotion Committee (for confirmation): 1. Head of the office concerned—Chairman. 2. Another Officer to be nominated by the Chairman—Member. 3. An officer of an appropriate status from a different office/department—Member.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6
6. Chowkidar	23* (1992) (State Forest Service College, Dohra Dun—12 State Forest Service College, Coimbatore—5 State Forest, Service College, Burnihat—4 Eastern Forest Rangers College, Kurseong—2) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D', Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 750-12-870-EB-14 940	Not applicable	Between 18 and 25 years. (Relaxable for Government servants as per the order issued by the Central Government from time to time). Note 1. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note 2. In case recruitment is made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the names.

7	8	9	10
Not applicable.	Essential: Eighth standard pass. Desirable: Training in 'Basic' and 'Refresher' Course in Home Guards and Civil Defence.	Not applicable.	2 years.

11	12	13	14
By direct recruitment. Note: Incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from officers of Central Government holding analogous posts on regular basis and possessing the qualifications prescribed for direct recruits under column 8.	Not applicable.	Departmental promotion Committee (for confirmation): 1. Head of the Office concerned —Chairman. 2. Another officer to be nominated by the Chairman —Member. 3. An officer of an appropriate status from an outside office/Department —Member.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6
7. Khalasi/ Groundman/ Mazdoor	25* (1992) (State Forest Service College, Dehradun—21 State Forest Service College Burnihat—2 State Forest Service College, Coimbatore—2) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D' Non- Gazetted Non- Minis- terial	Rs. 750- 12-870- EB-14- 940	Not appli- cable	Between 18 and 25 years. (Relaxable for Government servants as per the orders issued by the Central Go- vernment). Note 1. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Is- lands and Lakshadweep). Note 2. In case recruitment is made through the Em- ployment Exchange, the crucial date for deter- mining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit names.

7	8	9	10
Not applicable.	5th Standard pass.	Not applicable.	2 years.

11	12	13	14
By direct recruitment. Note: Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from officers of Central Government holding analogous posts on regular basis and possessing the qualifications prescribed for direct recruits under column 8.	Not applicable	Departmental Promotion Committee (for confirmation): 1. Head of the Office concerned—Chairman. 2. Another officer (to be nominated by the Chairman)—Member. 3. An officer of appropriate status from another Department/Office—Member.	Not applicable

1	2	3	4	5	6
8. Safaiwala	17* (1992) (State Forest Service College, Dehra Dun—9 State Forest Service College, Coimbatore—3 State Forest Service College, Burnihat—3 Eastern Forest Rangers College, Kurseong—2 *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D', Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 750-12-870-EB-14-940	Not applicable	Between 18 to 25 years. (Relaxable for Government Servants as per the orders issued by the Central Government from time to time. Note 1. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note 2. In case recruitment is made through Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the names.

7	8	9	10
Not applicable	Desirable: Primary School pass.	Not applicable	2 years

11	12	13	14
By direct recruitment. Note: Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from officers of Central Government holding analogous posts on regular basis and possessing the qualifications prescribed for direct recruits under column 8.	Not applicable	Composition of the Departmental Promotion Committee (for confirmation): 1. Head of the office concerned —Chairman. 2. Another office to be nominated by the Chairman —Member. 3. An officer of an appropriate status from an outside office —Member.	Not applicable

1	2	3	4	5	6
9. Technical Assistant Grade III/- Laboratory Attendant	2* *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service, Group 'D' Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 800-15-1010-EB-20-1150	Non-Selection	Between 18 and 25 years. (Relaxable for Government servants as per the orders issued by the Central Government). Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep); Note 2 : In case the recruitment is made through Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the names.
7	8	9	10		
No	Matriculation or its equivalent with science as one of the subjects.	Not applicable	2 years		

11	12	13	14
By direct recruitment Note: Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from officers of Central Government holding analogous posts on regular basis and possessing the qualifications prescribed for direct recruits under column 8.	Not applicable.	Composition of the Departmental Promotion Committee (for confirmation): 1. Head of the Office concerned—Chairman. 2. Lecturer/Instructor of the State Forest Service College concerned—Member. 3. Another officer of an appropriate status from an outside office (to be nominated by the Chairman)—Member.	Not applicable.

[No.9-9/91—FE]

M. N. KALRA, Under Secy.

जल संसाधन मंत्रालय

(ई. धार. खंड)

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1992

सा. का. नि. 351.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग (हिन्दी अनुवादक ग्रेड-2) भर्ती नियम, 1991 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग (हिन्दी अनुवादक ग्रेड-2) भर्ती (संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये 6 जुलाई, 1991 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग (हिन्दी अनुवादक ग्रेड-2) भर्ती नियम, 1991 की अनुसूची में स्लॉम 4 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“1400-40-1600-50-2300-र.रो.-60-2600 ए.”।

यह संशोधन भूतलसी रूप से अर्थात् 6 जुलाई, 1991 से प्रभावी होगा, क्योंकि 6-7-1991 को भारत के राजपत्र में राष्ट्रीय राजस्व अनुसूची के स्लॉम 4 में उपर्युक्त भूतलमान में प्रविष्टि के कारण मानक छूटि हो गई थी।

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस संशोधन को भूतलसी प्रभाव देने से किसी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, पटना में हिन्दी अनुवादक (ग्रेड-2) के पद के लिए भूत भर्ती नियम भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में सा. का. नि. सं. 397 (अ) द्वारा 6 जुलाई, 1991 को प्रकाशित किए गए थे।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	भूतलमान	प्रवरण पद अथवा अप्रवरण पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का लाभ केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अन्तर्गत अनुमेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6
हिन्दी अनुवादक (ग्रेड-2)	*1 (1991) *कार्यभार पर निर्भर परिवर्तन के अधीन	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराजपक्षित अतनुसचिबीय	1400-40-1600-50-2300-र.रो.-60-2600 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

7

8

28 वर्ष, केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी नौकरों के लिए 40 वर्ष तक (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के लिए 45 वर्ष तक) मिलायी जा सकती है।

टिप्पणी—आयु सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख होगी। (असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, मिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य का लद्दाख डिवीजन, हिमाचल प्रदेश का लाहौल स्पीती जिला तथा चम्पा जिले के पांगी सबडिवीजन, छत्तिसगढ़ तथा निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख नहीं है।)

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में हिन्दी/अंग्रेजी में स्नातकोत्तर उपाधि और स्नातक स्तर पर पठ्य विषय के रूप में हिन्दी/अंग्रेजी,

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में किसी भी विषय में शिक्षा तथा परीक्षा का माध्यम हिन्दी लेकर स्नातकोत्तर उपाधि और स्नातक स्तर पर अति-उच्च विषय के रूप में अंग्रेजी।

या

हिन्दी और अंग्रेजी मुख्य विषय लेकर या दोनों में से एक की परीक्षा का माध्यम तथा दूसरा मुख्य विषय के रूप में लेकर स्नातक उपाधि और हिन्दी से अंग्रेजी या अंग्रेजी से हिन्दी में अनुबाध पाठ्यक्रम का कित्तीमा प्रमाण-पत्र या केन्द्रीय राज्य सरकार के कार्यालयों में, जिसमें भारत सरकार के उपक्रम शामिल हैं, हिन्दी से अंग्रेजी या अंग्रेजी से हिन्दी में अनुबाध कार्य का दो वर्ष का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परिवीक्षा की अवधि, यदि आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्त व्यक्तियों पर लागू कोई हो होगी या नहीं

भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी या पब्लिसिटी द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत

9

10

11

लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण स्थानान्तरण द्वारा और ऐसा किए जाने में विफल रहने पर सीधी भर्ती द्वारा।

पेशवा/रतिगुक्त/साहान्तरण द्वारा भर्ती की स्थिति में वे श्रेणियां जिनमें प्रोबन्धि/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

यदि विभागीय परोक्षित समिति है तो उत्तरक संरचना।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

12

13

14

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण—
केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी—

(क) (1) जो सदा पद धारण किए हुए हैं:
या

(2) जिन्होंने 1200- 2040 रु के वेतनमान वाले या समकक्ष पद पर तीन वर्ष नियमित सेवा की है,
या

(3) 950-1500 रु के वेतनमान या समकक्ष पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है।

(ख) जिनके पास स्तम्भ 8 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं हैं।
(साधारणतः प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी संगठन/विभाग में इस प्रतिनियुक्ति के ठीक पहले धारित किसी अन्य संगठन बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि भी है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

ग्रैंड न विभागीय परोक्षित समिति (पुष्टि पर विचार करने के लिए

(1) निदेशक (प्रशासन गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, पटना,
—सदस्य

(2) कार्यपाक इंजिनियर, केन्द्रीय जलसंसाधन, पटना
—सदस्य

(3) उपनिदेशक, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, पटना—सदस्य

(4) प्रशासन अधिकारी, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, पटना
—सदस्य

लागू नहीं होता

MINISTRY OF WATER RESOURCES

(E. R. Wing)

New Delhi, the 16th July, 1992

G.S.R. 351.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ganga Flood Control Commission (Hindi Translator Grade-II) Recruitment Rules, 1991, namely :—

1. (i) These rules may be called the Ganga Flood Control Commission (Hindi Translator Grade-II) Recruitment (Amendment) Rules, 1992.

(ii) They shall be deemed to have come into force on 6th day of July, 1991.

2. In the schedule to the Ganga Flood Control Commission (Hindi Translator Grade-II) Recruitment Rules, 1991,

in column 4, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600.”

This amendment is being given retrospective effect, i.e. from 6th day of July, 1991, because there was a human error just by oversight in the Scale of Pay shown under Column-4 of the Schedule published earlier in the “Gazette of India” on 6-7-1991.

It is certified that no person's interest will be adversely affected due to this amendment giving retrospective effect.

*The original Recruitment Rules for the post of Hindi Translator (Grade-II) in the Ganga Flood Control Commission, Patna, were published in the Gazette of India Part-II, Section-3, Sub-section (i) on the 6th day of July, 1991, under G.S.R. No. 397(E).

SCHEDULE

Name of Post	Number of post	Classification	Scale of Pay
1	2	3	4
Hindi Translator (Grade II)	1* (1991)	General Central Service, Group 'C', Non-Gazetted Non-Ministerial. *Subject to variation dependant on workload.	Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600
Whether selection post or non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under Central Civil Services rule 30 of the (Pension) Rules, 1972.	Age limit for direct recruitment.	
5	6	7	
Not applicable.	Not applicable.	28 years, relaxable upto 40 years (upto 45 years in respect of Scheduled Castes/Scheduled Tribes Candidates) in case of Government Servants in accordance with the instructions or order issued by the Central Government.	
<p>NOTE : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for the receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).</p>			

Educational and other qualifications required for direct recruitment.	Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion and % of vacancies to be filled by various methods.
8	9	10	11
<p>*Master's degree of a recognised University in Hindi/English with English/Hindi as a main subject at the degree level;</p> <p>OR</p> <p>Master's degree of a recognised University in any subject with Hindi as the medium of instruction and examination with English as a compulsory subject at degree level;</p> <p>OR</p> <p>Bachelor's degree with Hindi and English as main subjects or either of the two as medium of examination and other as a main subjects plus recognised Diploma/Certificate Course in translation from Hindi to English and vice versa or two years' experience of translation work from Hindi to English and vice versa in Central/State Government offices, including Government of India undertakings.</p>	Not applicable.	2 years for direct recruits.	By transfer on deputation/transfer failing which by direct recruitment.
Recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	
12	13	14	
<p>Transfer on deputation/transfer : From amongst Central Government Officers holding :</p> <p>(a) (i) Analogous posts;</p> <p>OR</p> <p>(ii) Posts in the pay scale of Rs. 1200-2040 or equivalent with 3 years regular service in the grade.</p> <p>OR</p> <p>(iii) Posts in the pay scale of Rs. 950-1500 or equivalent with five years' regular service in the grade; and</p> <p>(b) Possessing Educational and other qualifications laid down in Column 8 for direct recruits. (The period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/Department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years :</p>	<p>Grade 'C' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation) :</p> <p>(i) Director (Administration), Ganga Flood Control Commission, Patna — Chairman</p> <p>(ii) An officer of the rank of Executive Engineer from Central Water Commission, Patna — Member</p> <p>(iii) Deputy Director, Ganga Flood Control Commission, Patna. — Member</p> <p>(iv) Administrative Officer, Ganga Flood Control Commission Patna. — Member</p>	Not applicable.	

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1992

सा० का० नि 382-4-यशस्वति, सविधान के अनुच्छेद 309 के पर्याप्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग (वर्ग 2 राजपति पद) भर्ती नियम, 1973 को उन बातों के विषय अधिकांश करते हुए जिनसे ऐसे अधीक्षण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है जहाँ संसोधन मंत्रालय के अधीन प्रशासनिक अधिकारी, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जल संसाधन मंत्रालय, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग (प्रशासनिक अधिकारी) भर्ती नियम 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्ति होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इन नियमों से उपपन्न अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरुहंताः--बहु व्यक्ति--

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जोड़ित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पक्ष पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार की लागू स्वीय विधि के अधीन प्रत्यक्ष है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा ।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह ताकत है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्ति की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति : इन नियमों को कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायत पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्ति बों लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	जबन पर प्रयुक्त प्रचलन पत्र	सोधे भर्ती किए जाने सेबा में जोड़े गए वाले व्यक्तियों के लिए प्रायु-सीमा	वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुद्भूत है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
प्रशासनिक अधिकारी	1 (1992) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रिय सेवा, समूह "ख" राजस्वित अनुसन्विवालय	2000-60-2300- द० री०-75-3200 रु०	जागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
<p>सोधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं/अपेक्षित</p> <p>सोधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्रायु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोफ़्त व्यक्तियों की दणा में लागू होंगी या नहीं</p>						
8			9			10
लागू नहीं होता			लागू नहीं होता			प्रोफ़्त व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होंगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा बिभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाले रिक्तियों की प्रतिगणना

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वशा में दो श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा

11

12

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :

1. केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी:—

- (क) (i) जो नियमित आधार पर सड़क पद धारण किए हुए हैं, या
(ii) जिन्होंने 1640-2900 रु. 1600-2660 रु. के वेतनमान वाले पदों पर 2/4 वर्ष नियमित सेवा की है, या
(iii) जिन्होंने 1400-2300 रु. 2600 रु. के वेतनमान वाले पदों पर 7 वर्ष नियमित सेवा की है, और

- (ख) जिनके पास प्रशासन, स्थापना और लेखा कार्य का अनुभव है। ऐसे विभागीय प्रधान लिपिक पर भी जिन्होंने पोषक प्रवर्ग में 1400-2300 रु. के वेतनमान वाले ग्रेड में 7 वर्ष नियमित सेवा की है, बाहरी व्यक्तियों के साथ विचार किया जाएगा। यदि उसका भयन कर लिया जाता है तो उसे प्रोन्नत किया गया सम्झा जाएगा। (पोषक प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में है प्रतिनियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किये जाने के पात्र नहीं होंगे।

प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति सम्पत्ति है तो उनका संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संध लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

लानू नहीं होता

प्रत्येक अवसर पर संध लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[सं० 47/1/89-एफ सी/जे आर सी/ई आर]

हरभगवान खंडवाणी, अवसर सचिव

New Delhi, the 16th July, 1992

G.S.R. 352.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of Ganga Flood Control Commission (Class II Gazetted Post) Recruitment Rules, 1973, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Administrative Officer, Ganga Flood Control Commission, under the Ministry of Water Resources, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Water Resources, Ganga Flood Control Commission (Administrative Officer) Recruitment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of Pay
1	2	3	4
Administrative Officer	1* (1992)	General Central Service, Group 'B', Gazetted, Ministerial.	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200
*Subject to variation dependent upon workload.			
Whether Selection Post or Non-selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
5	6	7	8
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications described for direct recruits shall apply in the case of promotion.	Period of probation, if any.	Method of recruitment. Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
9	10	11	
Not applicable	2 years for promotees	Promotion/transfer on deputation	
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Commi- ttee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making rec- ruitment.	
12	13	14	
PROMOTION/TRANSFER ON DEPUTATION	Not applicable	Consultation with Union Public Service Commission necessary on each occasion.	
1. Officers under the Central Government—			
(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or			
(ii) with 2/4 years regular service in the posts in			
the scale of pay of Rs. 1640-2900/1600-2660			
or equivalent; or			
(iii) with 7 years' regular service in the posts in			
the scale of Rs. 1400-2300/2600 or			
equivalent; and			
(b) Possessing experience in administration,			
establishment and Accounts matters.			
2. The departmental Head Clerks in the feeder grade			
with 7 years' regular service in the grade in the			
scale of Rs. 1400-2300 shall also be considered along with			
outsiders and in case of his selection, he shall be			
deemed to have been promoted.			
(The departmental Officers in the feeder grade who are			
in direct line of promotion shall not be eligible for			
consideration for appointment on deputation. Simi-			
larly, deputationists shall not be eligible for consideration			
for appointment by promotion).			
(Period of deputation including period of deputation			
in another ex-cadre Post held immediately preceding			
this appointment in the same organisation or some			
other of Central Government department shall not			
exceed three years.			

[No. 47/1/89-FC/JRC/ER]

HARBHAGWAN KHETWANI, Under Secy.

संचार संचालय

(दूरसंचार निदेशालय)

नई दिल्ली, 3 जून, 1992.

सा. का. नि. 353.—राष्ट्रपति, पंविधान के अनुच्छेद 300 के परामर्श द्वारा पदस्थ शक्तियों का प्रयोग करते हुए दूरसंचार निदेशालय में मशीन मिश्री के समूह "ग"—पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) दूरसंचार निदेशालय मशीन मिश्री भर्ती नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इसके उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं—यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू करने के लिए केन्द्रीय सरकार के अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आवेदन द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आदेशों, आयु-सीमा में छूट और अन्य स्थितियों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निर्गमित हुए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अवयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6
मशीन मिश्री	*(1992) *कार्यभार के आधार पर परि- वर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ग" राजपत्रित, अनुसूचित	975-25-1150-ब.रो.- 30-1660 रु.	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष अधिकतम आयु-सीमा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों के लिए नियमानुसार शिथिल की जा सकती है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परीक्षा की अपेक्षा यदि कोई हो आयु और शैक्षिक अर्हताएं, प्रोन्नत व्यक्तियों की बाबत में लागू होंगी या नहीं

7	8	9
आवश्यक :— किसी मान्यताप्राप्त संस्था से 8वां स्तर उत्तीर्ण और उसके पास किसी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से व्यवसाय प्रमाणपत्र या किसी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान से मशीन मिश्री के व्यवसाय में किल्ला हो। व्यवसाय :—मशीन मिश्री के व्यवसाय में एक वर्ष का अनुभव।	लागू नहीं होता	2 वर्ष

भर्ती की पद्धति : भर्ती की जाती है या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दृष्टि में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/द्वारा तथा विभिन्न पदवियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

10

11

100 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।

नागू नहीं होता

विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

12

13

समूह "अ" पदों के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति :

नागू नहीं होता

- (1) उप सचिव (दूरसंचार)—अध्यक्ष
- (2) निदेशक (प्रशा.) टो.ई.सी.—सदस्य
- (3) सहायक महानिदेशक (प्रशा.) दूरसंचार—सदस्य
- (4) सदस्य (सहयोजित जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधि हो सकता है।)

[फाइल सं. ए-12018/1/91-प्रशा. 2]

मोहिन्दर सिंह, सहायक महानिदेशक (प्रशा.)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Directorate of Telecommunications)

New Delhi, the 3rd June, 1992

G.S.R. 353.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group 'C' Post of Machinist in the Directorate of Telecommunications, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Telecommunications Machinist Recruitment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit, Qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection posts or Non-Selection post	Age limit for Direct Recruits.
1	2	3	4	5	6
Machinist	1* (1992) *(Subject to variation depending upon work load).	General Central Service Group 'C', Non-Gazetted, Non-Ministerial,	Rs. 975-25-1150-EB-30-1660.	Not applicable	18—25 years. Upper Age Limit Relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes as per rules.

Educational and other qualifications required for Direct Recruits	Whether age and Educational qualification prescribed for Direct Recruits will apply in the case of promotion	Period of Probation, if any	Method of recruitment whether by Direct or by promotion/transfer by & percentage of the vacancies to be filled by various methods
7	8	9	10
Essential : 8th Standard Pass from a recognised institution and possession of a trade certificate from an Industrial Training Institute or a diploma in the Trade of Machinist from any Industrial Training Institute/Central Training Institute.	Not applicable	2 years	100% by direct recruitment.
Desirable : One year's experience in the trade of Machinist.			
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances to which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
11	12	13	
Not applicable	1. Deputy Secretary (T) —Chairman 2. Director (Admn.) TEC —Member 3. ADG (Admn.) —Member 4. —Member (Co-opted who can be a representative of Scheduled Castes & Scheduled Tribes).	Not applicable.	

[F. No. A-12918/1/91—Admn. II]
MOHINDER SINGH, Assistant Director General (Admn.)

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1992

सा.का.नि. 351. —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा पौध संरक्षण, संगरोध और संवयन निदेशालय के अधिक्रमण में उन बातों के सिवाय जिन्हें अधिक्रमण से पट्टे किया गया है या करने के लोप किया गया है, पौध संरक्षण, संगरोध एवं संवयन निदेशालय में सहायक (निदेशक) (कोट विज्ञान/गोल कृषि विज्ञान) के पद/पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पौध संरक्षण, संगरोध एवं संवयन निदेशालय में सहायक निदेशक (कोट-विज्ञान/गोल कृषि विज्ञान) भर्ती नियम, 1992 हो गया।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद/पदों की संख्या, उसका/उनका वर्गीकरण और वेतनमान बहू होंगा/बे होंगे, जो नियमों से उदाहरण अनुसूची के स्लम 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है/हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पद/पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे/उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी, जो उक्त अनुसूची के स्लम 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पर पर निवृत्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अग्रिम अनुसूच है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं, तो वह किसी व्यक्ति को उस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियंत्रण करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किन्हीं उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की भावत, आशेष द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति :—इन नियमों को कोई भी बात ऐसे आशेषों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जॉड़े गए वर्षों का फारदा केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अर्थात् अनुश्रेय है या नहीं
-----------	----------------	----------	---------	-----------------------	---	--

1	2	3	4	5	6	7
सहायक निदेशक (फीट विज्ञान/गोन कृषि विज्ञान)	23* (1992)	सामान्य केंद्रीय सेवा (ग्रुप 'क' राजपत्रित)	2200-75-2800-ग्र.प्र.-100-4000/र.	चयन	35 वर्ष से अधिक नहीं	(केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या प्रादेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 5 वर्ष तक कुल हो जा सकते हैं)।
फीट-विज्ञान-18 गोन कृषि विज्ञान-5	*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।					

टिप्पणी : —आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से न कि असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू व कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले का पांगी उप-प्रभाग। (उनसे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहने वाले लोगों के लिए निर्धारित अंतिम तारीख) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।

रोजगार कार्यालय के माध्यम से नियुक्ति के मामले में आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में, वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों को नाम भेजने के लिए कहा जाता है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अधिकृत आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वृद्धि में लागू होगी या नहीं।

परिक्षा की अवधि यदि कोई हो।

8

9

10

आवश्यक : —(1) फीट विज्ञान विषयक पद हेतु

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से फीट विज्ञान में एम.एस.सी. डिग्री, या कृषि में एम.एम.सी. डिग्री (फीट विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ) या प्राणि विज्ञान में एम.एस.सी. डिग्री (फीट विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ) या समकक्ष, लेकिन, किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि में बी.एस.सी. या वनस्पति विज्ञान या प्राणि विज्ञान के विषय के साथ लेते हुए बी.एस.सी. डिग्री या समकक्ष।

(ख) गोन कृषि विज्ञान विषयक पद हेतु : —किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गोन कृषि विज्ञान या प्राणि/फीट विज्ञान (फीट विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ) एम.एस.सी. डिग्री या समकक्ष।

(2) शीघ्र संरक्षण कार्य में 3 वर्ष का अनुभव।

टिप्पणी : —(1) अर्हताएं अथवा सुअर्हताएं अभ्यर्थियों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

आयु : नहीं
शैक्षिक अर्हता : नहीं

सीधी भर्ती के लिए
1 वर्ष प्रोन्नति के लिए 2 वर्ष।

8	9	10
(2) अनुभव संबंधी भ्रष्टता (भ्रष्टाण) संघ लोक सेवा आयोग के विवेका-नुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उस दिशा में शिक्षित की जा सकती है (है), जबकि जयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षण रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।		
वा उनीय :—किन्हीं माध्यमताप्राप्त विश्वविद्यालय से कीट विज्ञान या गोल-कुमि विज्ञान या कीट विज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि या समकक्ष।		

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की विशिष्टता।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।
---	--

11	12
(1) 50% प्रोन्नति के द्वारा, जिसके त होने पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानांतरण (अन्त्याधिक अनुबन्ध सहित) द्वारा।	प्रोन्नति :—इसी ग्रेड में 3 वर्ष की नियमित सेवा करने वाले पाँच संरक्षण (कीट विज्ञान अधिकारी)
(2) 50% प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानांतरण (अन्त्याधिक अनुबन्ध सहित) द्वारा जिसके त होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :—(अन्त्याधिक अनुबन्ध सहित) केन्द्रीय/राज्य सरकारों/सार्वजनिक क्षेत्रीय प्रतिष्ठानों/भारत-सरकारी/स्वायत्त-जानी या मांविधिक संगठनों/कृषि विश्वविद्यालयों माध्यमता प्राप्त शोधक संस्थानों एवं परिसरों के ऐसे अधिकारी जो :—
टिप्पणी : 1. सहायक कीट वैज्ञानिक (2) पौध संरक्षण अधिकारी (कीट-विज्ञान) (3) सहायक टिड्डी कीट वैज्ञानिक (4) सतर्कता अधिकारी (5) तकनीकी अधिकारी (जैविक नियंत्रण) (6) तकनीकी अधिकारी (कृषक नियंत्रण) और (7) सहायक गान क्लाम वैज्ञानिक के पूर्ववर्ती पदों पर की जाने वाली सेवाओं की उपर्युक्त भ्रष्टता सेवा में मिला जायेगा।	(क) (1) नियमित आधार पर समान पदवारी हों 2000-3500 रुपये के वेतनमान वाले या समकक्ष पदों पर 3 वर्ष की नियमित सेवा कर चुके हों और
टिप्पणी : 2. 45 वर्ष की नियमित सेवा करने वाले पौध संरक्षण (कीट विज्ञान) अधिकारियों की संख्या के अनुपात की देखते हुए आयोग उक्त वर्ग की कुल रिक्तियों की वृष्टि से अधिक प्रतिगन रिक्तियों की प्रोन्नति के आधार पर भरे जाने की अनुमति प्रदान कर सकता है।	(ख) स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव रखते हों।
सम्बन्ध (फोडर) श्रेणी के वे विभागीय अधिकारी जो प्रोन्नति की सीधी लाईन में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति हेतु विचार करने के लिए पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार करने हेतु पात्र नहीं होगा। (उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से तत्काल पूर्व धारित किसी अन्य काब्र बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	सम्बन्धक श्रेणी के वे विभागीय कर्मचारी जो प्रोन्नति की सीधी रेखा में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति हेतु विचार किये जाने के पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा होने वाली नियुक्ति के लिये विचार किये जाने के पात्र नहीं होंगे। उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से तत्कालपूर्व धारित किसी अन्य काब्र-बाह्य-पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना।	भर्ती करने में कितन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।
--	---

13	14
ग्रुप "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति पर विचार करने हेतु)	
1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग ————— अध्यक्ष	
2. संयुक्त सचिव (पौध संरक्षण प्रभाग) ————— सदस्य	
3. संयुक्त सचिव (प्रशासन/स्थापना प्रभाग) ————— सदस्य	
4. पौध संरक्षण सलाहकार ————— सदस्य	
5. निदेश (उप निदेशक) (पौध संरक्षण सलाहकार) ————— सदस्य	
ग्रुप "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टीकरण पर विचार करने हेतु)	
1. संयुक्त सचिव (पौध संरक्षण प्रभाग) ————— अध्यक्ष	
2. संयुक्त सचिव, प्रशासन/स्थापना ————— सदस्य	
3. पौध संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार ————— सदस्य	
4. निदेशक/उपसचिव, पौध संरक्षण प्रभाग ————— सदस्य	
टिप्पणी : — पुष्टीकरण से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्य-वाईयां संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। यदि आयोग द्वारा इनका अनुमोदन नहीं किया जाता है तो संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय प्रोन्नति समिति की एक अन्य बैठक बुलाई जाएगी।	

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Co-operation)

New Delhi, the 22nd July, 1992

G.S.R. 354.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, Assistant Director (Entomology) Recruitment Rules, 1987 excepts as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Director (Entomology/Nematology) in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, Assistant Director (Entomology/Nematology) Recruitment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and scale of pay :—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexured to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc :—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification :—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	Number of Post	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Assistant Director (Entomology/ Nematology)	23* (1992) Entomology 18 Nematology 5 *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'A' Gazetted.	Rs. 2200-75-2800-EB- 100-4000.

Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admi- ssible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.
---	-------------------------------	---

5	6	7
Selection	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Govt.). Note : The Crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State. Lahaul and Spiti district and Pangri Sub- Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	No

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment : Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
8	9	10	11
<p>Essential :</p> <p>(i) For Entomology discipline Posts :</p> <p>(a) M.Sc. degree in Entomology or M.Sc. degree in Agriculture (with specialisation in Entomology) or M.Sc. degree in Zoology (with specialisation in Entomology) from a recognised University or equivalent;</p> <p>(b) For Nematology discipline Posts : M.Sc. degree in Nematology or Zoology/Entomology (with specialisation in Nematology) from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) 3 years experience in Plant Protection Work.</p> <p>Note:—The particular discipline of specialisation required will be specified at the time of recruitment.</p> <p>Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2. The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p>			
		<p>Age : No</p> <p>Educational Qualification : No</p> <p>but must possess B.Sc. (Agriculture) or B.Sc. with Botany or Zoology as one of the subjects from a recognised University or equivalent.</p>	<p>1 year for direct recruitment.</p> <p>2 years for promotees.</p>
		<p>(i) 50% by promotion, failing which by transfer on deputation (including short-term contract).</p> <p>(ii) 50% by transfer on deputation (including short-term contract)/transfer failing which by direct recruitment.</p> <p>Note : "Commission may allow a high percentage of vacancies to be filled by promotion after taking into account the ratio of the number of Plant Protection Officer (Entomology) having more than 5 years' regular service, in relation to the total number of vacancies in that year".</p>	
<p>Desirable :</p> <p>Doctorate degree in Entomology or Nematology or Agricultural Entomology of a recognised University or equivalent.</p>			

In case of recruitment by promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruit- ment
12	13	14
<p>Promotion : Plant Protection Officer (Entomology) with 3 years' regular service in the grade.</p> <p>Note :—Service rendered on a regular basis in the erstwhile posts of (1) Assistant Entomologist (2) Plant Protection Officer (Entomology) (3) Assistant Locust Entomologist (4) Surveillance Officer (5) Technical Officer (Biological Control) (6) Technical Officer (Rodent Control) and (7) Assistant Nematologist shall also count towards the qualifying service mentioned above.</p> <p>Transfer on deputation (including short term contract) : Officers under the Central/ State Governments/Public Sector Undertakings/Semi Government/Autonomous or Statutory Organisations/Agricultural Universities/Recognised Research Institutes or Councils;</p> <p>(a)(i) holding analogous posts on regular basis; or</p> <p>(ii) with 3 years' regular service in posts in the scale of Rs. 2000—3500 or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under Column 8.</p> <p>The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.</p> <p>Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/ department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years.</p>	<p>Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering promotion)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Chairman/Member, Union Public Service Commission —Chairman 2. Joint Secretary looking after Plant Protection Division —Member 3. Joint Secretary looking after Administration/Establishment Division —Member 4. Plant Protection Adviser to the Government of India—Member 5. Director/Deputy Secretary (Plant Protection Division) —Member <p>Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Joint Secretary Looking after the Plant Protection Division—Chairman 2. Joint Secretary, Administration/ Establishment —Member 3. Plant Protection Adviser to the Government of India —Member 4. Director/Deputy Secretary (Plant Protection Division) —Member <p>“Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a member of the Union Public Service Commission shall be held.”</p>	<p>Consultation with Union Public Service Commission necessary on each occasion.</p>

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सहायक इंजीनियर (के.लो.नि.वि.) सीमित

विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1992

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1992

सा.का.नि. 355—सं. एफ. 15/1/92—प. 1(ख):—भारत के राजपत्र दिनांक पहली अगस्त, 1992 में शहरी विकास मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ इंजीनियरों (सिविल/वैद्युत) की सहायक इंजीनियरों के ग्रेड (सिविल/वैद्युत) में प्रोन्नति हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 23 दिसम्बर, 1992 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, दिसपुर (गुवाहाटी), ईदानगर, काठमाण्डू, मद्रास, नागपुर और पोर्ट ब्लेयर में एक सीमित प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जायेगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के भी प्रयास किये जायेंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (अनुबन्ध पैरा 8 देखिए)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की लगभग संख्या निम्नलिखित है:—

- | | |
|------------------------------|--|
| (1) सहायक इंजीनियर (सिविल) | 227 पद (जिसमें अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 69 पद आरक्षित हैं तथा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 34 पद आरक्षित हैं)। |
| (2) सहायक इंजीनियर (वैद्युत) | 36 पद (जिसमें अनुसूचित जाति के लिए 13 पद आरक्षित हैं तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 05 पद आरक्षित हैं)। |

उपर्युक्त संख्या में फेर बदल किया जा सकता है।

विशेष ध्यान दें:—उम्मीदवार जिस ग्रेड अर्थात् सहायक इंजीनियर (सिविल) या सहायक इंजीनियर (वैद्युत) की प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हैं, अपने आवेदन-पत्रों में उसका स्पष्ट उल्लेख करें।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-पत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण 2.00 रुपये (केवल दो रुपये) देकर आयोग से डाक द्वारा

प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चेक या क्रेडिट नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। ये आवेदन-पत्र आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापिस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सहायक इंजीनियर (के.लो.नि.वि.) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1992) के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सहायक इंजीनियर (के.लो.नि.वि.) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1992 के लिए निर्धारित आवेदन-पत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 14 सितम्बर, 1992 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर, राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चंबा जिले के पांगी उपमण्डल, अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के या जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 21 सितम्बर, 1992 तक अवश्य भिजवा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चंबा जिले के पांगी उपमण्डल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहें तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 14 सितम्बर, 1992 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चंबा जिले के पांगी उपमण्डल और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रहे रहा था।

टिप्पणी:—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्र के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्तों में

अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेवालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयुग को रु. 35.00 (पैंतीस रुपये) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दय केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें या रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा, आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में इस अनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि वह "051--संघ लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और उन्हें आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अधेशा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है।

6. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

ए. राजगोपालन, संयुक्त सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान में पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को मान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बंध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है तो उसने उक्त परीक्षा हेतु आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा अधिपत्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता

है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 23 नवम्बर, 1992 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ में स्याही से या बाल प्वाइंट पेन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन प्रपत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आवेदन प्रपत्र में प्रविष्टि करते समय इसकी भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टि स्पष्ट और सुपाठ्य हो। यदि वे प्रविष्टियां अपाठ्य या भ्रामक हैं तो उसके निर्वाचन में होने वाली भ्रांति या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि आयोग आवेदन-पत्र में प्रविष्टियों में परिवर्तन करने संबद्ध किसी भी पत्र व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने विभाग या कार्यालय के प्रधान को प्रस्तुत करे को आवेदन पत्र के अन्त से पृष्ठांकन को भर कर उसे आयोग को भेज देंगे।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

- (1) निर्धारित शुल्क के लिए केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें या रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 5)।
- (2) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें.मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (3) भरा हुआ उपस्थिति-पत्रक (आवेदन-प्रपत्र के साथ संलग्न)।
- (4) 11 सें.मी. × 27.5 सें. मी. आकार के दो अच्छी किस्म के बिना टिकट लगे लिफाफे अपने पते के साथ। उम्मीदवार, लिफाफों पर अपना पूरा डाक का पता अर्थात्, उम्मीदवार का नाम, मकान नम्बर, बार्ड नम्बर, मोहल्ला आदि, स्पष्ट रूप से लिखें। ऐसे मामले में जहां मकान नम्बर न हो, उम्मीदवार अपना पूरा नाम तथा पिता का नाम डाक का पता लिखें।

4. पैरा 3 की मद (i) और (ii) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होने चाहिए और उस पर “सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ग) “निर्धारित शुल्क के लिए” केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें:—

“केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें” (सामान्य डाक टिकटें नहीं) डाकघर से प्राप्त करें और आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर इससे लिए निर्धारित स्थान पर चिपका दें। जारी करने वाले डाकघर से उस डाकघर की तारीख की मोहर सहित उन टिकटों को इस तरीके से रद्द किया जाए कि रद्द करने की मोहर की छाप आंशिक रूप से आवेदन-पत्र पर भी अपने आप आ जाए। रद्द किए गए टिकट की छाप स्पष्ट होनी चाहिए ताकि तारीख तथा जारी करने वाले डाकघर की पहचान स्पष्ट रूप से हो सके।

“केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें” के स्थान पर डाक टिकटें किसी भी हालत में स्वीकार नहीं की जाएंगी।

टिप्पणी (i)—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर निचे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर पर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

टिप्पणी (ii)—अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय विदेशों में रह रहे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की अपनी रकम

[(35.00 रुपये) (पैंतीस रुपये)] के समकक्ष) उक्त देश में स्थित भारत के उच्चायुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में इस अनुरोध के साथ जमा कर सकते हैं उक्त रकम लेखा शीर्ष “05—लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क” में जमा करा दी जाए। उम्मीदवार को उक्त कार्यालय की रसीद अपने आवेदन-पत्र के साथ भेजनी चाहिए।

(iii) फोटो की दो प्रतियाँ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें.मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में दिए गए स्थान पर चिपका देना चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की ओर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष ध्यान:— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii) में उल्लिखित प्रलेख संलग्न न होगा तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

5. उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन और कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए झूठे प्रलेख प्रस्तुत करें।

6. आवेदन पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अनुकूल तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन-पत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

7. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमें देर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सम्मिलित है की पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी गई है अपने आप यह धर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

8. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र में परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के बावें से वंचित हो जाएगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं हैं।

10. आवेदन-पत्रों से संबद्ध पत्र व्यवहार—आवेदन पत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड़, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

(1) परीक्षा का नाम

(2) परीक्षा का महीना और वर्ष

(3) उम्मीदवार का आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।

(4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में।

(5) आवेदन पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

विशेष ध्यान :— (i) जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान (ii) :— यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है तो उस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

11. पत्रों में परिवर्तन :— उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर मिल जाया करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना

उपर्युक्त पैरा 10 में उल्लिखित शर्तों के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न कर ता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

शहरी विकास मंत्रालय

नियमावली

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1992

सं. 30/70/90-ई.सी.-I—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) के ग्रेड से सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु 1992 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं।

1. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों को देखते हुए आरक्षित रहे जाएंगे।

2. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित ढंग में ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

3. केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) ग्रेड में निम्नित रूप से नियुक्त ऐसे अधिकारी परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे जिन्होंने विभाग में कनिष्ठ इंजीनियर के पद पर पहली जुलाई, 1992 को चार वर्ष की सेवा पूरी कर लेने की शर्त पूरी कर ली है।

नोट :— केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के वे कनिष्ठ इंजीनियर परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र होंगे जो सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से संवर्ग बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं और अन्यथा पात्र हैं।

किन्तु यह केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के उस कनिष्ठ इंजीनियर के लिए लागू नहीं है, जो किसी संवर्ग बाह्य पद या किसी अन्य सेवा में "स्थानान्तरण" पर नियुक्त किए गए हैं और केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ इंजीनियर के पद पर उनका धारणाधिकार नहीं है।

4. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

5. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र न हो।

6. जिस उम्मीदवार ने :—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
- (xi) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित उनके प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुवेश का उल्लंघन किया हो, या
- (xii) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के करने का प्रयास किया हो या प्रयास के लिए अवप्रेरित किया हो। द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा के जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, और अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए
 - (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा अभ्यन के लिए,
 - (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

7. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 5 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकालने पर इष्टतरी आरक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो तो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों की योग्यता क्रम के अनुसार पदोन्नति के लिए अनुशंसा की जाएगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में, कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो नियुक्ति के लिए अनुशंसित किए जा सकेंगे, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

नोट :—उम्मीदवारों को स्पष्ट रूप से यह समझ लेना चाहिए कि यह एक प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्हक परीक्षा है। परीक्षा के परिणामों के आधार पर पदोन्नति किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या के बारे में पूर्ण रूप से सरकार द्वारा ही निर्णय किया जाएगा। इसलिए कोई भी उम्मीदवार इस परीक्षा में अपने निष्पादन के आधार पर पदोन्नति के लिए अधिकार के रूप में दावा नहीं करेगा।

9. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

10. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही पदोन्नति का अधिकार तब तक नहीं मिलना है जब तक इसके लिए सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सेवा में अपने आचरण की दृष्टि से पदोन्नति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

किन्तु आयोग द्वारा पदोन्नति हेतु अनुशंसित किसी उम्मीदवार की पदोन्नति के लिए अपात्रता से संबंधित निर्णय आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने के बाद या परीक्षा में बैठने के बाद नियुक्ति से त्यागपत्र देता है अन्यथा नौकरी छोड़ देता है या इससे अलग हो जाता है या जिसकी सेवाएं विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती हैं या जो किसी संघर्ष वाले पद या "स्थानान्तरण" पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त हो जाता है और जिसका केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) के ग्रेड में कोई धारणाधिकार न हो, वह इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

किन्तु यह उन व्यक्तियों के लिए लागू नहीं होता जिन्हें सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से स्वर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

बी.एस. रमन,
उप सचिव

परिशिष्ट

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग I—नीचे पैरा 2 में दिए गए विषयों में लिखित परीक्षा जो रोजगार उन्मुख होगी, और जिसके अधिकतम 600 अंक होंगे।

भाग II—आयोग जिन उम्मीदवारों के सम्बन्ध में निर्णय करे उनका सेवा के अभिलेख का मूल्यांकन जो अधिकतम 200 अंकों का होगा।

2. सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) के ग्रेड में प्रतियोगी उम्मीदवारों को जिन विषयों में लिखित परीक्षा देनी होगी वे नीचे दिए गए हैं :—

क्र. सं.	सेवा का ग्रेड	विषय
(1)	सहायक इंजीनियर (सिविल)	1. इंजीनियरी डिजाइन तथा निर्माण पद्धति (सिविल) 2. सामान्य इंजीनियरी (सिविल)
(2)	सहायक इंजीनियर (वैद्युत)	1. इंजीनियरी डिजाइन तथा निर्माण पद्धति (वैद्युत व यांत्रिक) 2. सामान्य इंजीनियर (वैद्युत व यांत्रिक)।

विशेष ध्यान :— प्रश्न पत्रों में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार के अंश होंगे।

प्रश्न पत्र इस प्रकार बनाए जाएंगे जिससे समस्याओं के हल करने में उम्मीदवारों के तकनीकी ज्ञान के प्रयोग करने की योग्यता का मूल्यांकन किया जा सके।

प्रत्येक प्रश्न पत्र के पूर्णांक 300 होंगे और यह 3 घंटे का होगा।

3. उक्त परीक्षा की पाठ्यपुस्तकें यही होंगी जो अनुसूची में निर्दिष्ट है।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि) में लिखने का विकल्प है। प्रश्न पत्र अंग्रेजी और हिन्दी में तैयार किए जाएंगे।

नोट (1) :—ऊपर बताया गया विकल्प सभी प्रश्न पत्रों पर समान रूप से लागू होगा विभिन्न प्रश्न पत्रों या एक ही प्रश्न पत्र के विभिन्न प्रश्नों के लिए अलग अलग विकल्प नहीं होगा।

नोट (2) :— जो उम्मीदवार प्रश्न पत्रों के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प रखना चाहते हैं वे अपने इस मंतव्य को आवेदन प्रपत्र के कालम 9 में दर्शाएं। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि वे सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में देंगे। एक बार चुना गया विकल्प अन्तिम होगा तथा ऊपर बताया गए कालम में फेर बदल करने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

नोट (3) :— जो उम्मीदवार प्रश्न पत्रों के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प चुनते हैं वे यदि चाहें तो पारिभाषिक शब्द यदि कोई हों, के लिए हिन्दी रूपान्तर के साथ साथ कोष्ठकों में अंग्रेजी रूपान्तरण भी दे सकते हैं।

नोट (4) :— आवेदन प्रपत्र में एक बार भरे गए उत्तर देने के विकल्प के अतिरिक्त परीक्षा में यदि किसी भी अन्य माध्यम का प्रयोग किया जाता है तो ऐसे उम्मीदवारों के प्रश्न पत्रों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. पढ़ी न जा सकने वाली लिखाई के कारण लिखित विषयों के पूर्णांकों में से 5 प्रतिशत अंक काट लिए जाएंगे।

9. परीक्षा के सभी विषयों में दत्त बात का श्रेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में क्रमबद्ध, प्रभावपूर्ण ढंग की और सही हो।

10. प्रश्न पत्रों में जहां आवश्यक होगा तोलों और मापों की मीट्रिक प्रणाली से सम्बद्ध प्रश्न पूछे जाएंगे।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों अन्तर्राष्ट्रीय क्रम (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

12. उम्मीदवारों को केवल परम्परागत (निबन्धात्मक प्रकार के) प्रश्न पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पोर्टेबल कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या बदलने की अनुमति नहीं है।

अनुसूची

प्रश्न पत्र 1--इंजीनियरी डिजाइन तथा निर्माण पद्धति (सिविल) भाग क : द्रव्य प्रचलता तथा संरचना सिद्धांत :

- (1) प्रतिबल--बिभक्ति सम्बन्ध--टुक का निषेध।
- (2) आधार ढांचों और पिन से जुड़े ढांचों के पुर्जों का बल निर्धारण।
- (3) बंकन अपूर्ण तथा अपरूपणी बल। सरल बंकन का सिद्धांत।
- (4) सतत दण्ड तथा सरल निवाहिका :--

बंकन अपूर्ण तथा अपरूपणी बल का निर्धारण--विश्लेषण पद्धतियां।

भाग ख : अभिकल्पना नियम

अवल, चल तथा वायु भार का निर्धारण। सुरक्षा कारक और भार कारक।

भाग ग : इस्पात अभिकल्पना

- (1) भारतीय मानकों के अनुसार सरल दण्डों तथा प्लेट गिर्डरों की अभिकल्पना।
- (2) एकल तथा निर्मित स्तम्भ की अभिकल्पना। स्तम्भभुआधार संबंधन।
- (3) इस्पाती छत के आधार ढांचों की अभिकल्पना

भाग घ : प्रबलित कंक्रीट

- (1) प्रबलित कंक्रीट के बुनियादी नियम, अपरूपणी, आबंध और विकर्ण तनाव, प्रबला को अप्रतिष्ठति।
- (2) एक ओर और दोनों ओर से प्रबलित दण्डों की अभिकल्पना, एक तरफा तथा दो तरफा पट्टियां।
- (3) प्रबलित कंक्रीट स्तम्भों, जिसमें केवल एकदिश बंकन हो का सिद्धांत तथा अभिकल्पना।
- (4) सिम्पल कांटेन्टीयर तथा सिम्पल काउण्टर फोर्ट बनाए रखने वाली दिवारों की अभिकल्पना।

(5) द्रव धारण संरचनाएं--विशेष अपेक्षाएं।

भाग ङ : निर्माण पद्धति

- (1) भवन निर्माण के सामान्य विवरण जिनमें बुनियाद, फर्श बनाना, छिनाई तथा छतों के विभिन्न प्रकार सम्मिलित हैं, निर्माण के दौरान सुरक्षा।
- (2) ग्राम निर्माण सामग्री, जैसे ईंट, पत्थर, रेत तथा पुंज, सीमेंट, चूना, इमारती लकड़ी और इस्पात के सामान्य गुणधर्म, मानक अपेक्षाएं और परीक्षण, ताजा और दूधियुक्त कंक्रीट के परीक्षण।
- (3) भवन निर्माणों, स्वच्छता तथा जल आपूर्ति निर्माणों और सड़क निर्माणों, जिसमें मापन पद्धतियां सम्मिलित हैं, के लिए के.लो.नि.वि. की विशिष्टियां।

प्रश्न पत्र 2--सामान्य इंजीनियरी (सिविल)

भाग--'क' : सर्वेक्षण

- (1) सर्वेक्षण यंत्रों का प्रयोग तथा समायोजन :-- जरीब, समतल, पटल और उप साधन, क्षुब्धकीय विस्सूचक, लेवल तथा थियोडोलाइट।
- (2) दिक्सूची तथा थियोडोलाइट चक्रम :-- चक्रमण में छुटियां तथा परिशुद्धि चक्रम संगणना तथा समायोजन।
- (3) समतल पटल सर्वेक्षण :-- विवरणों का आलेखन, लिभिन्दु समस्या और द्विविन्दु समस्या।
- (4) समतलन :-- समतलन और समानीत समतल परिणमना की पद्धतियां।
- (5) समोच्च सर्वेक्षण :-- समोच्चरेखण की पद्धतियां, समोच्च के गुणधर्म।
- (6) वक्र तथा संरेखण :-- विभिन्न पद्धतियों को प्रयोग में लाते हुए सरल विपरीत तथा संक्रामी वक्रों का विन्यास। ऊर्ध्वाधर वक्र।

भाग ख--राजमार्ग इंजीनियरी :

- (1) पहाड़ों और मैदानों में सड़क :--राष्ट्रीय महा-मार्गों के लिए न्यूनतम मानक।
- (2) शहरी सड़कों की अभिकल्पना के सिद्धांत, उनकी अनुप्रस्थानिक अपेक्षाएं तथा प्रतिच्छेद, सड़क जल निकास तथा अनुरक्षण, चर के रास्ते पट्टी पथ तथा सेवा विधि।

भाग ग--शोक स्वास्थ्य इंजीनियरी :

- (i) जल पूर्ति : लोक जलपूर्ति के लिए अपेक्षित जल की गुणता तथा मात्रा। जल शोधन प्रक्रम। जल वितरण प्रणालियां। बाल्व तथा फिटिंग--कीटारिंग।

- (ii) स्वच्छता:—प्रबन्धों का अभिविव्यास, संवातन तथा आर्द्र प्रमाणन स्वच्छता उपकरण। गृह अणुवाहिकाओं का निर्माण तथा परीक्षा।
- (iii) मल व्यवस्था:—मल व्यवस्था प्रणालियाँ—निर्माण तथा अनुरक्षण। बाहित मल अभिक्रिया के प्रकार—आक्सीकरण पोखर—साधारण अवसादन, पुनः संरक्षण तथा उच्च दर निस्सर्जन—संस्पर्श। तल—अंतलावी निस्सर्जन। सैप्टिक टैंक। इम्प्लूफ टैंक।

भाग घ—मृदा यांत्रिकी तथा आधार इंजीनियरी :

- (i) मृदा के सूचक गुणधर्म, वर्गीकरण, मृदा समन्वेषण।
- (ii) आधार इंजीनियरी—संरचना के लिए आधार के प्रकार के चयन के सिद्धांत। उभय तथा गहरे आधार-बहन क्षमता निर्धारण की पद्धतियाँ।
- (iii) संरक्षण:—प्रयोगशाला तथा क्षेत्रगत पद्धतियाँ—दृष्टतम आर्द्रता अंश।

प्रश्न पत्र I—इंजीनियरी अभिकल्पन और निर्माण पद्धति (वैद्युत और यांत्रिक)

1. सामान्य:—भारतीय विद्युत अधिनियम, अद्यतन संशोधित भारतीय विद्युत नियमावली, विद्युत आपूर्ति की सामान्य शर्तों और कनेक्शन लेने के लिए लाइसेंसधारियों द्वारा अदा किए जाने वाले प्रभारों और केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग का ज्ञान। विद्युत कार्यों के लिए सामान्य विनिर्देश, दर-विश्लेषण के सिद्धांत, प्राक्कलन तैयार करने के सिद्धांत, परियोजना प्रतिवेदन, निर्माण का आर्बंटन और निर्माण का निष्पादन तथा भा.मा. संस्थान मानकों का ज्ञान और संशेर्षों की पद्धतियाँ। बम्बई और दिल्ली लिफ्ट अधिनियम और नियमावली।

2. प्रदोषन:—एकक और मानक : आभ्यंतर और बाह्य प्रकाशन अभिकल्पन के सिद्धांत, दीपों के प्रकार तथा गुणधर्म तथा उनके प्रयोग, आभ्यंतर तथा वायु प्रयोग के लिए प्रकाशन परिणता।

3. आभ्यंतर वैद्युत संस्थापनाएं:—तार लगाने की प्रणाली और उनकी अभिकल्पन वितरण प्रणाली/नियंत्रण और रक्षण, परीक्षण के उपस्कर।

4. विविध ई. एम. सेवाएं:—

- (i) तड़ित् रक्षण:—अभिकल्पन, अभिविव्यास, सामग्री और संस्थापन।
- (ii) अग्नि सचेतन और रक्षण:—अग्नि सचेतन और अग्नि शमन के विधि प्रणालियाँ, उपकरण के अभिकल्पन और विनिर्देश।
- (iii) जलपूरति:—पम्पिंग प्रणालियाँ और उनका प्रयोग, उपकरण और संस्थापन के लिए विनिर्देश।
- (iv) सुरक्षा तथा अनुरक्षण:—सुरक्षा क्रियाविधि और पद्धतियाँ, उपकरण और संस्थापन के सिद्धांत संस्थापनाओं का निवारक अनुरक्षण और परीक्षण।

5. 33 के. बी. तक उप केन्द्र और वितरण:—

आभ्यंतर और बाह्य प्रयोगों के लिए अभिविव्यास और अभिकल्पन उपकरण के लिए विनिर्देश, भू-सम्पर्कन उप केन्द्र, तैयार खड़े जनक समुच्चय, कमीशनिंग क्रियाविधि और परीक्षण।

वितरण:—ओवर हेड लाइन और भूगत वितरण प्रणालियों का अभिकल्पन, केवल जालकों, आलम्बों आदि के लिए विनिर्देश, केवल जोड़ने और अलग करने के तरीके, विद्युत गुणोंक वृद्धि भवनों में सर्विस कनेक्शन।

6. लिफ्ट:—अभिकल्पन प्राचल, मातायात विश्लेषण, लिफ्ट संस्थापनाओं का वर्गीकरण, नियंत्रण और परिचालन का चयन, सुरक्षा, लिफ्ट संस्थापन के लिए विनिर्देश।

7. वातानुकूलन संचालन:—प्रशीतन, वातानुकूलन, वाष्प द्वारा ठंडा करने और संवातन, प्रतापन और प्रशीतन भार परिकलन के सामान्य सिद्धांत, प्रणाली वर्गीकरण, उनके अभिकल्पन और प्रयोग, संरचनात्मक अपेक्षाएं, संस्थापनाओं के लिए विनिर्देश।

8. निर्माण मशीनरी:—निर्माण मशीनरी के लिए विनिर्देश जैसे कंपिज, रोड रोलर, ट्रकों, कंक्रीट मिश्रित आदि का चयन, प्रयोग और अनुरक्षण करना, संयंत्र और मशीनरी के लिए किराए प्रभारों के परिणन के सिद्धांत।

9. हवाई अड्डा संस्थापना:—आई. सी. ए. ओ. विनियम:—अनुबंध XIV विमान क्षेत्र प्रकाशन तथा अन्य कृष्य सहायक संस्थापनाओं का वर्गीकरण, उनका परिचालन और नियंत्रण, हवाई अड्डों पर विद्युत पूति वितरण के सिद्धांत, संस्थापना के लिए विनिर्देश।

प्रश्न पत्र II—सामान्य इंजीनियरी वैद्युत इंजीनियरी (वैद्युत और यांत्रिक) :

भाग "क" : बिजली के उपकरण

- (i) एकल और बहुकलीय ए. सी. परिपथ; प्रतिरोध, प्रेरण और धारिता के प्रभाव; शक्ति कारक और उसका प्रवर्द्धन।
- (ii) एकल और बहुकलीय परिणामित्र:—रचनामूलक लक्षण मुख्य परिपथ निष्पादन समांतर संक्रिया, कलांतरण हानियों का पृथक्करण और विभिन्न पद्धतियों की क्षमता का निर्धारण स्थयंपरिणामित्र प्रेरण और चल भुंडली नियंत्रक—उपकरण परिणामित्र।
- (iii) प्रत्यावर्तित, रचनामूलक लक्षण, नियतन, समांतर संक्रिया और संरक्षण—स्वयंचालित वोल्टता नियंत्रक—आपातजनक समुच्चय स्थयंचालित परिवर्तन।
- (iv) प्रेरक मशीनें, बहुकलीय मोटर और उसके संचालन का सिद्धांत और मुख्य परिपथ एंठन और फिसलन के लक्षण; रिगण; प्रवर्तन की पद्धतियाँ/मोटर

प्रवर्तक एकल कमीय मोटर, उसका सिद्धांत, लक्षण और प्रयोग ।

भाग 'ख' : विद्युत माप

विजली के उपकरण और मापन : रचना के नियम तथा सीधी और परिवर्तक धाराओं के मापक यंत्रों के सिद्धांत—वाणिज्यिक प्रकार—प्रतिरोध, बोल्टता, धारा, शक्ति, शक्ति-कारक और ऊर्जा का मापन, वाट मीटर, ऊर्जा मीटर, तापीय यन्त्र—प्रतिरोध तापमापी, उत्तामापी, कैबिलों के वृद्धिमूचक सेतु प्रतिरोध प्रेरण और धारिता का मापन व्हीस्टोन सेतु ।

भाग 'ग' : उत्पादन, संरक्षण और वितरण तथा उपयोगिता

- (i) डीजल शक्ति, उत्पादन, सामान्य अभिन्यास, मूलभार, गुरुभार, वरण-समुच्चय ।
- (ii) शक्ति पूर्ति टैरिफ । अर्थशास्त्र । शक्ति गुणांक शुद्धि ।
- (iii) विद्युत रोधी, उनके प्रकार और प्रयोग ।
- (iv) औद्योगिक परिचालन के बुनियादी लक्षण : विभिन्न परिचालनों के लिए विद्युत मोटरों का चुनाव और उनके दूरीकरण का मूल्यांकन वर्तन, करण, स्थापन और प्रत्यावर्तन में मोटरों की गतिविधि लिफ्ट, केन और मशीन के उपकरणों के लिए गत नियंत्रण योजनाएं ।
- (v) विभिन्न प्रकार की भिन्नात्मक अथवाशक्ति मशीनों का प्रमेय निष्पादन और प्रयोग ।
- (vi) विद्युत, तापन की विभिन्न पद्धतियां :—उच्च श्रावृति प्रेरण और तापन उपस्कर की रचना और निष्पादन विद्युत वेल्डन : इसमें प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के उपस्कर और उनके लक्षण की शक्ति और ऊर्जा की अपेक्षाओं का प्राक्कलन ।
- (vii) विभिन्न पद्धतियों के द्वारा प्रकाश का सृजन :—विभिन्न पद्धतियों द्वारा प्रकाश का परिकलन और मापन । प्रदीपन का परिकलन और मापन—प्रकाशमापी—ध्रुवीय वक्र—दूर प्रदीपन ।

भाग 'घ' आंतरिक दहन इंजिन

- (i) ईंधन और दहन—प्रमुख ईंधन और उनके गुण धर्म दहन परिकलन, दहन के उत्पादों का विश्लेषण ।
- (ii) शक्ति वलय :—वाष्प शक्ति वलय—कार्नेट और रैंकिंस गैस शक्ति वलय—ग्राटो और डीजल वलय—सैधातक वलयों से वास्तविक वलयों का विचलन ।
- (iii) आंतरिक दहन इंजिन :—दो और चार आघात वाली संपीयन, ज्वलन और स्फूर्तिग ज्वलन इंजिन—दहन परघटना, दो आघात वाली इंजिनों का अभिस्फोटनई अपस्फोटन और अपमार्जन ईंधन अंतर्क्षण और कर्बुरेशन, स्नेहन और शीतन प्रणालियां आई.सी. इंजिनों का निष्पादन और परीक्षण ।

भाग 'ङ' : वातानुकूलन और प्रशीतन

- (i) प्रशीतन :—प्रशीतन और ताप प्रेषण वलय—वाष्प संपीडन अथवाशेषण, प्रशीतन और उनके लक्षण ।
- (ii) वातानुकूलन :—सहस्रांशपीडन मापी चार्ट—मुख्य वातानुकूलन, सुख गृहतांक संवातन अपेक्षाएं—शीतन और निराद्रीकरणकूलन, पद्धतियों औद्योगिक वातानुकूलन प्रक्रिया ।

'च' : कार्ययान्त्र प्रौद्योगिकी

खरादना, पीसना, छेद बनाना और देना, सजाना, रेखा खींचना, धातु निर्माण, प्रक्रियाएं, रेखण, वक्रण, रूपण—वहन; बेलन ड्राप, उल्लन और प्रतिरूपण के मूलभूत लक्षण और उनके प्रयोग—धातुओं को ढालना और जोड़ना—प्ररूप कोट, सांचा, बालू ढालना संगलन वेल्डिंग, दाघ वेल्डन—आई.आई.जी. और एम.आई.जी. वेल्डन, सिच्टरन जिग और अनुबंध—स्थिति निर्धारित तत्व—बांधने के साधन—ड्रिलिंगिंग रेखन अनुबंध ।

[फाइल सं. 30/70/90—ई सी आई]

वि.एस. रामन, उप सचिव

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

ASSTT. ENGINEER (CPWD) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION 1992

New Delhi, the 1st August, 1992

G.S.R. 355.—No F. 15/1/91-EI(B).—A limited departmental competitive examination for promotion of Junior Engineers (Civil) (Electrical) to the Assistant Engineers Grade (Civil)/(Electrical) in the Central P.W.D. will be held by the Union Public Service Commission on 23rd December, 1992 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, DISPUR (GUWAHATI), ITANAGAR, KATHMANDU, MADRAS, NAGPUR AND PORT BLAIR in accordance with the Rules published by the Ministry of Urban Development in the Gazette of India, dated 1st August, 1992.

"THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORTS WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure para 8).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is as follows :—

- (i) Assistant Engineer (Civil)—227 (includes 69 vacancies reserved for Scheduled Castes and 34 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (ii) Assistant Engineer (Electrical)—36 (includes 13 vacancies reserved for Scheduled Castes and 05 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

The above numbers are liable to alteration.

N.B.—Candidates should indicate clearly in their applications the Grade i.e. Assistant Engineer (Civil) or Assistant Engineer (Electrical) for which they wish to compete.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE :—Candidates are warned that they must submit their application on the printed form prescribed for the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination 1992. Applications on forms other than the one prescribed for the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination, 1992 will not be entertained.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 14th September, 1992 (21st September, 1992) in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangri sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 14th September, 1992 and whose application are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangri sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangri sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 14th September, 1992.

NOTE.—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 35.00 (Rupees thirty five only) through Central Recruitment Fee Stamps or crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to

account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULE CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

APPLICATION NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

6. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

A. RAJAGOPALAN, (Joint Secretary)

Union Public Service Commission

ANNEXURE

Instruction to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 23rd November, 1992 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) Central Recruitment Fee Stamps or CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).

(i) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.

(ii) Attendance Sheet (attached with the Application form), duly filled in.

(iv) Two self-addressed unstamped good quality envelopes of 11.5 cm. x 27.5 cm. Candidates should write neatly his complete postal address i.e. his Name, House No., Ward No., Mohalla etc. on the envelopes. In cases where House No. is not there the candidate should write his own full name, followed by his father's name with postal address.

4. Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) of para 3 are given below :

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows —

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(c) 'Central Recruitment Fee' Stamps for the Prescribed fee :—

'Central Recruitment Fee' stamps (NOT postage stamps) may be obtained from the post office and affixed on the first page of the application form in the space provided therein. The stamps may be got cancelled from the issuing Post Office with the date stamps of the post office in such a manner that the impression of the cancellation stamp partially overflows on the application form itself. The impression of the cancellation stamp should be clear and distinct to facilitate the identification of date and the Post Office of issue.

'Postage Stamps' will in no case be accepted in lieu of 'Central Recruitment Fee' stamps.

Note : (i)—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders, the name and address should be written by the candidates dt. () the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Note : (ii)—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee the equivalent of Rs. 25.00 (Rupees thirty five only) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head '05. Public Service Commission-Examination fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.

(ii) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with the document mentioned under paragraph 3(ii), above it will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

7. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

8. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

9 Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

10. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION DHOLPUR HOUSE NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

(1) NAME OF THE EXAMINATION.

(2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION

(3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF APPLICATION REGISTRATION NUMBER/THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER. IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

11. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED. IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 1st August, 1992

RULES

No. 30/70/90-E.C. I.—The rules for a limited departmental competitive examination for promotion from the Grade of Junior Engineer (Civil/Electrical) to the Grade of Assistant Engineer (Civil/Electrical) in the Central Public Works Department to be held by the Union Public Service Commission in 1992 are published for general information.

1. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations shall be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

The date on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. Regularly appointed officers of the Grade of Junior Engineer (Civil/Electrical) of the Central Public Works Department who on 1st July, 1992 satisfy the condition of having put in four years' service as Junior Engineers in the Department shall be eligible to appear at the examination.

NOTE.—Junior Engineers of the Central P.W.D. who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

This, however, does not apply to a Junior Engineer of the Central P.W.D. who has been appointed to an ex-cadre post or to another Service on transfer and does not have a lien in the post of Junior Engineer of the Central P.W.D.

4. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

5. No candidate will be admitted in the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or

- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and
 - (b) to be barred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them.
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) to disciplinary action under the appropriate rules.
- Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—
- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
 - (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. After the examination, candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order to many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for promotion up to the required number.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard he recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for promotion irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

NOTE :—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be promoted on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will therefore have any claim for promotion on the basis of his performance in this examination, as a matter of right.

9. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

10. Success in the examination confers no right to promotion unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is eligible and suitable in all respects for promotion.

Provided that the decision as to ineligibility for promotion in the case of any candidate recommended for promotion by the Commission shall be taken in consultation with the Commission.

11. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another Service on 'transfer' and does not have a lien in the grade of Junior Engineer (Civil/Electrical) in the Central Public Works Department will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a person who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

V. S. RAMAN, Dy. Secretary

APPENDIX

The examination shall be conducted according to the following plan :—

PART I.—Written examination which will be job-oriented carrying a maximum of 600 marks in the subjects as shown in para 2 below.

PART II.—Evaluation of record of service of such candidates as may be decided by the Commission carrying a maximum of 200 marks.

2. The subjects, in which the candidates competing for the grades of Assistant Engineer (Civil/Electrical) will be required to take the written examination, will be as follows :—

Sl. No.	Grade of service	Subject
(1) Assistant Engineer (Civil)	1. Engineering Design & Construction Practice (Civil)	
	2. General engineering (Civil)	
(2) Assistant Engineer (Electrical)	1. Engineering Design & Construction Practice (E&M)	
	2. General Engineering (E&M)	

N.B.—The papers will have both theoretical and practical ability of the candidates to apply their technical knowledge content.

The question papers will be so designed as to assess the to the solution of problems.

Each paper will carry a maximum of 300 marks and will be of 3 hours duration.

3. Syllabus for the examination will be as shown in the Schedule.

4. Candidates are allowed the option to answer the papers either in English or in Hindi (Devanagari). Question Papers will be set in English and Hindi.

NOTE (1).—The option will be same for all the papers mentioned above and not for different papers or different question in the same paper.

NOTE (2).—Candidates desirous of exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in Column 9 of the Application Form. Otherwise it would be assumed that they would answer all papers in English. The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said Column shall be entertained.

NOTE (3).—Candidates exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

NOTE (4).—If a medium other than the one indicated by the candidate in the application form is used in the examination, the paper(s) of such candidates will not be valued.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. The Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks in the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

11. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

12. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

SCHEDULE

PAPER—1. ENGINEERING DESIGN AND CONSTRUCTION PRACTICE (CIVIL)

Part.—A Strength of Materials and theory of structures

(i) Stress-Strain relations-Hooke's Law.

(ii) Determination of forces in members of trusses pin-jointed frames.

(iii) Bending Moments and shear Forces. Theory of simple bending.

(iv) Continuous beams and simple portals—Determination of bending moments and shear forces—methods of analysis.

Part.—B. Design Principles

Determination of dead, live and wind loads Factor of Safety and load Factor.

Part.—C Steel Design

(i) Design of simple beams and plate Girders according to Indian standards.

(ii) Design of single and built-up columns. Column base connections.

(iii) Design of Steel Trusses.

Part.—D Reinforced Concrete

(i) Basic principles of reinforced concrete, Shear, bond and diagonal tension, location of reinforcement.

(ii) Design of singly and doubly reinforced beams, one way and two way slabs.

(iii) Theory and design of reinforced concrete columns with uni-directional bending only.

(iv) Design of cantilever and simple counterfort retaining walls.

(v) Liquid retaining structures—Special requirements.

PART.—E Construction Practice

(i) General details of Building construction including foundations, flooring masonry and different type of roofs. Safety during constructions.

- (ii) General Properties, standard requirements and tests for common building materials such as bricks, stones, sand and aggregate, cement, lime, timber and steel. Tests for fresh and hardened concrete.
- (iii) Central PWD Specifications for building works, sanitary and water supply works and road works including modes of measurements.

PART II—GENERAL ENGINEERING (CIVIL)

Part—A Surveying

- (i) Use and adjustment of Surveying Instruments :—Chain, plane, table and accessories, magnetic compass, level and theodolite.
- (ii) Compass and Theodolite-Traverses : Errors and Precision in traversing. Traverse computations and adjustments.
- (iii) Plane Table Surveying : Plotting of details, three point problem and two point problem.
- (iv) Levelling : Methods of levelling and reduced level calculations.
- (v) Contour Surveying : Methods of contouring, properties of contours.
- (vi) Curves and alignment : Setting out of simple, reverse and transition curves using different methods. Vertical curves.

Part—B Highway Engineering

- (i) Road alignments in hills and plains, minimum standards for national highways.
- (ii) Principles of designs of urban roads their cross-sectional requirements and intersections, road drainage and maintenance. House paths, approach roads and service lanes.

Part—C Public Health Engineering

- (i) Water-supply :—Quality and quantity of water required for public water supplies. Water purification processes. Water distribution systems—valves and fittings—metering.
- (ii) Sanitation :—Orientation, ventilation and damp proofing of buildings. Sanitary appliances. Construction and testing of house drains.
- (iii) Sewage disposal :—Sewerage system :—construction and maintenance. Types of sewage treatment—Oxidation ponds—simple sedimentation, recirculation and high rate filtration—contact beds—percolating filters. Septic tanks, Imhoff tanks.

Part—D Soil Mechanics and Foundation Engineering

- (i) Index properties of Soils, Classification. Soil explorations.
- (ii) Foundation Engineering :—Principles of Selection of type of foundation for a structure, shallow and deep foundations—Methods of determining bearing capacity.
- (iii) Compaction :—Laboratory and Field methods—optimum moisture content.

PAPER I. ENGINEERING, DESIGN AND CONSTRUCTION PRACTICE (ELECTRICAL AND MECHANICAL)

1. General—Knowledge of Indian Electricity Act, Indian Elect. Rules as amended upto date, General conditions of supply and charges to be paid to licences for obtaining connection, CPWD. General Specifications for Electrical Works, Principles of analysis of rates. General Principles in preparation of estimates, project reports, award of works and execution of works and measurement I.S.I. Standards and Codes of practices, Bombay and Delhi Lift Act and Rules.

2. Illumination :—Units and Standards :— Principles of indoor and outdoor lighting design. Types, characteristics and application of lamp in fittings and luminaries, Lighting calculations for indoor and outdoor applications.

3. Internal Electrical Installations :—Systems of wiring and their design distribution system. Apparatus for control and protection, Testing.

4. Miscellaneous E. M. Services :—

(i) Lightning protection :—Design, Layout, material and installation.

(ii) Fire Alarm & protection :—Various fire Alarm and Fire Fighting System, Design and Specification of equipment.

(iii) Water Supply :—Pumping systems & application. Specification for equipment and installation.

(iv) Safety & Maintenance :—Safety procedures and practices, principles of equipment and installation, preventive maintenance and testing of installations.

5. Sub-Station upto 33 KV and Distribution :—Layout and Design for indoor and outdoor applications, specification for equipment, Sub-Station earthings, stand-by generating Sets, commissioning procedures and tests. Distribution :—Design of overhead line & underground distribution systems. Specification for cable conductors, Supports, etc. Cable joining and termination methods, power factor improvement, service connection to buildings.

6. Lifts :—Design parameters, traffic analysis, Classification of Lift installations, choice of control and operation, safeties, specifications for lift installation.

7. Air-Conditioning Ventilation :—General principles of Refrigeration, Air-Conditioning, evaporative cooling and ventilation, Heating & cooling load estimation, Classification of systems, their design and application, structural requirements, specifications for installations.

8. Construction Machinery :—Specification for construction machinery such as Vibrators, Road Rollers, Trucks, Concrete Mixers, etc., Selection application and maintenance, principles of calculation of hire charges for plant and machinery.

9. Airport Installation :—ICAO regulations—Annexure XIV Classification of Airfield lighting and other visual aid installations, their operation and control, principles of power supply distribution at Airports, Specification for installation.

PAPER II. GENERAL ENGINEERING (ELECTRICAL AND MECHANICAL)

PART A—ELECTRICAL APPARATUS

(i) Single and polyphase A. C. Circuits, Effects of resistance inductance and capacitance. Power factor and its improvement.

(ii) Single and polyphase transformers—Constructional features equivalent circuit performance, parallel operation, phase conversion. Separation of losses and determination of efficiency by various methods. Autotransformers, Induction and moving coil regulators Instrument transformers.

(iii) Alternators Constructional features, regulation, parallel operation and protection, Automatic Voltage regulators, Emergency generating sets—automatic change over.

(iv) Induction machines, polyphase motor and its principle of operation and equivalent circuit Torque slip

characteristics. Crawling, Methods of starting, Single phase motor, its theory, characteristics and applications.

PART B—ELECTRICAL MEASUREMENTS

Electrical Instruments and Measurements; principles of construction and theory of measuring instruments for direct and alternating currents. Commercial types. Measurement of resistance. Voltage, current power, power, factor and energy, Watt meters, energy meters. Thermo couples, Resistance Thermometers. Pyro-meters, Fault locating bridges for cables. Measurements of resistance, inductance and capacitance—wheat-stone bridge.

PART C—GENERATION TRANSMISSION AND DISTRIBUTION & UTILISATION

- (i) Diesel power Generation—General layout, Base load, peak load, choice of sets.
- (ii) Power supply tariffs, economics. Power factor correction.
- (iii) Insulators, types and application.
- (iv) Basic feature of industrial drives. Choice of electric motors for various drivers and estimation of their ratings. Behaviour of motors during starting, acceleration, breaking and reversing operations. Speed control schemes for lifts cranes and machine tools.
- (v) Theory, performance and application of various types of fractional horse power motors.
- (vi) Different methods of electric heating. Construction and performance of high frequency induction and Electric heating equipment. Estimation of power and energy requirements of electric welding different types of equipments used and their characteristics.

- (vii) Production of light by different methods. Calculation and measurement of light by different methods. Calculation and measurement of illumination. Photo-meters. Polar Curves. Flood lighting.

PART D—INTERNAL COMBUSTION ENGINES

- (i) Fuels and Combustion. Import fuels and their properties, combustion calculations. Analysis of products of combustion.
- (ii) Power cycles. Vapour power cycles—Carnot and Rankine. Gas Power cycles—Otto and Diesel cycles. Deviation of actual cycles from theoretical cycles.
- (iii) Internal combustion engines—Two and four stroke compression ignition and spark ignition engines. Combustion phenomena. Detonation, Knocking scavenging of two stroke engines. Fuel injection and carburation. Lubrication and cooling system performance and testing of IC engines.

PART E—AIR CONDITIONING AND REFRIGERATION

- (i) Refrigeration—Refrigeration and heat pumps cycles, Vapour compression absorption. Refrigeration and their characteristics.
- (ii) Air-conditioning.—Psychrometric chart comfort air-conditioning comfort indices, ventilation requirements. Cooling and dehumidification methods. Industrial air-conditioning processes.

PART F—WORKSHOP TECHNOLOGY

Basic features and application of conventional Machine Tools for turning, grinding, boring, shaping, planing. Milling, Metal forming, Shearing Drawing bending spinning, rolling drop upset and press forging. Metal casting and jointing, Patterns, Cores, Moulds, sand casting, Fusion Welding, Pressure welding, IIG and MIG welding, sintering jigs and fixtures—locating elements. Clamping devices, Drill Jigs; Milling Fixtures.

[File No. 30/70/90-ED]
V. S. RAMAN, Dy. Secy.

भ्रम मंत्रालय

(नियोजन और प्रशिक्षण महाविभाग)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1992

सा.का.नि. 356:—केन्द्रीय सरकार, शिक्षा अधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा 37 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय शिक्षा परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, शिक्षा नियम, 1962 को उन बातों के सिवाय अधिकांश करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकांश से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(क) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शिक्षा नियम, 1991 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. परिभाषाएं:— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—
(1) “अधिनियम” से शिक्षा अधिनियम, 1961 (1961 का 52) अभिप्रेत है;
(2) “द्विपक्षीयता” से, ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके पास राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया, या सम्पन्न राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार से मान्यताप्राप्त, इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी का द्विपक्षीय या समतुल्य अर्हता है;
(3) “इंजीनियरिंग स्नातक” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है—
(क) जिसके पास, निम्नलिखित द्वारा प्रदान की गई, इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी की डिग्री है:—
(1) किसी कागुमी विश्वविद्यालय द्वारा, या
(2) किसी ऐसी संस्था द्वारा जो संसद के किसी अधिनियम द्वारा ऐसी डिग्री प्रदान करने के लिए सशक्त की गई है;
(ख) जिसने वृत्तिक निकायों की स्नातक परीक्षा, जिसे केन्द्रीय सरकार ने डिग्री के समतुल्य मान्यता दी है, पास कर ली है, या
(ग) जिसके पास ऐसी अर्हताएं हैं जिनसे उसे इंजीनियरिंग संस्था (बाग्न) की भाग “क” और “ख” परीक्षाओं से छूट मिलती है;
(4) “वृत्तिक प्रमाण पत्र धारि” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके पास किसी वृत्तिक पाठ्यक्रम में, जिसमें अखिल भारतीय प्रौद्योगिकीय शिक्षा

परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षा के माध्यमिक स्तर के पूरा होने के पश्चात् दो वर्षों का अध्ययन अस्तबलित है, प्रमाण पत्र हों।

(5) "उपजीविकाओं का राष्ट्रीय वर्गीकरण" से, भारत सरकार के अर्थ और रोजगार मंत्रालय में नियोजन और प्रशिक्षण महानिदेशकालय द्वारा अंगी-कार किया गया उपजीविकाओं का राष्ट्रीय वर्गीकरण अभिप्रेत है;

(6) "रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है;

जिसका नाम किसी राज्य में चिकित्सा व्यवसायियों के रजिस्ट्रीकरण का विनियम बनने वाली तत्कालीन प्रवर्तन किसी विधि के अधीन रखे गए रजिस्टर में दर्ज किया गया है;

(7) "सैण्डविच पाठ्यक्रम के छात्र" से ऐसा छात्र अभिप्रेत है जो इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में डिग्री या डिप्लोमा प्रदान किए जाने के उद्देश्य के लिए प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्थाओं में से किसी में सैण्डविच पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहा है;

(8) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है;

(9) "मानक औद्योगिक वर्गीकरण" से भारत सरकार के अर्थ और रोजगार मंत्रालय में नियोजन और प्रशिक्षण महानिदेशक द्वारा अंगीकृत मानक औद्योगिक वर्गीकरण अभिप्रेत है।

(10) उन सभी शब्दों और पदों का, जिन्हें इन नियमों में परिभाषित नहीं किया गया है, किन्तु अधिनियम में परिभाषित किया गया है, वही अर्थ होगा जो उसे उक्त अधिनियम में दिया गया है।

3. शिक्षा के स्तरमान.—(1) यदि कोई व्यक्ति अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं पूरी करना है तो वह व्यवसाय में शिक्षा के रूप में रखे जाने का पात्र होगा।

(2) यदि कोई व्यक्ति अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट न्यूनतम अर्हताओं में से कोई एक अर्हता पूरी करता है तो वह स्नातक या तकनीकी या तकनीकी कृषि शिक्षा के रूप में रखे जाने का पात्र होगा; परन्तु—

(क) ऐसा कोई इंजीनियरिंग स्नातक या डिप्लोमाधारी या बलिक प्रमाणपत्र धारी जो, ये अर्हताएं प्राप्त करने के पश्चात्, एक वर्ष अथवा अधिक की अवधि का प्रशिक्षण या कार्य अनुभव प्राप्त कर चुका है, अधिनियम के अधीन शिक्षा के रूप में रखे जाने का पात्र नहीं होगा;

(ख) सैण्डविच पाठ्यक्रम का कोई भी छात्र उस तकनीकी संस्था की, जिसमें वह ऐसे पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहा है, अंतिम परीक्षा पास करने के पश्चात् अधिनियम के अधीन शिक्षा के रूप में रखे जाने का पात्र नहीं होगा, जब तक कि क्षेत्रीय केन्द्रीय शिक्षा सलाहकारों द्वारा ऐसा अनुमोदन न कर दिया जाए।

(ग) कोई व्यक्ति जो अधिनियम के अधीन स्नातक या तकनीकी या तकनीकी (बलिक) शिक्षा रह चुका है और जिसके मामले में शिक्षा-संविदा किसी भी कारणवश, समाप्त कर दी गई है, शिक्षा सलाहकार के पूर्व अनुमोदन के बिना अधिनियम के अधीन पुनः शिक्षा के रूप में रखे जाने का पात्र नहीं होगा।

4. शारीरिक योग्यता के स्तरमान.—(1) यदि कोई व्यक्ति अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट शारीरिक योग्यता के न्यूनतम स्तरमान पूरे करता है तो वह शिक्षा के रूप में रखे जाने का पात्र होगा।

परन्तु जो व्यक्ति राष्ट्रीय परिषद् या अखिल भारतीय परिषद् या कानूनी विषयविद्यालय या राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड से मान्यताप्राप्त या सहस्रद किसी विद्यालय या अन्य संस्था में संस्थागत प्रशिक्षण प्राप्त करके इन निकायों द्वारा संचालित परीक्षा या परीक्षण में उत्तीर्ण हो चुका है या जो व्यक्ति ऐसे मान्यता प्राप्त या सहस्रद विद्यालय या संस्था में संस्थागत प्रशिक्षण इस दृष्टि से प्राप्त कर रहा है कि वह इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी की डिग्री या डिप्लोमा या समतुल्य अर्हता प्राप्त कर लेता, उसके बारे में, यदि उसकी विद्यालय या संस्था में प्रवेश के लिए नियमों के अनुसार स्वास्थ्य परीक्षा पहले ही कर ली गई है तो, यह समझा जाएगा कि उसने इन नियमों के उपबंधों का अनुपालन कर लिया है।

(2) पूर्वगामी उपबंध की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहां बिकलांगों के विशेष रोजगार कार्यालय से संलग्न चिकित्सक बोर्ड ने या स्थानीय सिविल सर्जन ने (जहां ऐसे चिकित्सक बोर्ड का गठन नहीं किया गया है) किसी रोजगार कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत किसी बिकलांग व्यक्ति के बारे में यह घोषणा की है कि वह शिक्षा अधिनियम, 1961 के अधीन अभिहित व्यवसाय में शिक्षा के रूप में रखे जाने के लिए शारीरिक दृष्टि से योग्य है, तो यह उस व्यवसाय में शिक्षा के रूप में रखा जा सकता है।

5. प्रशिक्षण संस्थानों का आरक्षण.—अनुसूची 2-क के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक राज्य की आवस्य निर्योजक प्रत्येक अभिहित व्यवसाय में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए प्रशिक्षण स्थान आरक्षित करेगा जिससे ऐसे अभिहित व्यवसायों के व्यवसायों के शिक्षार्थी की कुल संख्या के साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के शिक्षार्थी का अनुपात उतना हो जाए जितना उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) और (4) में विनिर्दिष्ट है (और जहां किसी स्थापन में एक से अधिक अभिहित व्यवसाय हैं, वहां ऐसे प्रशिक्षण स्थान ऐसे स्थापनों में सभी अभिहित व्यवसायों में शिक्षार्थी की कुल संख्या के आधार पर आरक्षित किये जाएंगे)।

परन्तु यदि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में से किसी के लिए विहित कुल स्थानों के लिए व्यक्ति उपलब्ध नहीं है तो उनकी लिए इस प्रकार आरक्षित प्रशिक्षण स्थान, यथास्थिति, अनुसूचित जनजातियों या अनुसूचित जातियों के व्यक्तियों से भरे जा सकते हैं और यदि विहित प्रशिक्षण स्थान उक्त रीति में भी नहीं भरे जा सकते हैं तो इस प्रकार न भरे जा सकने वाले प्रशिक्षण स्थान उन व्यक्तियों में से भरे जा सकते हैं जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के नहीं हैं।

6. (1) शिक्षा संविदा का रजिस्ट्रीकरण.—प्रत्येक नियोजक शिक्षा संविदा, उस पर हस्ताक्षर करने की तारीख तीन मास के भीतर, शिक्षा सलाह-कार के पास रजिस्ट्रीकरण के लिए भेजेगा।

(3) केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित प्रयोजनों के शिक्षार्थी के लिए समूहों के लिए निम्नलिखित रूप में प्रमाणित कर सकती है :-

- (1) व्यवसाय शिक्षा,
- (2) स्नातक, तकनीकी और तकनीकी (वृत्त) शिक्षा;

(ख) समूहों के विषय, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, ऐसे परिवर्तन सहित, जिसको प्रत्येक मामले में परिस्थितियाँ अपेक्षा करें, इसमें वर्णित संबंधित प्रयोजनों के लिए प्रयोग किया जा सकेगा।

(3) नियोजक की और व्यवसाय शिक्षार्थी की आवश्यकता अनुसूची-5 में विनिर्दिष्ट रूप में होगी। स्नातक, तकनीकी और तकनीकी (वृत्त) शिक्षार्थी में संबंध में निबन्धन और शर्तें अनुसूची-6 में विनिर्दिष्ट रूप में होंगी।

7. शिक्षा प्रशिक्षण की अवधि—(1) अधिनियम की धारा 8 के खंड (ख) में विनिर्दिष्ट व्यवसाय शिक्षार्थी की दशा में शिक्षा प्रशिक्षण की अवधि निम्नलिखित होगी :—

क्रम संख्यांक	व्यवसाय	उपश्रीविका के राष्ट्रीय वर्गीकरण के कोड संख्यांक	प्रशिक्षण की अवधि
1	2	3	4
समूह सं. 1—मशीन कर्मशाला व्यवसाय समूह—			
1.	फिटर	842-10, 847-15	तीन वर्ष
2.	खरानी	835-15	तीन वर्ष
3.	मशीन मिस्त्री	835-10,	तीन वर्ष
4.	मशीन मिस्त्री (ग्राइंडर)	836-10, 846-25, 836-39, 836-35, 836-40, 836-55	तीन वर्ष
समूह सं. 2—इलाई व्यवसाय समूह—			
1.	पैटर्न मेकर	819-20	तीन वर्ष
2.	सोचागर	725-10, 725-70	तीन वर्ष
समूह सं. 3—धातुकर्म व्यवसाय समूह—			
1.	लोहार एवं हीट ट्रीटर	723.80, 726.90, 831.10, 831.30, 831.50	तीन वर्ष
2.	चादर धातु कर्मकार	837.10	तीन वर्ष
3.	वील्डर (गैस और विद्युत)	872.10, 872.20	दो वर्ष
4.	मोटरयान बॉडी निर्माता	815.10	दो वर्ष
समूह सं. 4—विद्युत व्यवसाय समूह—			
1.	बिजली मिस्त्री	851.10, 851.30	तीन वर्ष
2.	लाइनमैन	857.10	तीन वर्ष
3.	वायरमैन	855-10	तीन वर्ष
4.	घाटो बिजली मिस्त्री	855-30	दो वर्ष
5.	बिजली मिस्त्री वायुयान	855-20	चार वर्ष
6.	ग्राइंडर (घामोचर)	859.50	तीन वर्ष
7.	कैबिल योजक	857.30	तीन वर्ष
8.	बिजली मिस्त्री (खान)	851.15	तीन वर्ष
9.	इलेक्ट्रोप्लेटर	728.10	तीन वर्ष
समूह सं. 5—भवन और फर्नीचर व्यवसाय समूह—			
1.	बटुई	811.10, 811.20	तीन वर्ष
2.	प्लम्बर	871.10	तीन वर्ष
3.	राज (भवन निर्माता)	951.20	दो वर्ष
4.	फर्नीचर और कैबिनेट निर्माता	812-10, 812-20	तीन वर्ष
5.	खेचक सामान निर्माता (काष्ठ)	819.70	दो वर्ष
समूह सं. 6—अनुरक्षण व्यवसाय समूह			
1.	मिलरोइट मैकेनिक अनुरक्षण	845-50	तीन वर्ष
2.	मैकेनिक अनुरक्षण (टैक्सटाइल मशीनरी)	845-63	तीन वर्ष
3.	मैकेनिक अनुरक्षण (रासायनिक संयंत्र)	845-53	तीन वर्ष
4.	मैकेनिक ड्रेजरी अनुरक्षण	845-55	तीन वर्ष
5.	मिथाई मशीन मैकेनिक	845-82	दो वर्ष
6.	मैकेनिक भवन मशीनरी	845-60	तीन वर्ष

1	2	3	4
समूह सं. 7. सूक्ष्म मशीनरी व्यवसाय समूह			
1.	टूल और ड्राई मेकर	833-10 833-40	चार वर्ष
2.	प्लास्टिक मोल्ड मेकर	833-40, 901-30	चार वर्ष
समूह सं. 8 उपकरण व्यवसाय समूह			
1.	उपकरण मैकेनिक	841-15	तीन वर्ष
2.	मैकेनिक उपकरण वायुयान	841-15	चार वर्ष
3.	घड़ी साज	841-10	तीन वर्ष
समूह सं. 9—प्रशीतन और वातानुकूलन व्यवसाय समूह—			
1.	प्रशीतन और वातानुकूलन मैकेनिक	845-70	तीन वर्ष
समूह सं. 10—नाप इंजन व्यवसाय समूह—			
1.	मैकेनिक (मोटरयान)	843-30	तीन वर्ष
2.	मैकेनिक (डीजल)	845-13	तीन वर्ष
3.	मैकेनिक (टैक्टर)	845-20	तीन वर्ष
4.	मैकेनिक (मिट्टी हटाने वाली मशीनरी)	845-23	तीन वर्ष
5.	मैकेनिक (सामुद्रिक डीजल इंजन)	845-14	तीन वर्ष
6.	ग्राइवर एवं फिटर	843-50 986-85	तीन वर्ष
समूह सं. 11 नक्शानवीस और सर्वेक्षक व्यवसाय समूह—			
1.	नक्शानवीस, सिविल	030-20	तीन वर्ष
2.	नक्शानवीस, यांत्रिक	030-40	तीन वर्ष
3.	सर्वेक्षक	028-10, 037-10, 037-20	तीन वर्ष
समूह सं. 12—निर्माण व्यवसाय समूह—			
1.	फिटर सन्निर्माण	874-45	तीन वर्ष
समूह सं. 13—विद्युत संयंत्र व्यवसाय समूह—			
1.	वायरलर परिचर	962-70	तीन वर्ष
2.	भाप टर्बाइन, सह-सहायक संयंत्र प्रचालक	961-30	तीन वर्ष
3.	स्विच बोर्ड परिचर	961-50	तीन वर्ष
समूह सं. 14 मृद्वण व्यवसाय समूह—			
(I) टाइपसेटिंग समूह :			
1.	हैंड कम्पीोजीटर	921-20	दो वर्ष
2.	लिनी प्रचालक	920-10	तीन वर्ष
3.	मोनो की बोर्ड प्रचालक	922-22	तीन वर्ष
4.	मोनो डायार्कॉपर प्रचालक	922-30	दो वर्ष
(II) मृद्वण समूह—			
	लैटर प्रैस मशीन माइंडर	923-20, 923-30	तीन वर्ष
(III) फोटो मैकेनिक समूह—			
1.	प्रोसेस कैमरासैन	926-10	तीन वर्ष
2.	रिटचर लिथोग्राफिक	925-10	तीन वर्ष
3.	उत्कीर्णक	936-50	तीन वर्ष
(IV) जिल्दबंदी समूह			
1.	जिल्दसाज	927-10	दो वर्ष
(V) लिथो ग्राफसेट समूह—			
1.	प्लेटमेकर (लिथोग्राफिक)	926-40	दो वर्ष
2.	लिथो ग्राफसेट (मशीन माइंडर)	923-50, 923-60	तीन वर्ष
समूह सं. 15—होटल और खानपान व्यवसाय समूह—			
1.	रसोइया (साधारण)	520-20	तीन वर्ष
2.	रसोइया (शाकाहारी)	520-20	एक वर्ष
3.	स्टुवर्ड	521-40, 530-20, 530-30	छह मास
4.	बेकर और कनफैक्शनर	770-10	दो वर्ष
5.	गृह पाल	510-10	एक वर्ष छः मास
6.	होटल लिपिक या स्वागतकर्ता या भ्रमणकार्यालय सहायक	352-10	एक वर्ष छः मास

1	2	3	4
समूह सं. 16-कमटाइल व्यवसाय समूह--			
1.	बुनकर	755-50	छ. मास
2.	डाफर-एवं-मीमर	702-35, 703-60	छः मास
3.	हैंडर (ट्राईंग और मीड / प्लाइफ्रेम)	702-10, 702-13, 702-16	छः मास
4.	बाइंडर	752-70	छः मास
5.	बुनने वाला (हौजरी)	757-10, 757-15, 757-70, 757-25, 757-30	एक वर्ष छः मास
6.	मूद्रण-कमटाइल	758-30, 758-32, 758-34	छः मास
7.	श्रीम बाउ एंड रैपर	753-10, 753-20	छः मास
8.	बैक साइजर एवं फ्रंट साइजर	753-10, 753-30	छः मास
समूह सं. 17-खनन व्यवसाय समूह--			
1.	सीरदार (कोयला खान)	710-50	तीन वर्ष
2.	बिस्फोटक /उस्फोटक (खान)	714-10	दो वर्ष
3.	रिगर (इंजीनियरी और रासायनिक उद्योग)	716-10, 972-10	तीन वर्ष
4.	मैट (खान)	710-40, 715-90	तीन वर्ष
समूह संख्या 18-रासायनिक व्यवसाय समूह--			
1.	परिचर प्रचालक (रसायन संयंत्र)	733-10 733-15 733-20 733-35 733-40 733-45 733-50 733-55 733-60 733-90 734-10 734-15 734-25 739-20 741-10 741-15 741-20 741-30 741-60 741-70 742-10 742-20 742-30 742-40 742-60 742-90 743-10 743-30 743-40 744-10 744-20 744-30 744-40 744-50 745-10 749-40 749-34 749-38 749-42 749-62 749-64 749-68 749-72 749-74 749-76 749-80 749-82 749-84 749-86 749-88 773-13 773-23 773-33 773-40 773-43 773-45 773-50 773-57 773-60 773-65 775-30 775-35 775-40 775-45 775-65 776-20 776-30 776-50 776-70 893-10 893-30 899-33 902-10 902-20 902-30 902-40 902-50 903-10 903-20.	तीन वर्ष
2.	उपकरण मैकेनिक (रसायन संयंत्र)	841-20, 841-70, 951-20	तीन वर्ष
3.	प्रयोगशाला सहायक (रसायन संयंत्र)	010, 30, 010-90, 034-10, 034-20, 034-50, 035-10, 083-10	तीन वर्ष
परन्तु उन व्यक्तियों की दशा में जिन्होंने बी एस सी डिग्री परीक्षा सौंपी, रसायन और गणित में उत्तीर्ण की है इस समूह के प्रयोग व्यवसायों के लिए शिक्षुओं के रूप में प्रशिक्षण अवधि कम करके 18 मास कर दी जाएगी।			
समूह सं. 19-कटाई और वर्गीगिरी व्यवसाय समूह--			
1.	बिजाइनग और मास्टर कटर	794-60, 749-40,	दो वर्ष
2.	दर्जी (पुरुष)	791-30, 791-40, 791-50	एक वर्ष और छः मास
3.	दर्जी (स्त्री)	791-20	एक वर्ष और छः मास
4.	दर्जी (साधारण)	791-10, 791-90	दो वर्ष

1	2	3	4
समूह सं. 20—कृषि व्यवसाय समूह—			
1.	मैकेनिक (कृषि मशीनरी)	845-20	तीन वर्ष
2.	बागबानी सहायक	053-20	दो वर्ष
3.	पशु पाल (डैयरी)	082-10, 082-20	दो वर्ष
4.	परिवार प्रचालक (डैयरी)	776-10, 776-20, 776-30, 726-40, 776-50, 776-60, 776-70, 776-90	तीन वर्ष
5.	पंप मैकेनिक	845-57	दो वर्ष
समूह सं. 21—चमड़ा दस्तकारी व्यवसाय समूह—			
1.	बेल-कूव सामान (चमड़ा)	809-90	दो वर्ष
2.	चमड़ा सामान निर्माता	809-10, 809-20, 809-30, 809-40	दो वर्ष
3.	पावुका निर्माता	801-10	दो वर्ष
4.	परिष्कृत चमड़ा निर्माता	761-00	तीन वर्ष
5.	चमड़ा उद्योग के लिए धनुरक्षण मैकेनिक	845-81	तीन वर्ष
समूह सं. 22—पोत निर्माण व्यवसाय समूह—			
1.	पोतकार (इस्पात)	816-20	तीन वर्ष
2.	पाइप फिटर	871-20	तीन वर्ष
3.	रिगर	972-10	दो वर्ष
4.	गैस कटर	872-40	दो वर्ष
5.	पोतकार (काष्ठ)	816-20	दो वर्ष
6.	नौका निर्माता	816-70	तीन वर्ष
समूह सं. 23—इलेक्ट्रॉनिक व्यवसाय समूह—			
1.	मैकेनिक रेडियो और रडार वायुयान	852-30, 854-50, 854-60	चार वर्ष
2.	इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक	852-20	तीन वर्ष
3.	मैकेनिक टेलीविजन (बीडियो)	854-20	तीन वर्ष
परन्तु उन अभ्यर्थियों की दशा में जिन्होंने शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम के अधीन सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और जिन्हें मैकेनिक रेडियो और टेलीविजन तथा इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक व्यवसाय में राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाणपत्र दिया गया है, शिक्षा प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष होगी।			
समूह सं. 24—फोटोग्राफी व्यवसाय समूह—			
1.	फोटोग्राफर	173-10	दो वर्ष
समूह सं. 25—लोहा और इस्पात व्यवसाय समूह—			
1.	मिलराइट (रोलिंग मिल)	845-50	तीन वर्ष
2.	ब्रिकलेयर (रिफ्रेक्टरी)	951-30	तीन वर्ष
3.	भट्टी प्रचालक (इस्पात उद्योग)	721-55, 721-60	दो वर्ष
4.	फैन प्रचालक (गिरोपरि) (इस्पात उद्योग)	973-45	दो वर्ष
5.	इस्पात सेलिंग हैंड	723-15, 723-20, 723-30	दो वर्ष
6.	मिल क्लिप	722-15, 722-25, 722-35	दो वर्ष
7.	टर्नर (इस्पात उद्योग)	835-17	तीन वर्ष
समूह सं. 26—शृंगार व्यवसाय समूह—			
1.	शृंगार व्यवसाय	560-30	दो वर्ष
2.	कैश प्रसाधक	560-10, 560-20	दो वर्ष
3.	स्वास्थ्य और तनुकरण सहायक	089-50	दो वर्ष
समूह सं. 27—सीसा और सिरैमिक व्यवसाय समूह—			
1.	मूर्तिका साँचाकार	892-25	दो वर्ष
2.	मूर्तिका बलाईकार	892-20	दो वर्ष
3.	मूर्तिका भट्टा प्रचालक	893-30	दो वर्ष
4.	सिरैमिक प्रेस ऑपरेटर	892-10	दो वर्ष
5.	मूर्तिका प्रतिमाकार	892-10	दो वर्ष
6.	मूर्तिका सज्जाकार	895-30	दो वर्ष
7.	मूर्तिका (क्ले) खिलौना निर्माता	892-30	दो वर्ष
8.	साँचाकार (रिकीकट्री)	852-65	दो वर्ष
9.	इलेक्ट्रिक स्लेजर	895-50	दो वर्ष
10.	इंसुलेटर मेकर मशीन प्रचालक (सिरैमिक)	899-44, 899-45	तीन वर्ष
11.	चपमा कर्मकार	891-18	तीन वर्ष
समूह सं. 28—पेंटिंग व्यवसाय समूह			
1.	पेंटर (साधारण)	932-10	तीन वर्ष
2.	पेंटर (सामुद्रिक)	931-20	दो वर्ष

(2) (क) जहाँ कोई व्यवसाय शिक्षा उपनियम (1) में विहित अवधि के भीतर पूर्ण शिक्षता पाठ्यक्रम पूरा करने में अथवा सफलता या उसके नियंत्रण के बाह्य अन्य परिस्थितियों के कारण अंतिम परीक्षण में बैठने में असमर्थ रहता है तो उसम्पूक्त स्थापन उसकी शिक्षता अवधि का तब तक के लिए बढ़ा देगा जब तक कि वह पूर्ण शिक्षता पाठ्यक्रम पूरा नहीं कर लेता है और अगली परीक्षा यदि शिक्षता सहायकार ऐसी परीक्षा के लिए जाने की प्रेरणा करता है तो, ले नहीं तो जानती। प्रशिक्षण की अवधि में इसी प्रकार की वृद्धि उन व्यवसाय शिक्षाओं की दशा में की जा सकती है जो पाठ्यक्रम पूरा करके अंतिम परीक्षण में अनुत्तीर्ण हो जाती हैं। दूसरी बार परीक्षण में अनुत्तीर्ण होने वाले किसी व्यवसाय शिक्षा के प्रशिक्षण की अवधि में कोई वृद्धि अनुमान नहीं की जाएगी;

(ख) यदि व्यवसाय शिक्षा, उस स्थापन में जिसमें वह प्रशिक्षण ले रहा है, हड़ताल तालाबंदी से ऑफ के कारण शिक्षता प्रशिक्षण की अवधि पूरी करने में असफल रहता है और वह उस हड़ताल आदि के लिए जिम्मेदार नहीं है तो उसकी शिक्षता प्रशिक्षण की अवधि, उसकी अवधि के लिए बढ़ा दी जाएगी जितनी अवधि तक ऐसी हड़ताल तालाबंदी से ऑफ की अवधि के दौरान या अधिकतम छ. मास की अवधि के लिए जो भी कम हो, वृद्धि दी जाएगी।

(11) यदि हड़ताल या तालाबंदी या ले ऑफ की लम्बी अवधि तक चलने की संभावना हो तो नियोजक खंड (1) में निर्दिष्ट व्यवसाय शिक्षा की अन्य नियोजक के साथ शिक्षता संविदा के नवीयन के लिए अधिनियम की धारा 5 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का पालन करेगा।

(1) अधिनियम की धारा 6 के खण्ड (क) के अन्तर्गत व्यवसाय शिक्षाओं से भिन्न शिक्षाओं की दशा में, प्रशिक्षण की अवधि के प्रथम छ. मास परीक्षाधीन अवधि के रूप में गमते जाएंगे।

(5) (क) इंजीनियरिंग स्नातकों, डिप्लोमाधारियों और वृत्तिक प्रमाणपत्र धारियों की दशा में शिक्षता-प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष की होगी।

(ख) सैण्डविच पाठ्यक्रम के छात्रों की दशा में, व्यावहारिक प्रशिक्षण की वह अवधि जिसे वे अपने पाठ्यक्रम के भाग रूप में व्यतीत करते हैं, शिक्षता प्रशिक्षण की अवधि होगी।

(ग) यदि स्नातक/तकनीकी/तकनीकी (वृत्तिक) शिक्षा, उस स्थापन में, जिसमें वह प्रशिक्षण ले रहा है, हड़ताल तालाबंदी से ऑफ के कारण शिक्षता प्रशिक्षण की अवधि पूरी करने में असफल रहता है और वह उस हड़ताल आदि के लिए जिम्मेदार नहीं है तो उसकी शिक्षता प्रशिक्षण की अवधि उसकी अवधि के लिए बढ़ा दी जाएगी जितनी अवधि तक ऐसी हड़ताल तालाबंदी से ऑफ जारी रहता है और वापसी पर ऐसी हड़ताल तालाबंदी से ऑफ की अवधि के दौरान या अधिकतम छ. मास की अवधि के लिए जो भी कम हो वृद्धि दी जाएगी।

(12) यदि हड़ताल या तालाबंदी या ले ऑफ की लम्बी अवधि तक चलने की संभावना हो तो नियोजक खण्ड (1) में निर्दिष्ट व्यवसाय शिक्षा की अन्य नियोजक के साथ शिक्षता संविदा के नवीयन के लिए अधिनियम की धारा 5 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का पालन करेगा।

3 शिक्षा के पर्यवेक्षण के लिए प्रतिकर—यदि शिक्षता, संविदा के नियन्त्रणों और शर्तों का पालन करने में नियोजक को असफलता के कारण पर्यवेक्षण कर दी जाती है तो नियोजक शिक्षा को उसके द्वारा ली गई अंतिम मोन मास की वृत्तिका के बराबर रकम का संदेय का दायो होगा और जब उस पर्यवेक्षण उद्देश्य रीति में किसी शिक्षा को असफलता के कारण होता है तब प्रशिक्षण लागू जो उसके द्वारा ली गयी है अंतिम तीस माह की वृत्तिका के बराबर रकम होगी उसे शिक्षा से या वह अवयस्क हो तो उसके मरक्षक से वसूली योग्य होगी।

9. उन व्यक्तियों को अर्हताएं जो शिक्षाओं के प्रशिक्षण के लिए भागमाधक बनाए जाते हैं :—

जिन व्यक्तियों को नियोजक शिक्षाओं के प्रशिक्षण के लिए भागमाधक बनाता है उसके पास इन नियमों की अनुसूची 4 में विनिर्दिष्ट अर्हताएं होंगी।

इस प्रकार नियुक्त किया गया व्यक्ति शिक्षता प्रशिक्षण के लिए अवस्थित स्थानों की संख्या और स्थापन के प्रकार के अनुसूच समुचित स्तर का होगा।

10 शिक्षा द्वारा किए गए कार्य का अभिलेख रखा जाना—प्रत्येक स्नातक या तकनीकी या तकनीकी (वृत्तिक) शिक्षा, शिक्षता-प्रशिक्षण के संबंध में उसके द्वारा किए गए काम का दैनिक अभिलेख, कर्मशाला या प्रयोगशाला नोट-बुक के रूप में रखेगा।

11 शिक्षाओं की वृत्तिकाओं का संशोधन—(1) व्यवसाय शिक्षाओं की संशोधन वृत्तिका की न्यूनतम दूरी निम्नलिखित रूप में होगी, अर्थात् :—

(क) प्रशिक्षण के पहले वर्ष के दौरान	290 रु. प्रतिमास
(ख) प्रशिक्षण के दूसरे वर्ष के दौरान	330 रु. प्रतिमास
(ग) प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के दौरान	380 रु. प्रतिमास
(घ) प्रशिक्षण के चौथे वर्ष के दौरान	440 रु. प्रतिमास

(2) परन्तु अधिनियम की धारा 6 के खण्ड (क) में निर्दिष्ट व्यवसाय शिक्षाओं की दशा में, प्रशिक्षण की उम्र अवधि को, जो अपने राष्ट्रीय परिषद् से सहायता प्राप्त किया विद्यालय या अन्य संस्था में प्रशिक्षण के लिए व्यतीत की है, संशोधन वृद्धि का कोई दर अवधारित करने के प्रयत्न के लिए विचार में लिया जाएगा।

(2) स्नातक या तकनीकी या तकनीकी (वृत्तिक) शिक्षाओं की संशोधन वृत्तिका की न्यूनतम दूरी निम्नलिखित होंगी, अर्थात् :—

(क) इंजीनियरिंग स्नातक	700 रु. प्रतिमास (संस्थागतोत्तर प्रशिक्षण के लिए)
(ख) डिग्री संस्थाओं से प्राप्त सैण्डविच पाठ्यक्रम विद्यार्थी	500 रु. प्रतिमास
(ग) डिप्लोमाधारियों	500 रु. प्रतिमास (संस्थागतोत्तर प्रशिक्षण के लिए)
(घ) डिप्लोमा संस्थाओं से प्राप्त सैण्डविच पाठ्यक्रम विद्यार्थी	400 रु. प्रतिमास
(ङ) वृत्तिक प्रमाणपत्र धारियों	380 रु. प्रतिमास

(3) किसी विशिष्ट मास की वृत्तिका का संशय आसानी से मान के दसमें दिन तक कर दिया जाएगा।

(4) उस अवधि की वृत्तिका में से कोई कटौती नहीं की जाएगी जिसके दौरान कोई शिक्षु आकस्मिक या चिकित्सीय छुट्टी पर रहा है। किन्तु उस अवधि के लिए वृत्तिका नहीं दी जाएगी जिसमें वह असाधारण छुट्टी पर रहना है।

(5) इस नियम में किसी बात के होने हुए भी, जहाँ किसी स्थापन में आस्थागत संशय की कोई ऐसी पद्धति है जिसके प्रसार वृत्तिका के किसी भाग का संशय प्रत्येक मास शिक्षु को दिया जाता है और प्रतिरोध राशि का संशय शिक्षण पूरा करने पर शिक्षु को दिया जाता है वहाँ ऐसे स्थापन ऐसी पद्धति को बनाए रखने के लिए स्वतंत्र है परन्तु यह सब जब शिक्षु को प्रत्येक मास दी जाने वाली रकम इन नियमों के अधीन बिहिन मासिक वृत्तिका से कम नहीं है और उसका संशय रकम में से किसी महीने कोई कटौती न की जाए। जिन स्थापनों में यह पद्धति नहीं है वे वैसी ही शर्तों पर ऐसी पद्धति अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं।

(6) किसी शिक्षु को वृत्तिका का संशय उगका काम और आचरण संतोषप्रद होने पर ही जारी रखा जाएगा।

(7) यदि शिक्षु का काम और आचरण संतोषप्रद नहीं है तो नियोजक उसकी रिपोर्ट शिक्षुता सलाहकार को करेगा और उसकी सन्मति से शिक्षु को वृत्तिका का संशय करना बन्द कर सकता है।

परन्तु किसी शिक्षु की वृत्तिका, उसे उसके लिए आधार मुश्किल किए बिना और प्रस्तावित कार्यवाई के विरुद्ध अप्रत्याशित करने का अवसर दिए बिना रद्द नहीं की जाएगी।

(8) उपनिधम (7) के अधीन नियोजक द्वारा रिपोर्ट किए जाने पर, शिक्षुता सलाहकार को करेगा रिपोर्ट की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर उसके संबंध में अपना निर्णय देगा और जहाँ शिक्षुता सलाहकार नियोजक को वृत्तिका का संशय बंद करने के बारे में सम्मति देने से इन्कार करने की संसूचना तीस दिन की अवधि के भीतर नहीं करना है तो यह समझा जाएगा कि उसने वृत्तिका रद्द करने के बारे में सम्मति दे दी है।

12. काम के घंटे (1) व्यावहारिक शिक्षण प्राप्त करने के दौरान किसी व्यवसाय शिक्ष के साप्ताहिक काम के घंटे निम्नलिखित होंगे, अर्थात्:—

(क) प्रति सप्ताह घंटे की कुल संख्या 42 से 48 घंटे (जिसमें संबंधित अनुदेशन पर व्यतीत किया गया समय भी सम्मिलित है) होगी:

(ख) बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षु सामान्यतः प्रति सप्ताह 42 घंटे, काम करेंगे जिनमें संबंधित अनुदेशन पर व्यतीत किया गया समय भी सम्मिलित है।

(ग) व्यवसाय शिक्ष, शिक्षता के दूसरे वर्ष के दौरान प्रति सप्ताह 42 से 45 घंटे तक काम करेंगे जिनमें संबंधित अनुदेशन पर व्यतीत किया गया समय भी सम्मिलित है।

(घ) व्यवसाय शिक्ष, शिक्षता प्रशिक्षण के तीसरे और पचाहवर्षी वर्षों के दौरान प्रति सप्ताह उतने घंटे काम करेंगे जितने घंटे काम करेंगे जितने घंटे उस स्थापन में, जिनमें शिक्षु शिक्षता प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा हो, उस व्यवसाय के कर्मचारी करते हैं।

(2) किसी व्यवसाय शिक्षु को, कार्यकाल 10 वर्षों के प्रायः काल 6 बजे के बीच, शिक्षुता सलाहकार के पूर्ण अनुमोदन के बिना, प्रशिक्षण नहीं दिया जाएगा। शिक्षुता सलाहकार अपना यह सुझाव हो जाने पर भी, कि अनुमोदन देना व्यवसाय शिक्षु के प्रशिक्षण के हित में या लोक हित में है, अपना पूर्ण अनुमोदन देगा।

(3) स्थापन के स्नातक तर्कनीति (गुणिक) शिक्षु उस विभाग के प्रभारमय कार्य—घंटों के अनुसार कार्य करेंगे, जिसमें उन्हें प्रशिक्षण के लिए लगाया जाता है।

13. शिक्षुओं को छुट्टी का दिया जाना—(1) उन स्थानों में जिनमें छुट्टी के उचित नियम हैं या उनके कर्मचारियों को अनुज्ञेय विभिन्न प्रकार की कुल छुट्टी एक वर्ष में वैसीय दिन से कम है, शिक्षु निम्नलिखित प्रकार की छुट्टी का, उनमें से प्रत्येक के अधीन विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुसार हकदार होगा।

(क) आकस्मिक छुट्टी—

(1) एक वर्ष में अधिकतम बारह दिन की आकस्मिक छुट्टी अनुज्ञेय होगी।

(2) आकस्मिक छुट्टी को अवधि के बीच में पड़ने वाले प्रत्येक दिन से बारह दिन की सीमा के प्रयोजन के लिए गिनती में नहीं लिया जायेगा।

(3) किसी वर्ष के दौरान उपरोक्त की गयी आकस्मिक छुट्टी वर्ष के अन्त में व्यय हो जाएगी।

(4) आकस्मिक छुट्टी चिकित्सीय छुट्टी के साथ नहीं जोड़ी जाएगी। यदि आकस्मिक छुट्टी पहले या बाद में चिकित्सीय छुट्टी ली जाती है तो सी गई संपूर्ण छुट्टी या तो चिकित्सीय छुट्टी या आकस्मिक छुट्टी समझी जाएगी परन्तु यह सब जब वह, यथास्थिति चिकित्सीय या आकस्मिक छुट्टी की बाधत अधिकतम अवधि से अधिक नहीं हो पाएगा।

(5) अत्यधिक आवश्यकता के मामले में छोड़कर ऐसी छुट्टी के लिए आवेदन सगुचित प्राधिकारी को दिया जाएगा और छुट्टी का उपयोग करने से पहले भूगुणी अभिप्राय की जाएगी।

(ख) चिकित्सीय छुट्टी:

(1) जो शिक्षु रोगजन के कारण कार्य पर लाजिर नहीं हो सकना उसे प्रशिक्षण के प्रत्येक वर्ष के लिए पन्द्रह दिन तक की चिकित्सीय छुट्टी दी जा सकती है। अनुपभुक्त छुट्टी अधिकतम अधिकतम चिकित्सीय दिन तक संशयित होनी चाहिए।

(2) चिकित्सीय छुट्टी की अवधि के बीच में पड़ने वाला कोई अवकाश दिन चिकित्सीय छुट्टी का दिन समझा जाएगा और ऊपर उक्त (1) के अधीन विहित सीमाओं तक हिसान में लिया जाएगा।

(iii) नियोजक शिष्ट से उनकी चिकित्सीय छुट्टी के समय में किन्हीं रजिस्ट्रिड शैक्षिक व्यावसायिक चिकित्सीय प्रमाणपत्र पेश करने की अपेक्षा पर एकत्रित शिष्ट छुट्टी से अधिक छुट्टी होत पर चिकित्सीय प्रमाणपत्र आवश्यक होता।

(iv) यदि नियोजक के पास यह विश्वास करने का कारण है कि शिष्ट वास्तव में रुग्ण नहीं है या रुग्णता इस प्रकार की नहीं है कि वह हाजिर होने से प्रभावित हो गया है तो नियोजक किसी शिष्ट को विशेष चिकित्सीय जांच कराने के लिए स्वतंत्र है।

(ग) अनुपस्थिति छुट्टी :- (1) यदि शिष्ट अपनी समस्त आकस्मिक और चिकित्सीय छुट्टी में चुका है तो उसे एक वर्ष में अधिक से अधिक दस दिन की या उससे अधिक की अनुपस्थिति छुट्टी दी जा सकती है किन्तु यह तब जब नियोजक को उन आधारों की, जिन पर छुट्टी के लिए भावेदन किया गया है, गत्यता के बारे में समाधान हो जाए।

(2) उन स्थानों में, जिनमें कर्मचारियों के लिए उचित छुट्टी नियम हैं, शिष्टों को उन नियमों के अनुसार नियोजक द्वारा छुट्टी दी जाए।

परन्तु व्यवसाय शिष्टों की दशा में ऐसी छुट्टी निम्नलिखित शर्तों पर दी जाएगी, अर्थात् :-

(क) सप्ताह में पांच दिन (प्रति सप्ताह कुल 45 घंटे) काम करने वाले स्थान में रखा गया प्रत्येक शिष्ट एक वर्ष में कम से कम 200 दिन हाजिर रहेगा, जिनमें से एक बड़ा छुट्टी अवधि 13 दिन संबंधित अंतर्देशन पर और 167 दिन व्यावसायिक प्रशिक्षण पर लगाए जाएंगे।

(ख) साढ़े पांच दिन या छह दिन काम करने वाले किसी स्थान में रखा गया प्रत्येक शिष्ट 3 एक वर्ष में कम से कम 240 दिन हाजिर रहेगा जिनमें से 40 दिन संबंधित अनुदेशन पर और 200 दिन व्यावसायिक प्रशिक्षण पर लगाए जाएंगे।

(ग) जो शिष्ट खंड (क) या खंड (ख) में निर्दिष्ट अवधि का प्रशिक्षण प्राप्त करने में असमर्थ है, उसे ऐसी कर्मा पूरी करने के लिए अगले वर्ष में अथवा दिया जाएगा और वह राष्ट्रीय परिषद् द्वारा संचालित परीक्षण देने का—

(1) यदि वह खंड (क) में निर्दिष्ट किसी स्थापन में रखा जाता है तो, केवल उन दशा में पास होगा जब उसने प्रशिक्षण की अवधि पूरी कर ली है और वह प्रशिक्षण की तीन या चार वर्ष की अवधि के अनुसार, कम से कम 600 दिन या 800 दिन हाजिर रह चुका है।

(2) यदि वह खंड (ख) में निर्दिष्ट किसी स्थापन में रखा जाता है तो, केवल उन दशा में पास होगा जब उसने प्रशिक्षण की अवधि पूरी कर ली है और वह प्रशिक्षण की तीन या चार वर्ष की अवधि के अनुसार, कम से कम 720 दिन या 960 दिन हाजिर रह चुका है।

(3) यदि प्रशिक्षण अवधि के दौरान कोई व्यवसाय शिष्ट, उपनियम (2) के परन्तुक के खंड (ग) में निर्दिष्ट न्यूनतम हाजिरी ऐसी परिस्थितियों के कारण जो उनके नियंत्रण के बाहर हैं, पूरा करने में असमर्थ है और नियोजक का हाजिरी में कर्मा के आधारों के बारे में समाधान हो जाता है और वह यह प्रमाणित करता है कि शिष्ट ने पूर्ण शिष्टता पाठ्यक्रम अवस्था पूरा कर लिया है तो उनके बारे में यह समझा जाएगा कि उनके प्रशिक्षण की संपूर्ण अवधि पूरी कर ली है और वह राष्ट्रीय परिषद् द्वारा संचालित परीक्षण देने का पास होगा।

(4) यदि कोई व्यवसाय शिष्ट, उपनियम (2) के परन्तुक खंड (ग) में निर्दिष्ट न्यूनतम हाजिरी प्रशिक्षण अवधि के दौरान पूरी करने में असमर्थ है और उसने पूर्ण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा नहीं किया है तो उनके बारे में यह समझा जाएगा कि उनके प्रशिक्षण की संपूर्ण अवधि पूरी कर ली है और नियोजक उनके प्रशिक्षण की अवधि तब तक के लिए बड़ा देगा जब तक कि वह संपूर्ण शिष्टता पाठ्यक्रम पूरा नहीं कर लेता और दूसरा परीक्षण कर नहीं दिया जाता।

1. अभिलेख और विवरणियां :- (1) अधिनियम की धारा 2 के खंड (घ) अ के उपखंड (1) की मद (ख) और (ग) में निर्दिष्ट स्थापन अपनी विवरणियां इसमें इसके पश्चात् उपर्युक्त रूप में अपने-अपने प्रादेशिक निदेशक को प्रस्तुत करेंगे।

(2) अधिनियम की धारा 2 के खंड (घ) के उपखंड (2) की मद (ख) में निर्दिष्ट स्थापन अपनी विवरणियां इसमें इसके पश्चात् उपर्युक्त रूप में अपने-अपने राज्य शिष्टता सलाहकार को प्रस्तुत करेंगे।

(3) किन्हीं स्थान में व्यवसाय शिष्ट के शामिल होने का तारीख से सात दिन के भीतर नियोजक, अनुसूची 3 में प्ररूप शिष्टता 4 से दो प्रतिष्ठों में विवरणियां तैयार करेगा और विवरणों की एक प्रति, यथास्थिति, प्रादेशिक निदेशक या राज्य शिष्टता सलाहकार को और दूसरा उस संस्था के प्रधानाचार्य या अध्यक्ष को जहां बुनियादी प्रशिक्षण या संबंधित अनुदेशन, दिए जाएंगे पेश करेगा।

(4) जैसे ही कोई व्यवसाय शिष्ट स्थापन में कार्यप्रवृत्त करता है, नियोजक अनुसूची 3 में प्ररूप शिष्टता-1 में दो प्रतिष्ठों में एक डबेक (लिफ्ट) तैयार करेगा और उस कार्डों में एक कार्ड यथास्थिति प्रादेशिक निदेशक या राज्य शिष्टता सलाहकार को, शिष्टता विविध के रजिस्ट्रार के कार्यालय से वसूक्त दिन की अवधि के भीतर पेश करेगा और दूसरा कार्ड अपने पास रखेगा।

(5) (क) प्रत्येक नियोजक बुनियादी प्रशिक्षण या व्यावहारिक प्रशिक्षण और संबंधित अनुदेशन का अभिलेख अनुसूची 3 के प्ररूप शिष्टता-1 क में रखेगा। बुनियादी प्रशिक्षण या व्यावहारिक प्रशिक्षण के बारे में जानकारी, केन्द्रीय शिष्टता परिषद् द्वारा अनुमोदित पाठ्यविवरण पर और यथावधान अवधि के दौरान व्यवसाय शिष्ट द्वारा वसूक्त की गई गतिविधियों पर, आधारित होगी। प्रत्येक नियोजक इस रिपोर्ट की एक प्रति, यथास्थिति, प्रादेशिक निदेशक या राज्य शिष्टता सलाहकार को, प्रत्येक वर्ष के अन्त में भेजेगा और उन रिपोर्ट प्ररूप शिष्टता-1 के भीतर रखी जाएगी।

(ख) यदि व्यवसाय शिष्टों की बुनियादी प्रशिक्षण संभार द्वारा स्थापित किसी संस्था में दिया जाता है तो ऐसे प्रशिक्षण की अवधि के दौरान के रिपोर्ट, जिनमें अर्पित जानकारी दी जाती है, प्ररूप शिष्टता-1 क में दो प्रतिष्ठों में संपूर्ण संस्था के अध्यक्ष द्वारा स्थापन की दी जाएगी।

(ग) व्यवसाय विज्ञान, कर्मशास्त्र, संगणना और विज्ञान इंजीनियरिंग, रेखाचित्र और सामाजिक ज्ञान में संबंधित व्योरे, उन अर्धवार्षिक रिपोर्ट के आधार पर, जो संबंधित प्रादेशिक देने वाले अधिकारियों द्वारा प्ररूप शिष्टता-1 (अनुसूचक) में दी जाती है, स्थापन द्वारा अनुसूची 3 के प्ररूप शिष्टता-1 क में कायित्व दर्ज किष्ट जाएंगे।

(6) प्रत्येक अर्धवर्ष के अन्त में हर एक स्थापन, स्थापन में प्रशिक्षण पाये वाले व्यवसाय शिक्षु की बाबत एक रिपोर्ट, यथास्थिति, प्रादेशिक निदेशक या राज्य शिक्षता सलाहकार को नीचे मारणी के अनुसार अनुसूची 3 के प्रथम शिक्षता 2 में सलाहकार पेश करेगा जिसके साथ ही अनुसूची 3 के प्रथम शिक्षता-1 के में सुसंगत अर्धवार्षिक रिपोर्ट भी पेश की जाएगी।

मारणी

निम्नलिखित मास को समाप्त होने वाली अवधि के लिए रिपोर्ट

तारीख जिस तक रिपोर्ट भेजी जाए।

मार्च	15 अप्रैल
सितम्बर	15 अक्टूबर

(क) प्रत्येक नियोजक नम्बर और मई के दौरान, यथास्थिति, प्रादेशिक निदेशक या राज्य शिक्षता सलाहकार को ऐसे व्यवसाय शिक्षुओं के बारे में जो मार्च या सितम्बर में पाये जाने वाले व्यवसाय परीक्षण में बैठने के लिए पात्रता की शर्तों को पूरा करते हैं, विनिश्चित भेजेगा और हम प्रकार भेजी जाने वाली विनिश्चित अनुसूची 3 के प्रथम शिक्षता 3 में होगी।

(ख) ऐसे व्यवसाय शिक्षुओं की पात्रता की जांच कर लेने के पश्चात् यथास्थिति, प्रादेशिक निदेशक या राज्य शिक्षता सलाहकार, व्यवसाय परीक्षण के कार्यक्रम की और व्यवसाय परीक्षण केंद्र के नाम की जानकारी नियोजक को देगा।

(ग) खंड (ख) के अधीन जानकारी प्राप्त करने के पश्चात् नियोजक, व्यवसाय शिक्षुओं की पात्रता की प्रगति रिपोर्ट अनुसूची 3 के प्रथम शिक्षता-1 और शिक्षता 1 के, व्यवसाय परीक्षण अधिकारी को, व्यवसाय परीक्षण प्रारंभ होने से कम से कम चार दिन पूर्व अंतिम रूप में भेजेगा।

(8) प्रत्येक नियोजक अपने स्थापन में शिक्षता प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे व्यवसाय शिक्षुओं का त्रिमासिक रजिस्टर रखेगा और उनकी अनियमित तथा अग्रिम-हस्त अनुपस्थिति के लिए की गई कार्यवाई, उक्त रजिस्टर में प्रत्येक मास के अन्त में अभिलिखित करेगा।

(9) जब कोई स्नातक या तकनीकी शिक्षु किसी स्थापन में कार्यग्रहण करता है तब नियोजक उसके पूरे व्यक्तिगत व्योरे सहित अनुसूची 3 में दिए प्रथम शिक्षता-5 में एक इडेंट कार्ड, दो प्रतियां में तैयार करेगा और एक कार्ड अपने पास रख लेगा तथा एक-एक कार्ड शिक्षु को रखे जाने की तारीख के उस दिन के भीतर निम्नलिखित प्रत्येक प्राधिकारियों को भेज देगा, अर्थात् :-

- (i) केन्द्रीय शिक्षता सलाहकार ;
- (ii) सम्पुक्त प्रादेशिक शिक्षता शिक्षण बोर्ड का निदेशक ,
- (iii) सैण्डविच पाठ्यक्रम के विद्यार्थी की दसा में, सम्पुक्त तकनीकी संस्था।

(10) प्रत्येक नियोजक अपने स्थापन में रखे गए स्नातक तकनीकी, तकनीकी (वृत्तिक) शिक्षुओं के कार्य और उनके द्वारा किए गए अध्ययन की बाबत एक निमाही अभिलेख रखेगा और ऐसी प्रत्येक निमाही के अंत में, वह अनुसूची 3 में दिए गए प्रथम शिक्षता 6 में एक निमाही सम्पुक्त प्रादेशिक शिक्षता प्रशिक्षण बोर्ड के निदेशक को भेजेगा।

अनुसूची 1 [नियम 3(2) देखिए]

क्रम सं. अभिलिखित व्यवसाय

न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं

1	2	अनिवार्य	आंशिक
		3	4
1. फिटर	मेट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण	—	
2. खराबो	मेट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	—	
3. मशीन मिस्त्री	मेट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	—	
4. मशीन मिस्त्री	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित के साथ मेट्रिकुलेशन या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।	—	
5. पैटर्न मेकर	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण	—	
6. साचागर	आठवीं कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण	—	
7. फार्जर और हाई ड्राइटर	मेट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	—	
8. वायर धातु कर्मकार	मेट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण	—	

1	2	3	4
9. वैनडर (गैम व बिजली)	आठवीं कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण	---	
10. मोटर यात बाड़ी निर्माता	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
11. बिजली मिस्त्री	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो ।	---	
12. लाइनमैन	आठवीं कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण	---	
13. वायरमैन	आठवीं कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण	---	
14. आर्टी बिजली मिस्त्री	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत विज्ञान के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
15. बिजली मिस्त्री	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों ।	---	
16. बलयक (आर्मेचर)	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
17. केबल योजक	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण ।		मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत विज्ञान विषयों के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण ।
18. बिजली मिस्त्री (खान)	मैट्रिकुलेशन जिसमें भौतिकी और रसायन विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो या इसके समतुल्य या दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो ।	---	
19. बिजली लेपक	विज्ञान विषयों के साथ एस.एस.एल.सी. या 10+2 पद्धति के अंतर्गत 10वीं कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
20. बकई	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।		विज्ञान (भौतिकी और रसायन) के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो ।
21. नलमाज	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।		विज्ञान (भौतिकी और रसायन) के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो ।
22. राज (हमारत निर्माता)	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।	---	
23. फर्नीचर और कैबिनेट मेकर	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।		विज्ञान (भौतिकी और रसायन) के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो ।
24. खेवकूद सामान निर्माता (काष्ठ)	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।	---	
25. मिथ गट्ट अनुरक्षण मैकेनिक	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों ।	---	
26. मैकेनिक अनुरक्षण (टैक्सटाइल मशीनरी)	मैट्रिकुलेशन जिसमें विज्ञान (भौतिकी और रसायन) एक विषय के रूप में रहा हो या इसके समतुल्य या दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो ।	---	
27. मैकेनिक अनुरक्षण (रामानियक संबंध)	मैट्रिकुलेशन जिसमें विज्ञान (भौतिकी और रसायन) एक विषय के रूप में रहा हो या इसके समतुल्य या 10+2 के अंतर्गत विज्ञान के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
28. डैरी अनुरक्षण मैकेनिक	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों ।	---	

1	2	3	4
29. सिमलाई मशीन मैकेनिक	घाटबी कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।	---	
30. खनन मशीनरी मैकेनिक	मैट्रिकुलेशन जिसमें विज्ञान (भौतिकी और रसायन) एक विषय के रूप में रखा हो या इसके समतुल्य या इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रखा हो ।	---	
31. हल और सॉई मेकर	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
32. प्लास्टिक मोल्ड मेकर	विज्ञान और गणित विषयों के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण ।	विज्ञान और गणित के साथ विश्वविद्यालय पूर्व पाठ्यक्रम या 10+2 पद्धति के अंतर्गत उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।	
33. उपकरण मैकेनिक	विज्ञान (भौतिकी और रसायन के साथ) मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
34. मैकेनिक उपकरण बाध्यमान	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों ।	---	
35. घड़ी माल	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
36. प्रशीतन और वातायुक्रम मैकेनिक	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों ।	---	
37. मैकेनिक (मोटरवाहन)	घाटबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रखा हो ।	
38. मैकेनिक (डीजल)	घाटबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण ।	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रखा हो ।	
39. मैकेनिक (ट्रेक्टर)	घाटबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण ।	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रखा हो ।	
40. मैकेनिक (मिट्टी हटाने वाली मशीनरी)	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
44. मैकेनिक (सामुद्रिक डीजल इंजन)	घाटबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण ।	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण	
42. ड्राइवर एवं फिटर	घाटबी कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण । चिकित्सक दृष्टया योग्यता : परिवहन अनुज्ञापत्र प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट चिकित्सक दृष्टा योग्यता अंशपूर्ण पूरी करनी होगी ।	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण ।	
43. नवशानवीस (सिविल)	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित एक विषय के रूप में रहे हों ।	---	
44. नवशानवीस (मैकेनिकल)	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित एक विषय के रूप में रहे हों ।	---	
45. सर्वेक्षक	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित एक विषय के रूप में रहे हों ।	---	
46. फिटर, संरचना	विज्ञान और गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत इसकी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय रहे हों ।	---	

1	2	3	4
47	बायलर परिचर	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित विषयों के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।	--
48	भाषाटैक्निक सह-सहायक संयोजक प्रचारक	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित विषयों के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।	--
49	स्विच बोर्ड परीक्षक	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित विषयों के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।	---
50	हैंड कंपोजिटर	अंग्रेजी और किसी प्रादेशिक भाषा में प्रवीणता के साथ मैट्रिकुलेशन या समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
51	लिथो प्रचारक	अंग्रेजी और किसी प्रादेशिक भाषा में प्रवीणता के साथ मैट्रिकुलेशन या समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
52	मोनो कुंजी-बोर्ड प्रचारक	अंग्रेजी और किसी प्रादेशिक भाषा में प्रवीणता के साथ मैट्रिकुलेशन या समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
53	मोनो कास्टर प्रचारक	अंग्रेजी और किसी प्रादेशिक भाषा में प्रवीणता के साथ मैट्रिकुलेशन या समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
54	अक्षर मुद्रण मशीन माहिर	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
55	प्रोसेस कैमरा मैन	भौतिकी और रसायन के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
56	रिटर लिथो-ग्राफिक	भौतिकी और रसायन के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
57	उत्कीर्णक	भौतिकी और रसायन के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
58	जिल्दसाज	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण।	
59	फ्लैट मेकर (लिथोग्राफिक)	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें भौतिकी और रसायन विषय के रूप में रहे हों।	---
60	लिथो ग्राफसेट मशीन माहिर	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें भौतिकी और रसायन विषय के रूप में रहे हों।	---
61	रमोईया (माधारण)	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
62	रमोईया (शाकाहारी)	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
63	स्टीबाई	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
64	बेकर और कन्वेंशनल	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
65	गृहपाल	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
66	होटल लिपिक या स्वागतकर्ता या प्रबंध कार्यालय सहायक	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	---
67	बुसकर	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण।	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।
68	डाफर सह पीसर	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण।	---
69	टैटर (ड्राइंग) स्पीड फ्लाई/प्रेम	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण।	---
70	वाइंडर (टेक्सटाइल)	आठवीं कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण।	---
71	बुनने वाला (होजरी)	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।

1	2	3	4
72. मुद्रण टेक्सटाइल	घाठबी कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों ।	
73. क्रीम ज्वाय सह बार्बर	घाठबी कक्षा उत्तीर्ण या उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।	---	
74. बैंक मार्किट सह फेंट साईजर	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
75. सीरबार (कोयला खान)	मैट्रिकुलेशन जिसमें विज्ञान (भौतिकी और रसायन शास्त्र) एक विषय के रूप में रहा हो या वसबी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो ।	---	
76. विस्फोटक/उत्सफोटक (खान)	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत वसबी कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
77. रिगर (इंजीनियरी) और रसायनिक उद्योग	घाठबी कक्षा परीक्षा या उसके समतुल्य उत्तीर्ण ।	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा उत्तीर्ण ।	
78. मैट (खान)	मैट्रिकुलेशन जिसमें विज्ञान (भौतिकी और रसायन) एक विषय रहा हो या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय रहा हो ।	---	
79. परिवार प्रचालक (रसायनिक संयंत्र)	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित विषयों के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत विज्ञान और गणित के साथ वसबी कक्षा उत्तीर्ण या बी. एस. सी. उत्तीर्ण जिसमें भौतिकी, रसायन और गणित विषय के रूप में रहे हों ।	---	
80. उपकरण मैकेनिक (रसायनिक संयंत्र)	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित विषयों के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत विज्ञान और गणित के साथ वसबी कक्षा उत्तीर्ण या बी. एस. सी. उत्तीर्ण जिसमें भौतिकी, रसायन और गणित विषय के रूप में रहे हों ।	---	
81. प्रयोगशाला सहायक (रसायनिक संयंत्र)	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित विषयों के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत विज्ञान और गणित के साथ वसबी कक्षा उत्तीर्ण या बी. एस. सी. उत्तीर्ण जिसमें भौतिकी, रसायन और गणित विषय के रूप में रहे हों ।	---	
82. डिजाइनर और मास्टर कटर	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
83. दर्जी (पुरुष)	घाठबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण ।	---	
84. दर्जी (स्त्री)	घाठबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण ।	---	
85. दर्जी (साम्राज्य)	घाठबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण ।	---	
86. मैकेनिक (कृषि मशीनरी)	घाठबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण ।	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा उत्तीर्ण ।	
87. बागबानी सहायक	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
88. पशुपाल (डैरी)	विज्ञान विषय के साथ 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा या समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण ।	---	
89. परिवार प्रचालक (डैरी)	विज्ञान और गणित विषय के साथ 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा या समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण ।	---	
90. पम्प मैकेनिक	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अन्तर्गत वसबी कक्षा उत्तीर्ण ।	---	
91. खेलकूद सामान निर्माता (चमड़ा)	घाठबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण ।	---	
92. चमड़ा सामान निर्माता	घाठबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण ।	---	
93. पाबुका निर्माता	घाठबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण ।	---	
94. परिष्कृत चमड़ा निर्माता	घाठबी कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा में उत्तीर्ण ।	---	

1	2	3	4
95. नमूना उद्योग के लिए प्रनुरक्षण मैकेनिक	मैट्रिकुलेशन उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान (भौतिकी और रसायन) विषय के रूप में रहे हों या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय रहे हों।		
96. पोतकार (इस्पात)	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।	
97. पार्श्व फ़िटर	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) और गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।		
98. रिगर	घाटवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण	घाटवीं कक्षा, जिसमें विज्ञान (भौतिकी तथा रसायन) और गणित विषय के रूप में रहे हों या इसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण।	
99. गैस कटर	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) और गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।	
100. पोतकार (काष्ठ)	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) और गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।	
101. नौका निर्माता	घाटवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
102. मैकेनिक रेडियो और राडार वायुयान	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) और गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।		
103. मैकेनिक इलेक्ट्रॉनिक	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत विज्ञान और गणित के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।		
104. मैकेनिक टेलीविजन (बीडिया)	10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा जिसमें विज्ञान (भौतिकी और रसायन) तथा गणित विषय के रूप में रहे हों, उत्तीर्ण या समतुल्य।		
105. फोटोग्राफर	मैट्रिकुलेशन जिसमें विज्ञान (भौतिकी और रसायन) एक विषय के रूप में रहा हो उत्तीर्ण या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण, जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो।		
106. मिलराइट (रोलिंग मिल्स)	घाटवीं कक्षा परीक्षा या इससे समतुल्य उत्तीर्ण।		
107. ब्रिक लेयर (रिफ्रेक्ट्री)	घाटवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
108. भट्टी प्रचालक (इस्पात उद्योग)	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) और गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।		
109. इस्पात मैस्टिंग हंड	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत भौतिकी और रसायन और गणित विषयों के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।		
110. मिल हंड	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत भौतिकी और रसायन और गणित विषयों के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।		
111. फेन प्रचालक (ओवरहैंड) (इस्पात उद्योग)	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) और गणित के साथ मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान और गणित विषय के रूप में रहे हों।		
112. बारादी (इस्पात उद्योग)	घाटवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।	
113. गुगार व्यवसायी	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें जीव विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो।	जीव विज्ञान के साथ हायर सैकेंडरी या बिजनमिडालम पूर्ण पाठ्यक्रम या 10+2 पद्धति के अंतर्गत +2 उत्तीर्ण।	

1	2	3	4
114. केश प्रसाधक	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें जीव विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो।	जीव विज्ञान के साथ हायर सेकेंडरी या विश्वविद्यालय पूर्व पाठ्यक्रम या 10+2 पद्धति के अंतर्गत +2 उत्तीर्ण।	
115. स्वास्थ्य और तनुकरण सहायक	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें जीव विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो।	जीव विज्ञान के साथ हायर सेकेंडरी या विश्वविद्यालय पूर्व पाठ्यक्रम या 10+2 पद्धति के अंतर्गत +2 उत्तीर्ण।	
116. मृत्तिका सांवागर	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
117. मृत्तिका उलाईकार	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
118. मृत्तिका भट्टी प्रचालक	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
119. सिरेमिक प्रेस ऑपरेटर	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
120. मृत्तिका प्रतिमाकार	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
121. मृत्तिका सज्जाकार	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
122. मृत्तिका (बले) खिलसना निर्माता	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
123. सांवागर (निर्माता)	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
124. इनेमेल ग्लेजर	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
125. इंसुलेटर मेकर/मशीन प्रचालक (मृत्तिका)	मैट्रिकुलेशन जिसमें विज्ञान (भौतिकी और रसायन) एक विषय के रूप में रहा हो, या इसके समतुल्य या 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण जिसमें विज्ञान एक विषय के रूप में रहा हो।		
126. पश्मा कर्मकार	मैट्रिकुलेशन या इसके समतुल्य 10+2 पद्धति के अंतर्गत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण		
127. पेंटर (साधारण)	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।		
128. पेंटर (सामुग्रिक)	आठवीं कक्षा परीक्षा या इसके समतुल्य उत्तीर्ण।	विज्ञान (भौतिकी और रसायन) और गणित के साथ आठवीं कक्षा उत्तीर्ण या इसके समतुल्य।	

घनसूची (क)

[नियम 3 (2) देखिए]

शिक्षा - प्रवर्ग	न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं
1. स्नातक - शिक्षा	(क) किसी कानूनी विश्वविद्यालय द्वारा इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में दी गई डिग्री। (ख) किसी ऐसी संस्था से इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में किसी को संभव के किसी अधिनियम ऐमो डिग्रि य लेने के लिए सशक्त की गई है। (ग) वृत्तिक निकायों को स्नातक परीक्षा जिसे केन्द्रीय सरकार से डिग्री के समतुल्य मान्यताप्राप्त है। (घ) सैण्डविच पाठ्यक्रम का ऐसा विद्यार्थी जो ऊपर (क) और (ख) में वर्णित इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में डिग्रियां लेने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।
2. तकनीकी शिक्षा	(क) किसी राज्य सरकार द्वारा स्थापित राज्य तकनीकी शिक्षा परिषद या बोर्ड से इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में डिग्री। (ख) किसी विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा। (ग) किसी संस्था से इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा, जिसे राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार से, ऊपर (क) और (ख) के समतुल्य मान्यता प्राप्त है। (घ) सैण्डविच पाठ्यक्रम का ऐसा विद्यार्थी जो ऊपर (क), (ख) या (ग) में वर्णित डिप्लोमा लेने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।
3. तकनीकी वृत्तिक शिक्षा	(क) स्कूली शिक्षा का माध्यमिक स्तर पूरा करने के पश्चात् अखिल भारतीय प्रौद्योगिकी शिक्षा परिषद, द्वारा मान्यताप्राप्त कोई वृत्तिक पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र, जिसमें दो वर्ष का अध्ययन प्रभावित है। (ख) सैण्डविच पाठ्यक्रम का ऐसा विद्यार्थी जो ऊपर (क) में वर्णित प्रमाणपत्र लेने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

अनुसूची 2

(नियम 4 देखिए)

प्रशिक्षण के लिए शारीरिक योग्यता के स्तरमान :— (1) किसी अभ्यर्थी में कोई सांसिक या संक्रमण रोग के लक्षण नहीं होने चाहिए। वह किसी ऐसे रोग से पीड़ित न हो जो सेवा के कारण बढ़ सकता हो या उसे सेवा के प्रयोग बना सकता हो या सार्वजनिक स्वास्थ्य को संकटापन्न कर सकता हो। उसमें यक्ष्मा के सक्रिय या उममे निरोग हो जाने के लक्षण नहीं होने चाहिए।

(2) ऊँचाई, भार और सीना :— अभ्यर्थी को निम्नलिखित न्यूनतम स्तरमान पूरे करने चाहिए, अर्थात् :— ऊँचाई 137 सेंटीमीटर, भार 25.4 किलोग्राम, सीने का फैलाव कम से कम 3-8 सेंटीमीटर होना चाहिए भये ही उसका आकार कुछ भी हो।

परन्तु जहाँ कोई अभ्यर्थी उक्त न्यूनतम स्तरमानों की पूर्ति नहीं करता है किन्तु यदि उसके बारे में सहायक सर्जन (राजपत्रित) से प्रतिमन् पंक्ति के चिकित्सा अधिकारी द्वारा लिखित रूप में यह प्रमाणित किया जाता है कि वह शिशु अधिनियम, 1961 के अधीन किसी विशिष्ट व्यवसाय के लिए शिशु के रूप में रखे जाने के लिए शारीरिक दृष्टि से योग्य है, तो वह उस व्यवसाय में शिशु के रूप में रखा जा सकता है।

(3) नेत्र :— किसी भी नेत्र में या किसी भी नेत्र के फलक में किसी प्रकार के विकार के ऐसे लक्षण नहीं होने चाहिए जिनके बढ़ जाने या उसके पुनः होने का खतरा हो।

दृष्टि का स्तरमान

(क) दृष्टि तीक्ष्णता :— सभी व्यवसायों के लिए दृष्टि तीक्ष्णता का न्यूनतम स्तर इस प्रकार होगा, अर्थात् बिना चश्मे के प्रत्येक नेत्र में तीक्ष्णता का स्तरमान 6/8 या एक नेत्र में 6/12 और दूसरे नेत्र में 6/24 या जहाँ सहित दोनों नेत्रों में 6/9। जिन अभ्यर्थियों के एक ही नेत्र में दृष्टि है वे नामंजूर कर दिए जाएंगे।

(ख) रंग दृष्टि :— अपेक्षित नहीं।

(4) कान :— दोनों कानों में श्रवण शक्ति अच्छी अवश्य होनी चाहिए और उनमें सपूय गंग के कोई लक्षण नहीं होने चाहिए। मुसने के लिए कोई उपकरण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(5) त्वचा :— गंभीर या दीर्घकालिक त्वचा रोग या दीर्घकालिक कोई लक्षण नहीं होने चाहिए।

(6) वाकशक्ति :— वाकशक्ति में रुकावट का न होना अच्छा है।

(7) पोषक तंत्र :—

1. खाने के लिए अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में प्राकृतिक दान (स्वस्थ हालत में) होने चाहिए।
2. तिल्ली स्पर्श करने से बढ़ी हुई माधुम नहीं होनी चाहिए और तिल्ली क्षेत्र स्पर्शमह्य नहीं होना चाहिए।
3. यकृत स्पर्श या स्पर्शमह्य नहीं होना चाहिए।
4. मखी पुर्सिता नहीं होना चाहिए।
5. मूल संक्रामक नहीं होना चाहिए।
6. अभ्यर्थी, अर्शा, बिदर और भंगवर हार्निया या व्युबोनेसील या इस्त्रियोरेकरल एक्सेस या हाइड्रोसील से पीड़ित नहीं होना चाहिए।

(8) हृद्वाहिका तंत्र :—

1. रक्त दाब 85 हायस्टोलिक और 140 सिस्टोलिक से अधिक नहीं होना चाहिए।
2. निम्न रक्तदाब (अर्थात् 100 सिस्टोलिक से नीचे वाले अभ्यर्थी को नामंजूर कर दिया जाना चाहिए)।
3. हृद्वाहिका रोग के कोई लक्षण नहीं होने चाहिए।

(9) श्वसन तंत्र :—

(1) अभ्यर्थियों में श्वसन तंत्र का कोई रोग नहीं होना चाहिए। सीने में कोई ऐसी विकृति नहीं होनी चाहिए जिससे सांस लेने में रुकावट पड़ती हो।

(10) जनन मूल तंत्र :— जनन मूल तंत्र रोग या अप्रमामाव्यता का कोई लक्षण नहीं होना चाहिए।

(11) कंकाल तंत्र :—

(1) सभी अंगों के कृष्य सामान्य सीमाओं के अन्तर्गत होने चाहिए।

(2) मूँदवण्ड या शाखाओं में गंभीर विकृति के कोई लक्षण नहीं होने चाहिए।

(12) तंत्रिका तंत्र :— तंत्रिका तंत्र रोग या मानसिक रोग के कोई लक्षण नहीं होने चाहिए।

(13) ग्रंथि तंत्र :— यक्ष्मा या ग्रंथि तंत्र, जिसके अंतर्गत अन्तः मायी ग्रंथि भी है, से संबंधित ग्रंथि रोग के लक्षण नहीं होने चाहिए।

अनुसूची 2 क
(नियम 5 देखिए)

क्र.सं. राज्य का नाम	शिक्षणों की कुल संख्या में अनुसूचित जातियों के शिक्षणों का अनुपात	शिक्षणों की कुल संख्या अनुसूचित जनजातियों के शिक्षणों का अनुपात	
1	2	3	4
1. आन्ध्र प्रदेश	1 : 8		1 : 20
2. असम	1 : 17		1 : 9
3. बिहार	1 : 7		1 : 11
4. गुजरात	1 : 14		1 : 7
5. हरियाणा	1 : 5		1 : 20
6. हिमाचल प्रदेश	1 : 5		1 : 20
7. जम्मू-कश्मीर	1 : 12		1 : 20
8. कर्नाटक	1 : 8		1 : 20
9. केरल	1 : 11		1 : 20
10. मध्य प्रदेश	1 : 8		1 : 5
11. महाराष्ट्र	1 : 17		1 : 17
12. मणिपुर	1 : 50		1 : 3
13. मेघालय	1 : 100		1 : 2
14. नागालैण्ड	—		1 : 2
15. उड़ीसा	1 : 17		1 : 4
16. पंजाब	1 : 4		1 : 20
17. राजस्थान	1 : 6		1 : 8
18. तमिलनाडु	1 : 6		1 : 20
19. उत्तर प्रदेश	1 : 5		1 : 20
20. त्रिपुरा	1 : 8		1 : 8
21. पश्चिमी बंगाल	1 : 5		1 : 17
22. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	—		1 : 6
23. अरुणाचल प्रदेश	—		1 : 2
24. चण्डीगढ़	1 : 8		1 : 20
25. दादर और नागर हवेली	1 : 50		1 : 20
26. दिल्ली	1 : 6		1 : 13
27. गोवा, दमन और दीव	1 : 50		1 : 20
28. लक्षद्वीप	—		1 : 8
29. मिजोरम	—		1 : 2
30. पांडिचेरी	1 : 6		1 : 20

अनुसूची 3
(नियम 14 देखिए)

प्राकृप शिक्षता-1
(अथ भाग)

व्यक्तिगत ब्योरे

लिकाफा आकार 23 से.मी. × 15 से.मी.

स्थापना का नाम और पता	शिक्षण-संविदा के निष्पादन का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक और तारीख	अभिहित व्यवसाय	जन्म की तारीख व वर्ष	क्या अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति का सदस्य है	शिक्षण पास फोटो के आकार का फोटो
संविदा के अनुसार प्रशिक्षण की अवधि	प्रशिक्षण प्रारंभ होने की तारीख	प्रशिक्षण पूरा होने की तारीख	यदि प्रशिक्षण अवधि पढ़ाई गई है तो उसके पूरा होने की तारीख		

शिक्षक का नाम और पता	विना/संरक्षक का नाम और पता	पूर्व प्रशिक्षण के, यदि कोई हो तो, अधिकारी के नाम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/केन्द्र का नाम
प्रवेश के समय शैक्षिक अभ्युक्त	अभिहित व्यवसाय :	
उत्तीर्ण परीक्षा	विद्यार्थी/संस्था का नाम	तारीख
	दिनांक	प्रशिक्षण अधिकारी
	से	दक
	राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद	
	की परीक्षा उत्तीर्ण की	एक वर्ष/दो वर्ष
बुनियादी प्रशिक्षण कहाँ दिया गया	संबंधित प्रशिक्षण कहाँ दिया गया	शिक्षक के हस्ताक्षर प्रशिक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर

(अवसाय परीक्षण अधिकारी को भेजे जाने से पहले, 1, 2 और 3 निम्नोक्त द्वारा भरे जाएँ)।

1. शिक्षता प्रशिक्षण की संपूर्ण अवधि के दौरान हाजिरी के दिनों की कुल संख्या

(i) व्यावहारिक प्रशिक्षण दिनों में से

..... दिन

(ii) संबंधित प्रशिक्षण दिनों में से दिन

(iii) कुल दिनों में से दिन

(ii). शिक्षता प्रशिक्षण की संपूर्ण अवधि के दौरान अर्ध-वार्षिक रिपोर्टों (शिक्षता 1क) का सम्बन्धित निष्कर्षण

विषय:—प्रशिक्षण सत्र के अंकों की प्रतिभाषिता

व्यवसाय सिद्धांत

कर्मशाला संगणना और विज्ञान

इंजीनियरिंग ड्राइंग

सामाजिक ज्ञान

व्यवहारिक

(बुनियादी प्रशिक्षण और कर्मशाला प्रशिक्षण)

III. शिक्षता के दौरान प्रदर्शन

IV. राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद के व्यवसाय परीक्षण के प्रथमफल रहे अभ्यासियों को दी गई छूट, तारीख/तारीखों सहित

विषय	छूट के लिए अवधि	की गई छूट अंक सहित
	न्यूनतम अंक	पहला अवसर
	तारीख	दूसरा अवसर
	तारीख	
व्यावहारिक (जिसके अंतर्गत सत्र- कालीन कार्य भी है)	280	
व्यावसायिक सिद्धांत (जिसके अंतर्गत सत्रकालीन कार्य भी है)	72	
कर्मशाला संगणना और विज्ञान (जिसके अंतर्गत सत्रकालीन कार्य भी है)	36	
इंजीनियरी ड्राइंग (जिसके सत्रकालीन कार्य भी है)	42	
प्रशिक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर		

प्रारूप शिक्षता-1क

(प्रारूप शिक्षता के अन्तर्गत रखा जाए)

व्यावहारिक प्रशिक्षण और संबंधित अनुदेशन का अभिलेख

की समाप्त होने वाली छमाही की रिपोर्ट

स्थापन का नाम
शिक्षक का नाम
रजिस्ट्रीकरण संख्या
अभिहित व्यवसाय
संबंधित अनुदेशन के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का नाम, यदि वह स्थापन में नहीं दिया गया है.

बहित संक्रिया सूची के अनुसार संक्रिया नं. संक्रिया का नाम

छमाही के दौरान किन मासों में संक्रिया की गई

1 2 3 4 5 6

श्रेणीकरण

हाजिरी बिनों में

व्यवसाय विभाग	कर्मशाखा संगणना और इंजीनियरी ब्राह्मण	सामाजिक ज्ञान	व्यावहारिक ज्ञान	संबंधित प्रशिक्षण
	विज्ञान			

वस्तुतः संभव

वस्तुतः संभव

श्रेणीकरण	संबंधित शिक्षण	व्यावहारिक ज्ञान	शिक्षु हस्ताक्षर	प्रशिक्षक अधिकारी के हस्ताक्षर
कक	70 प्रतिशत से अधिक	80 प्रतिशत से अधिक		
क	50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत	60 प्रतिशत से 70 प्रतिशत		
खक	50 प्रतिशत से कम	60 प्रतिशत से कम		

टिप्पण :-छमाही के दौरान की गई सक्रियताएं उस मास में, जिसमें की गई हैं सही का निशान लगाकर, उपस्थित की जाए।

प्रत्यक्ष शिक्षण-2

स्थापन का नाम को समाप्त होने वाली छमाही की रिपोर्ट

उद्योग का नाम और स्तरमान औद्योगिक वर्गीकरण कोड में.

प्रबन्धक/निदेशक का नाम

(माहानर)

प्रशिक्षण के भारमासक अधिकारी का नाम और पदनाम

टेलीफोन और टेलीफोन नं.

तार का पता

उत्पाद की प्रकृति

कर्मचारियों की कुल संख्या

क्रम सं.	अभिहित व्यवसाय	प्रशिक्षण कर्मचारियों से भिन्न कर्मचारियों की संख्या	रखे जाने वाले शिक्षकों की संख्या	प्रशिक्षणाधीन शिक्षकों की सं.				टिप्पणियाँ कमी के लिए, कारण बताएं, यदि कोई हैं
				दुनियादी प्रशिक्षण के अधीन नए शिक्षु	कर्मशाखा प्रशिक्षण के अधीन नए शिक्षु	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के भूतपूर्व प्रशिक्षणार्थी	कुल	
1	2	3	4	5	6	7	8	9

1.

2.

3.

4.

5.

आदि

शिक्षु जिन्होंने छमाही के दौरान प्रवेश लिया

शिक्षु जिन्होंने छमाही के दौरान प्रशिक्षण पूरा किया

शिक्षु जिनकी संविदा के छमाही दौरान समाप्त की गई

10

11

12

1.

2.

3.

4.

आदि

प्रशिक्षणाधीन शिक्षकों की संख्या

संबंधित शिक्षण व्यवस्था :

- (i) दिन निर्मुक्ति के आधार पर
 (ii) ब्लाक निर्मुक्ति के आधार पर
 (iii) किसी अन्य आधार पर

शिक्षकों की कुल संख्या
 अनुसूचित जातियों-अनुसूचित जनजातियों के शिक्ष
 भारीरूप से असुविधाग्रस्त शिक्ष
 महिला शिक्ष

उक्त स्लम 5 के अधीन शिक्ष निम्नलिखित स्थान पर बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं

उक्त स्लम के 8 के अधीन शिक्ष क्रम सं. अवसरों अपने ही स्थान में और क्रम सं. अवसरों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में, संबंधित शिक्षण प्राप्त कर रहे हैं ।

बुनियादी प्रशिक्षण केन्द्र का नाम
 तारीख

नियोजक के हस्ताक्षर

प्रारूप शिक्षता 3--(छमाही)

प्रशिक्षण पूरा करने वाले शिक्षकों के बारे में अधिसूचना

स्थापन का नाम

वे शिक्ष, जिनकी विशिष्टियां नीचे दी गई हैं, शिक्ष अधिनियम, 1961 के उपबंधों के अनुसार अपनी प्रशिक्षण अवधि, प्रत्येक के सामने दी गई तारीख, को, पूरा कर लेंगे ।

मार्च/सितम्बर में होने वाले अखिल भारतीय व्यवसाय परीक्षण में बैठने के लिए उनके नाम भेजे जा रहे हैं ।

क्रम सं.	शिक्ष का नाम और उसके पिता का नाम	रजिस्ट्रीकरण संख्यांक	अभिहित व्यवसाय	प्रशिक्षण प्रारंभ होने की तारीख	प्रशिक्षण पूरा होने की तारीख
1	2	3	4	5	6

प्रशिक्षण पूरा होने की तारीख को (संभाव्य) हाजिरी	अधिकतम संभव हाजिरी अर्थात्, कुल कार्य-दिवस	स्थापन के आचरण (बहुत प्रस्ता/प्रस्ता/संतोषजनक)	टिप्पणियां
व्यावहारिक ज्ञान	संबंधित शिक्षण		
7	8	9	10
			11

इन शिक्षकों के प्रारूप शिक्षता 1 और शिक्षता 1 के प्रति अभिलेख सहायकी अंशों के सूचकांक के लिए व्यवसाय परीक्षा अधिकारी को व्यवसाय परीक्षण के समय भेजा जाएगा ।

जो शिक्ष अपनी प्रशिक्षण मार्च/सितम्बर में पूरा कर लेंगे किन्तु पाठ्यता की शर्तों को पूरा न करने के कारण रोक दिए गए हैं उनके नाम और जिन कारणों से वे रोक दिए गए हैं, वे कारण नीचे दिए गए हैं । इन शिक्षों को तदनुसार सूचित किया जा चुका है । यदि इन शिक्षों को शिक्षा नियम, 1991 के नियम 7 के उपनियम (2) के अधीन बढ़ाई जा रही है तो उसका उल्लेख कीजिए ।

नियोजक के हस्ताक्षर

प्ररूप शिक्षुता-4 (छमाह्रा)

स्थापन का नाम और पता

शिक्षु जिनके नाम और जिनके बारे में वे बिशिष्टियां नीचे दी गई हैं, शिक्षु अधिनियम, 1961 के अक्षीन इस स्थापन में फरवरी/अगस्त, 19-- के दौरान शिक्षुता प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए रख लिए गए हैं। वे रखे जाने के लिए धरहे हैं और नियमों में अधिकयित न्यूनतम अपेक्षाओं की पूर्ति करते हैं।

क्रम सं.	शिक्षु का नाम	शैक्षिक अहंता	यदि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था का भूतपूर्व प्रशिक्षणाक्षी है तो व्यवसाय और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था की बिशिष्टियां			तबनुस्पी उम	प्रवेश की तारीख	टिप्पणियां
			औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था का नाम	व्यवसाय	प्रशिक्षण की अवधि			
					से तक			

कृपया ध्यान दें—उक्त शिक्षुओं की बाबत शिक्षुता संबिदाएं निष्पादित की जा रही हैं और एक माम के भीतर आपकी भेज हो जाएगी।

नियोजक/प्रशिक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर
(नाम और पदनाम)

सेवा में,

1. राज्य शिक्षुता सलाहकार
या
प्रादेशिक निदेशक

2. प्रधानाचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जहां शिक्षुओं को बुनियादी प्रशिक्षण/संबंधित शिक्षण दिया जाता है। इस (+) निमान में चिह्नित शिक्षु आपकी संस्था में संबंधित शिक्षण के लिए दिन ब्याक निर्मुक्ति के आधार पर निर्मुक्ति होंगे।

प्ररूप शिक्षुता-5

(शिक्षु के रखे जाने की तारीख से दस दिन के भीतर प्रस्तुत किया जाए—केवल स्नातक या तकनीकी या तकनीकी व्यवसायित शिक्षुओं के लिए लागू)

कृपया यह बताएं कि क्या शिक्षु मैण्डेविन पाठ्यक्रम का बिद्यार्थी है— हां/नहीं
व्यक्तिगत ध्योरे

स्थापन का नाम और पता	उद्योग की प्रकृति और मानक औद्योगिक वर्गीकरण कोड सं.	शिक्षुता संबिदा का रजिस्ट्रीकरण सं. और तारीख	इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम का बिषय क्षेत्र	प्रशिक्षण प्रारंभ होने की तारीख
----------------------	---	--	---	---------------------------------

शिक्षु का नाम और पता	संरक्षक का नाम और पता	शिक्षु का पासपोर्ट के आकार का फोटो		
प्रवेश के समय शैक्षिक अहंता				
जन्म तिथि और वर्ष	उत्तीर्ण परीक्षा	संस्था का नाम	परीक्षा उत्तीर्ण करने की तारीख	टिप्पणियां
प्रशिक्षण की अवधि				
प्रशिक्षण पूरा होने की तारीख				
दी जाने वाली बुत्तिका की दर				

प्ररूप शिक्षा-6

शिक्षु की प्रगति का अभिलेख

(स्नातक या तकनीकी या तकनीकी व्यावसायिक शिक्षाओं की बाबत निमाही में एक बार प्रस्तुत किया जाए)

नाम रजिस्ट्रीकरण संख्या

इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या व्यावसायिक पाठ्यक्रम का विषय क्षेत्र

स्थान जहाँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है

प्रारंभ होने की तारीख

निमाही के दौरान प्रशिक्षण का क्षेत्र

..... से तक की निमाही की प्रगति रिपोर्ट

(i) प्रशिक्षण के लिए स्थान

(ii) निमाही के दौरान कार्य संपादन

(iii) कमियाँ, यदि कोई हैं

(iv) ऊपर (iii) में की सुझावमय कार्रवाई के प्रति प्रशिक्षणार्थी की प्रतिक्रिया

(v) निष्कर्ष

उत्तम / शीघ्र से अधिक/शीघ्र/शीघ्र से कम (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रशिक्षण के भारसाधक अधिकारी/कार्यकारी
भारसाधक के हस्ताक्षर
टिप्पणियाँ

उद्योग/स्थापन के प्रबन्धक के हस्ताक्षर

घनुमूची 4

(नियम 9 देखिए)

1. व्यवसाय शिक्षाओं की दशा में :--

(क) इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में भारत सरकार से मान्यताप्राप्त डिग्री या डिप्लोमा या समतुल्य अर्हता।

अथवा

(ख) राष्ट्रीय शिक्षा प्रमाणपत्र और कम से कम पाँच वर्ष का अनुभव।

2. स्नातक शिक्षाओं की दशा में :--

इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में भारत सरकार से मान्यताप्राप्त, डिग्री या समतुल्य अर्हता अथवा होनी चाहिए।

3. तकनीकी और तकनीकी व्यावसायिक शिक्षाओं की दशा में :--

इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में भारत सरकार से मान्यताप्राप्त डिग्री या डिप्लोमा या व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र या समतुल्य अर्हता अथवा होनी चाहिए।

4 शिक्षाओं के प्रशिक्षण के लिए सर्वप्रथम भारसाधक बनाए जाने वाले व्यक्तियों को सहायता के लिए उनको कोशालार्थ या कोशाला कामिक हो सकते हैं जिन्हें प्रावश्यक समझे जाएँ और उन्हें यह बात को जानना होगा कि शिक्षाओं का मार्ग दर्शन कैसे किया जाता है।

यह वांछनीय है कि भारसाधक व्यक्ति को औद्योगिक अनुभव होना चाहिए।

5. ऊपर 1, 2 और 3 के मामले में वांछनीय योग्यता :--

केंद्रीय वर्गबारी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान/तकनीकी अध्ययन प्रशिक्षण संस्थान/केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण।

अनुसूची-5

(नियम 6 देखिए).

1. नियोजक की बाध्यताएं (दोनों वयस्क और अवयस्क व्यवसाय शिक्षाओं की दशा में)

(शिक्षु अधिनियम, 1961 की धारा 11 के अधीन)

(1) नियोजक केन्द्र/राज्य शिक्षा सलाहकार द्वारा अनुमोदित कार्यक्रम और केन्द्रीय शिक्षा परिषद् के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षु को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने की चर्चा के लिए युक्तियुक्त व्यवस्था करेगा।

(2) (क) ऐसे नियोजक जो धारा 9 की उपधारा (4) में विनिर्दिष्ट हैं, केन्द्रीय शिक्षा परिषद् के परामर्श के अनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षु को बुनियादी प्रशिक्षण देने की चर्चा को या तो कर्मशाला भवन के कितने पृथक भाग में या नियोजक द्वारा स्थापित किसी पृथक भवन में युक्तियुक्त व्यवस्था करेंगे।

(ख) ऐसे नियोजक, जो धारा 9 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट हैं, केन्द्रीय शिक्षा परिषद् के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार व्यवसाय शिक्षु को बुनियादी प्रशिक्षण देने की चर्चा के लिए सरकार द्वारा स्थापित प्रशिक्षण संस्थान में युक्तियुक्त व्यवस्था करेंगे।

(3) नियोजक शिक्षु अधिनियम, 1961 की धारा 10 द्वारा यथा अपेक्षित संबंधित शिक्षण प्राप्त करने के लिए शिक्षु को निर्मुक्त करेगा और ऐसी कक्षा में हाज़िर रहने में व्यतीत किए गए समय को उसके संदत कार्य अवधि का भाग समझा जाएगा।

(4) (क) नियोजक शिक्षु को ऐसी दर पर, जो समय-समय पर शिक्षुता नियम, 1991 के नियम II के अधीन विनिर्दिष्ट की जाए, वृत्तिका संदत करेगा।

(ख) किसी विशिष्ट मास की वृत्तिक आगामी मास की 10 तारीख तक संदत की जाएगी। वृत्तिका में से उस अवधि के लिए कोई कटौती नहीं की जाएगी, जिसके दौरान शिक्षु आकस्मिक या चिकित्सा छुट्टी पर रहा हो। परन्तु उस अवधि के लिए कोई वृत्तिका नहीं दी जाएगी, जिसके दौरान शिक्षु असाधारण छुट्टी पर रहा हो।

(5) (क) व्यवहारिक प्रशिक्षण के दौरान शिक्षु का साप्ताहिक कार्य समय निम्नलिखित होगा:—

(1) प्रति सप्ताह कुल कार्य समय 42 घंटे से 48 घंटे होगा (जिसमें संबंधित शिक्षण पर खर्च किया गया समय सम्मिलित है)।

(2) बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाला शिक्षु साधारणतः प्रति सप्ताह 42 घंटे काम करेगा और उसमें संबंधित शिक्षण पर खर्च किया गया समय सम्मिलित होगा।

(3) शिक्षुता के दूसरे वर्ष के दौरान शिक्षु 42 से 45 घंटे प्रति सप्ताह कार्य करेगा और उससे संबंधित शिक्षण पर खर्च किया गया समय सम्मिलित होगा।

(4) शिक्षुता के तिसरे और पश्चात्तर्ती वर्ष के दौरान शिक्षु प्रति सप्ताह उन्ने हो घंटे काम करेगा जिसे घंटे उस स्थापन से व्यवसाय कर्मकार कार्य करते हैं, जिसमें शिक्षु शिक्षुता प्रशिक्षण ले रहा है;

तथापि यह कि अल्पकालिक अवधि शिक्षु को 48 घंटे प्रति सप्ताह की सीमा तक कार्य लगाया जा सकेगा।

(ख) अल्पकालिक शिक्षु से भिन्न किसी शिक्षु को शिक्षुता सलाहकार की पूर्व मंजूरी के बिना रात के 10 बजे से सुबह के 6 बजे तक के दौरान ऐसे प्रशिक्षण में नहीं लगाया जाएगा और उक्त सलाहकार ऐसी मंजूरी तब देगा जब उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसा करना शिक्षु के प्रशिक्षण या लोकहित में है।

(6) जहां संविदा के अनुबंधों और शर्तों को नियोजक द्वारा कार्यान्वित न किए जाने के कारण शिक्षुता की संविदा समाप्त हो जाए वहां वहां (नियोजक) शिक्षु को या उसके संरक्षक को (अवयस्क की दशा में) शिक्षुता नियम, 1991 के नियम 8 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट दरों के अनुसार प्रतिकर का संदाय करेगा।

(7) नियोजक शिक्षु को निम्नलिखित रूप से छुट्टी अनुज्ञात करेगा:—

(i) एक वर्ष में अधिक से अधिक 12 दिन की आकस्मिक छुट्टी। 12 दिन की सीमा के प्रयोजन के लिए आकस्मिक छुट्टी की अवधि के दौरान आने वाली किसी छुट्टी की गणना नहीं की जाएगी। किसी वर्ष के दौरान न ली गई आकस्मिक छुट्टी वर्ष समाप्त होने पर व्ययगत हो जाएगी।

(ii) प्रशिक्षण के प्रत्येक वर्ष के लिए शिक्षु को 15 दिन की चिकित्सा छुट्टी दी जाएगी जो बीमारी के कारण काम पर आने में असमर्थ हैं। न ली गई छुट्टी को अधिकतम 40 दिन तक जमा किए जाने की अनुज्ञा दी जाएगी। चिकित्सा छुट्टी की अवधि के दौरान किसी अवकाश की चिकित्सा छुट्टी समझा जाएगा। नियोजक शिक्षु से यह कह सकेगा कि वह अपनी चिकित्सा छुट्टी के समय में किसी रजिस्ट्रिकृत चिकित्सा व्यवसायी का, जैसा कि शिक्षुता नियम, 1991 में परिभाषित है, एक चिकित्सा प्रमाणपत्र पेश करे। किन्तु चिकित्सा प्रमाणपत्र केवल तभी आवश्यक होगा जब छुट्टी 6 दिन से अधिक की हो। नियोजक को शिक्षु की विशेष चिकित्सा परीक्षा कराने की स्वतंत्रता होगी, यदि उसके पास विश्वास करने का यह कारण है कि शिक्षु वास्तविक रूप से बीमार नहीं है या कि बीमारी ऐसी नहीं है जिसके कारण वह हाज़िर नहीं हो सके।

(iii) आकस्मिक छुट्टी की चिकित्सा छुट्टी के साथ नहीं मिलाया जाएगा। यदि आकस्मिक छुट्टी से पहले या बाद में चिकित्सा छुट्टी ली जाती है तो पूरी छुट्टी को या चिकित्सा छुट्टी समझा जाएगा या आकस्मिक छुट्टी। परन्तु यथास्थिति, चिकित्सा छुट्टी या आकस्मिक छुट्टी की बाबत विहित अधिकतम अवधि उसे आगे बढ़ने की मंजूरी नहीं दी जाएगी।

- (iv) शिक्षु को एक वर्ष में अधिकतम 10 दिन या उनमें अधिक की अवधारण छुट्टी दी जा सकती किन्तु ऐसा तब होगा जब उसने पूरी आकस्मिक या चिकित्सा छुट्टी ले ली हो और यह कि नियोजक का यह सवाधान हो जाए कि वे आधार जिन पर छुट्टी के लिए आवेदन किया गया है वास्तविक हैं।
- (v) (क) ऐसे स्थापन में लगा हुआ शिक्षु जिसमें एक सप्ताह में पांच दिन काम होता है (प्रति सप्ताह कुल 45 घंटे) प्रशिक्षण के वर्ष के दौरान कम से कम 200 दिन हाजिर होगा, जिसमें से 1/6 अर्थात् 33 दिन संबंधित शिक्षण की ओर 167 दिन व्यावहारिक प्रशिक्षण को दिए जाएंगे।
- (ख) ऐसे स्थापन में लगा हुआ शिक्षु जिसमें एक सप्ताह में 5 1/2 या 6 दिन काम होता है, प्रशिक्षण के वर्ष के दौरान कम से कम 240 दिन हाजिर रहेगा, जिसमें से 1/6 अर्थात् 40 दिन संबंधित शिक्षण की ओर 200 दिन व्यावहारिक प्रशिक्षण को दिए जाएंगे।
- (vi) ऐसे शिक्षु को, जो किसी भी कारण उपखंड में विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान प्रशिक्षण लेने में असमर्थ रहता है, आने वाले वर्ष में कमी को पूरा करने का अवसर दिया जाएगा और वह राष्ट्रीय परिषद् द्वारा लिए जाने वाले परीक्षण में बैठने के लिए मान्य होगा :-
- (क) केवल तब जब उसने प्रशिक्षण की अवधि पूरी कर ली हो और तदनुसार कम से कम 600 दिन या 800 दिन हाजिर रहा हो क्योंकि ऐसे स्थापन में जहाँ एक सप्ताह में 5 दिन काम होता हो, प्रशिक्षण की अवधि, यथास्थिति तीन या चार वर्ष होती है।

या

- (ख) केवल तब जब उसने प्रशिक्षण की अवधि पूरी कर ली हो और तदनुसार कम से कम 720 दिन या 960 दिन हाजिर रहा हो क्योंकि ऐसे स्थापन में जहाँ एक सप्ताह में 5-1/2 दिन या 6 दिन काम होता है, प्रशिक्षण की अवधि, यथास्थिति तीन या चार वर्ष होती है।
- (vii) यदि शिक्षु अपने नियंत्रण से परे परिस्थितियों के कारण प्रशिक्षण की अवधि के दौरान उपखंड (5) में विनिर्दिष्ट कम से कम की हाजिरी पूरी नहीं कर पाता है और नियोजक हाजिरी में कमी के कारणों से संतुष्ट हो जाता है और यह प्रमाणित कर देता है कि शिक्षु ने अन्यथा पूर्ण शिक्षुता पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है तो उसके बारे में यह समझा जाएगा कि उसने प्रशिक्षण की पूर्ण अवधि पूरी कर ली है और वह राष्ट्रीय परिषद् द्वारा लिए जाने वाले परीक्षण में बैठने का पात्र होगा।

(viii) यदि शिक्षु प्रशिक्षण की अवधि के दौरान उपखंड (vi) में विनिर्दिष्ट कम से कम हाजिरी पूरी नहीं कर पाता है और पूर्ण शिक्षुता पाठ्यक्रम पूरा कर चुका होता है तो उसके बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि उसने प्रशिक्षण की अवधि पूरी कर ली है और नियोजक नियम 7 के उपनियम (2) के अधीन उसकी प्रशिक्षण की अवधि तब तक बढ़ा सकेगा जब तक कि वह पूर्ण शिक्षुता पाठ्यक्रम पूरा करता है और अपना परीक्षण आयोजित किया जाता है।

(8) नियोजक स्थापन में होने वाली छुट्टियाँ शिक्षु को भी देगा।

(9) यदि शिक्षु के रूप में प्रशिक्षण के दौरान शिक्षु को कोई क्षति पारित होती है तो नियोजक शिक्षु को शिक्षु अधिनियम, 1961 की अनुसूची में विनिर्दिष्ट उपान्तरण के अधीन रहते हुए कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 के उपबंधों के अनुसार प्रतिकर देगा।

II. व्यवसाय शिक्षु की बाध्यताएँ (दोनों व्यवसाय और अव्यवसाय शिक्षुओं की दशा में शिक्षु अधिनियम, 1961 की धारा 12 के अधीन) :-

(1) शिक्षु आचरण और अनुशासन के सभी मामलों में स्थापन के नियमों और विनियमों का पालन करेगा और स्थापन में नियोजक और बरिष्ठ अधिकारियों के विधिपूर्वक आदेशों का कार्यान्वित करेगा।

(2) शिक्षु का आचरण ऐसा होगा जिससे यह पता चले कि वह प्रशिक्षणार्थी है न कि कर्मकार। उसके व्यवसाय वह अपने व्यवसाय की निष्ठापूर्वक और तत्परतापूर्वक सीखेगा और यह प्रयास करेगा कि पूर्ण प्रशिक्षण की अवधि के अवसान के पूर्व अपने व्यवसाय में बुद्धि शिल्पकार के रूप में अपने आपको अर्हित करे। शिक्षु अधिनियम, 1961 में यथा उल्लिखित के सिवाय, श्रमिकों के संबंध में किसी भी विधिक उपाय उठे लागू नहीं होंगे।

(3) शिक्षु व्यावहारिक (वुनियादी और शाम फोर प्रशिक्षण और संबंधित शिक्षण की कक्षाओं में नियमित रूप से हाजिर रहेगा।

(4) शिक्षु ऐसे कालिक परीक्षणों में बैठेगा जो व्यवसाय में प्रवीणता का प्रमाणपत्र देने के लिए नियोजक या राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् के अन्य संबंध प्राधिकारियों द्वारा आयोजित किया जाए।

(5) संविदा के निबन्धनों और शर्तों का शिक्षु द्वारा कार्यान्वित न किए जाने के कारण शिक्षुओं की संविदा का समय पूर्व अवसान होने की दशा में, प्रतिभू या संस्था नियोजक की ऐसी रकम का संदाय करने के लिए आबद्ध हो सकेगा जो केन्द्र/राज्य शिक्षुता सलाहकार द्वारा शिक्षुता नियम, 1991 के नियम 8 के अधीन विनिर्दिष्ट रूप में दरों के अनुसार प्रशिक्षण के खर्च के बारे में अवधारित की जाए।

(6) अत्यन्त आवश्यकता के सिवाय शिक्षु सभी छुट्टियों के लिए सिवाय चिकित्सा छुट्टी के समुचित प्राधिकारी को अपने आवेदन देगा और छुट्टी लेने से पूर्व मंजूरी अधिप्राप्त करेगा।

(7) शिक्षु/उपस्था/उसकी संरक्षक (अव्यवसाय की दशा में) घोषणा करता है कि उसके और किसी अन्य नियोजक के (संरक्षक द्वारा शिक्षु को बाधित) कोई अन्य शिक्षुता संविदा अस्तित्व में नहीं है और बचनबंध करता है/करता है कि वह शिक्षुता से संविदा के अवसान या समाप्ति से पूर्व किसी अन्य नियोजक (संरक्षक द्वारा शिक्षु को बाधित) से कोई अन्य शिक्षु संविदा नहीं करेगा।

(8) शिक्षु या उसका/उसकी संरक्षक (अवधिका की दशा में) ऊपर उल्लिखित शिक्षुओं को वाजत किया भी अन्य नियोजक से शिक्षुता को हथ संविदा के अवधान या समाप्ति में पूर्व संविदा नहीं करेगा/करेगी।

(9) शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि के पहले छह सहस्रों को परीक्षा अवधि समाप्त जाएगा। दोनों पक्षकारों में से कोई भी एक संविदा के पूर्वतर अवधान के लिए केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार को आवेदन दे सकेगा और जब ऐसा आवेदन दिया जाए तो आवेदन करने वाला पक्षकार उसकी एक प्रति संविदा के दूसरे पक्षकार को डाक द्वारा भेजेगा। केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार आवेदन की विषय वस्तु और दूसरे पक्षकार द्वारा फाइल किए गए आक्षेपों पर, यदि कोई हों, विचार करने के पश्चात् संविदा का अवधान कर सकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि संविदा के पक्षकार या उनमें से कोई संविदा के निबंधों और शर्तों का पालन करने में असमर्थ रहा है और यह कि संविदा का अवधान पक्षकारों या उनमें से किसी के हित होने के कारण वांछनीय है। परन्तु वह एक रकम को इस अनुसूची के पैरा I(6) और II(5) में उल्लिखित भाग है, तदनुसार एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को संवेद हो जाएगा अथवा ही होगा नियोजक की भूल के कारण हो या शिक्षु की।

परन्तु यह और कि नियोजक द्वारा शिक्षु के संरक्षक को प्रतिकर उस समय संवेद नहीं होगा जब नियोजक केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार को उस अवधि के दौरान संविदा के अवधान के लिए आवेदन करता है जिस समय शिक्षु परीक्षा पर है और वह भी इस आधार पर कि उस व्यवसाय में भगवत् शिक्षु जिसमें उसे लगाया गया है, प्रशिक्षण लेने से इंकार कर देता है और उसका संरक्षक उसे किसी ऐसे अन्य अभिरक्षित व्यवसाय में शिक्षुता प्रशिक्षण लेने की इजाजत देने से इंकार कर देता है जिसके लिए उसे नियोजक द्वारा उपयुक्त पाया गया है और यदि केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार का, नियोजक के आवेदन की विषय वस्तु और दूसरे पक्षकार द्वारा फाइल किए गए आक्षेपों पर, यदि कोई हों, विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो जाता है कि संविदा का अवधान पक्षकारों या उनमें से किसी के हित में होने के कारण वांछनीय है।

(10) नियोजक इस बात के लिए बाध्य नहीं होगा कि वह शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि पूरी होने के पश्चात् शिक्षु को अपने स्थापन में कोई नियोजन और न ही शिक्षु इस बात के लिए बाध्य होगा कि वह उस नियोजक के अधीन कोई नियोजन स्वीकार करे।

(11) नियोजक और शिक्षु के संरक्षक के बीच इस संविदा से उद्भूत होने वाली किसी भी अग्रहमति या विवाद का विनिश्चय के लिए केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार को निर्दिष्ट किया जाएगा और केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार के विनिश्चय से वापस-पुनः ऐसे विनिश्चय को उसे सुनना मिलने की तारीख से 30 दिन के भीतर विनिश्चय के विरुद्ध केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता परिषद् को अपील कर सकेगा और ऐसा अपील की सुनवाई और उसका विनिश्चय इस प्रयोजन के लिए नियुक्त परिषद् की समिति द्वारा किया जाएगा। ऐसी समिति का विनिश्चय अंतिम होगा।

अनुसूची—II

(नियम 6 देखिए)

स्वातंत्र्य, उन्नतता और एकता की (कृत्तिक) शिक्षुओं के लिए शिक्षुता की संविदा के निबंधन और शर्तें

1 प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष होगी (सैद्धांतिक विद्यार्थियों की दशा में प्रशिक्षण की अवधि वास्तविक में अनुबद्ध रूप में होगी)।

2 नियोजक के लिए यह बाध्यकर नहीं होगा कि वह अपने स्थापन में शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि को पूरा होने पर शिक्षु को किसी नियोजन को स्थापना करे और न यह शिक्षु के लिए बाध्यकर होगा कि वह नियोजक के अधीन कोई नियोजन स्वीकार करे।

टिप्पणः—तथापि, यदि शिक्षुता की संविदा में यह शर्त हो कि शिक्षु प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समाप्त होने के पश्चात् नियोजक को सेवा करेगा तो नियोजक ऐसी समिति पर शिक्षु को उपयुक्त नियोजक को प्रस्थापना करने के लिए बाध्य होगा और शिक्षु उस दृष्टिकोण में ऐसी अवधि के लिए और ऐसे पारिवारिक के लिए संविदा में विनिर्दिष्ट किया जाए, केन्द्रीय शिक्षुता सलाहकार के अनुमान के अधीन रखते हुए नियोजक को सेवा करने के लिए बाध्य होगा।

3 किसी स्थापन में शिक्षुता प्रशिक्षण लेने वाला प्रत्येक शिक्षु प्रशिक्षणार्थी होगा न कि वामंकार और इस प्रकार श्रम से संबंधित किसी बिंदु के उपबन्ध ऐसे शिक्षु को या उसके संबंध में लागू नहीं होंगे।

4 (i) शिक्षु आचरण और अनुशासन के सभी विषयों में स्थापन के नियमों और विनियमों का अनुपालन करेगा और स्थापन में नियोजक तथा सभी अधिकारियों के विधिपूर्ण आदेशों का पालन करेगा।

(ii) शिक्षु अपने विषय क्षेत्र को निष्ठापूर्वक और सत्पराता पूर्वक सीखेगा तथा व्यवहारिक और शैक्षणिक कक्षाओं में नियमित रूप से हजर रहेगा।

(iii) शिक्षु शिक्षुता सलाहकार द्वारा अनुमोदित प्रोफार्मा में अपने शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि के दौरान अपने कार्य का अभिलेख रखेगा।

(iv) जहाँ शिक्षुता की संविदा, संविदा के निबंधकों का पालन करने में शिक्षु के असफल रहने के कारण पर्यवेक्षण को जाती है यहाँ शिक्षु प्रशिक्षण के खर्च क रूप में नियोजक को ऐसी रकम का प्रतिदाय करेगा जो शिक्षुता सलाहकार द्वारा अवधारित की जाए। ऐसा दशा में शिक्षु किसी अन्य नियोजक के साथ अधिनियम के प्रयोग शिक्षुता को कोई दूसरी संविदा करने का हकदार नहीं होगा।

(v) शिक्षुता की संविदा शिक्षु द्वारा संवेद प्रतिकर के बिना पर्यवेक्षण की जा सकती है:—

(क) यदि वह लागू नियमों प्राप्त करता है/करता है (नियुक्त आदेश को प्रति के प्रस्तुत किए जाने पर); और

(ख) यदि वह चिकित्सीय आधारों पर प्रशिक्षण जारी रखने में असमर्थ है (ऐसे चिकित्सा अधिकारी से, जो सिविल सत्र के पंक्ति से नीचे का न हो, इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाने पर)।

(vi) नियोजक द्वारा संविदा के संग के लिए नियोजक शिक्षु को हस्त लिपियों के नियम 8 में विनिर्दिष्ट वर में प्रतिकर का संदाय करेगा:—

(vii) वृत्तिका के सदस्य का जारी रखता प्रशिक्षण अवधि के दौरान शिक्षु के समाधानपत्र रूप में कार्य निष्पन्न पर निर्भर करेगा।

5 (i) नियोजक दत्त अधिनियम और उसके अधिनियम बनाये गए नियमों के उपबन्धों के अनुसार और संबंधित प्रादेशिक केन्द्रीय शिक्षुता सलाहकार के अनुमान में शिक्षु को लिए शिक्षुता प्रशिक्षण के वास्तविक में अनुबद्ध देने के लिए अपने स्थापन में उचित व्यवस्था करेगा।

(ii) प्रत्येक निर्वाचक से अपेक्षा की जाती है कि वह स्नातक/ तकनीकी/तकनीकी (वृत्तिका) शिक्षा के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाए और उसे संबंधित प्रादेशिक केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार के अनुमोदन कराए।

(iii) निर्वाचक, अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन अधिनियमित रूप में शिक्षार्थियों के प्रशिक्षण के भारमाधन में रखे जाने के लिए दायित्व व्यक्ति को धारण करेगा।

6. (i) स्नातक, तकनीकी और तकनीकी (वृत्तिका) शिक्षा उस स्थापन के, जिसमें वह प्रशिक्षण के लिए सहृदय है, विभाग के सामाज्य कार्य घंटों के अनुसार कार्य करेगा। वे 12 दिन का आकस्मिक छुट्टी और 15 दिन का वृत्तिका के संदाय सत्रित विविधता छुट्टी के पास होंगे। 10 दिन तक का असाधारण छुट्टी वृत्तिका के संदाय के साथ या उसके बिना स्थापन के विवेकानुसार मंजूर हो जा सकता है।

(ii) किसी विशिष्ट भाग के लिए वृत्तिका का संदाय आगामी मास के दसवें दिन से पूर्व किया जाएगा।

[सं. सी. जी. ई. टी.-2(7) 90-ए.पो.]

एम. एन. शरदराजन, उप सचिव

MINISTRY OF LABOUR

(Directorate General of Employment & Training)

New Delhi, the 15th July, 1992

G.S.R. 356.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 37 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961) and after consulting the Central Apprenticeship Council, the Central Government hereby makes the following rules in supersession of the Apprenticeship Rules, 1962, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Apprenticeship Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(1) "Act" means the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961);

(2) "Diploma Holder" means a person who holds a diploma in engineering or technology or equivalent qualification granted by a State Board of Technical Education, or recognised by the State Government concerned or the Central Government;

(3) "Engineering Graduate" means a person, who—

(a) holds a degree in engineering or technology granted by—

(i) a statutory University, or

(ii) by an institution empowered to grant such degree by an Act of Parliament;

(b) has passed the graduateship examination of professional bodies recognised by the Central Government as equivalent to degree; or

(c) holds the qualifications which exempt him from Sections A and B examinations of the Institution of Engineers (India);

(4) "Vocational Certificate Holder" means a person who holds a certificate in a Vocational Course, involving two years of study after the completion of secondary stage of school education, recognised by the All India Council for Technical Education;

(5) "National Classification of Occupations" means the National Classification of Occupations adopted by the Government of India, Ministry of Labour, Directorate General of Employment and Training;

(6) "Registered Medical Practitioner" means a person whose name is entered in the register maintained under any law for the time being in force in any State regulating the registration of practitioners of medicine;

(7) "Sandwich Course Student" means a student undergoing a Sandwich Course of studies at any of the technical institutions recognised for the purpose and leading to the award of degree or diploma in engineering or technology;

(8) "Schedule" means the Schedule appended to these rules;

(g) "Standard Industrial Classification" means the Standard Industrial Classification adopted by the Government of India, Ministry of Labour, Directorate General of Employment and Training;

(10) All the words and expressions, not defined here in these rules, but defined in the Act, shall have the same meaning as given to them in the said Act.

3. Standard of Education.—(1) A person shall be eligible for being engaged as a trade apprentice—if he satisfies the minimum educational qualifications as specified in Schedule-I

(2) A person shall be eligible for being engaged as a graduate or technician or technician vocational apprentice if he satisfies one of the minimum educational qualifications specified in Schedule-II :

Provided that :—

(a) no Engineering Graduate or Diploma Holder or Vocational Certificate holder who had training or job experience for a period of one year or more, after the attainment of these qualifications shall be eligible for being engaged as an apprentice under the Act;

(b) no Sandwich Course Student shall be eligible for being engaged as an apprentice under the Act after passing the final examination of the technical institution wherein such student is undergoing the course, unless so approved by the Regional Central Apprenticeship Advisers;

(c) a person who has been a Graduate or Technician or Technician (Vocational) apprentice under the Act and in whose case the contract of apprenticeship was terminated for any reason whatsoever shall not be eligible for being engaged as an apprentice again under the Act without the prior approval of the Apprenticeship Adviser.

4. Standard of Physical Fitness.—(1) A person shall be eligible for being engaged as an apprentice if he satisfies the minimum standards of physical fitness specified in Schedule-II.

Provided that a person who has undergone institutional training in a school or other institution recognised by or affiliated to the National Council or the All India Council

or a Statutory University or a State Board of Technical Education and has passed the examination or tests conducted by these bodies, or is undergoing institutional training in a school or institution so recognised or affiliated in order that he may require a degree or diploma in engineering or technology or certificate in vocational course or equivalent qualification shall, if he has already undergone medical examination in accordance with the rules for the admission to the school or institution, be deemed to have complied with the provisions of this rule.

(2) Without prejudice to the generality of the foregoing provision where a physically handicapped person registered at any Employment Exchange is declared, by either the Medical Board attached to Special Employment Exchanges for (where such Medical Board has not been constituted) to be (where such Medical Board has not been constituted) to be physically fit for being engaged as an apprentice in any of the designated trades under the Apprentices Act, 1961, he may be engaged as an apprentice in that trade.

5. Reservation of Training Places :—In respect of each of the states specified in column (2) of the Schedule-IIA training places shall be reserved by the employer for the Schedule Castes and Scheduled Tribes in every designated trade so that the ratio of the apprentices belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes to the total number of apprentices in such designated trade or trades shall be specified in columns (3) and (4) of the said Schedule (and where there is more than one designated trade in an establishment such training places shall be reserved also on the basis of total number of apprentices in all designated trades in such establishments);

Provided that when the prescribed number of persons belonging either to the Scheduled Castes or to the Scheduled Tribes are not available, the training places so reserved for them may be filled by persons belonging to the Scheduled Tribes or, as the case may be, to the Scheduled Caste and if the prescribed training places can not be filled even in the above given manner, then the training places so lying unfilled may be filled by persons not belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

GROUP NO. 3 METAL WORKING TRADES GROUP

1. Forger and Heat Treater	723.80, 726.90, 831.10, 831.30, 831.50.	Three years
2. Sheet Metal Worker	837.10	Three years
3. Welder (Gas and Electric)	872.10, 872.20	Two years
4. Motor Vehicle Body Builder	815.10	Two years

GROUP NO. 4. ELECTRICAL TRADES GROUP

1. Electrician	851.10, 851.30	Three years
2. Lineman	857.10	Three years
3. Wireman	855.10	Three years
4. Auto Electrician	855.30	Two years
5. Electrician Aircraft	855.20	Four years
6. Winder (Armature)	859.50	Three years
7. Cable Jointer	857.30	Three years
8. Electrician (Mines)	851.15	Three years
9. Electroplater	728.10	Three years

GROUP NO. 5. BUILDING AND FURNITURE TRADES GROUP

1. Carpenter	811.10, 811.20	Three years
2. Plumber	871.10	Three years
3. Mason (Building Construction)	951.20	Two years
4. Furniture & Cabinet Maker	812.10, 812.20	Three years
5. Sports Goods Maker (Wood)	819.70	Two years

6. Registration of Contract of Apprenticeship.—(1) Every employer shall send to the Apprenticeship Adviser the contract of apprenticeship for registration within three months of the date on which it was signed.

2. (a) The Central Government may specify model contract forms for the following categories of apprentices:—

- (i) Trade Apprentices;
- (ii) Graduate, Technician and Technician (Vocational) Apprentices;

(b) The model contract form as may be specified by the Central Government with such variation as the circumstances of each case may require, be used for the respective purposes therein mentioned.

(3) The obligation of the employer and that of the trade apprentice shall be as specified in Schedule-V. The terms and conditions in respect of graduate, technician and technician (vocational) apprentices shall be as specified in Schedule-VI.

7. Period of Apprenticeship Training.—(1) The period of apprenticeship training in the case of trade apprentices referred to in clause (b) of Section 6 of the Act shall be as follows :—

Sl. No.	Trades	Code number(s) national classifica- tion of occupations	Period of training
1	2	3	4
GROUP No. 1 MACHINE SHOP TRADES GROUP			
1. Fitter	842.10, 842.15	Three years	
2. Turner	835.15	Three years	
3. Machinist	835.10	Three years	
4. Machinist (Grinder)	836.10, 836.25, 836.30, 836.35, 836.40, 836.55.	Three years	
GROUP NO. 2 – FOUNDRY GROUP TRADES			
1. Pattern Maker	819.20	Three years	
2. Moulder	725.10, 725.70	Three years	

GROUP NO. 6. MAINTENANCE TRADES GROUP

1. Millwright/Maintenance Mechanic	845.50	Three years
2. Mechanic Maintenance (Textile Machinery)	845.63	Three years
3. Mechanic Maintenance (Chemical Plant)	845.53	Three years
4. Mechanic Dairy Maintenance	845.55	Three years
5. Sewing Machine Mechanic	845.82	One year
6. Mechanic Mining Machinery	845.60	Three years

GROUP NO. 7—PRECISION MACHINING TRADES GROUP

1. Tool and Die Maker	833.10, 833.40	Four years
2. Plastic Mould Maker	833.40, 901.30	Four years

GROUP NO. 8—INSTRUMENT TRADES GROUP

1. Instrument Mechanic	841.15	Three years
2. Mechanic Instrument Aircraft	841.15	Four years
3. Watch and Clock Repairer	841.10	Three years

GROUP NO. 9—REFRIGERATION & AIRCONDITIONING TRADES GROUP

1. Refrigeration and Air Conditioning Mechanic	845.70	Three years
---	--------	-------------

GROUP NO. 10—HEAT ENGINE TRADES GROUP

1. Mechanic (Motor Vehicle)	843.30	Three years
2. Mechanic (Diesel)	845.13	Three years
3. Mechanic (Tractor)	845.20	Three years
4. Mechanic (Earth Moving Machinery)	845.23	Four years
5. Mechanic (Marine Diesel Engines)	845.14	Three years
6. Driver-cum-Fitter	843.50, 986.55	Three years

GROUP NO. 11—DRAUGHTSMEN & SURVEYORS TRADES GROUP

1. Draughtsman Civil	030.20	Three years
2. Draughtsman Mechanical	030.40	Three years
3. Surveyor	028.10, 037.10, 037.20	Three years

GROUP NO. 12—CONSTRUCTION TRADES GROUP

1. Fitter Structural	874.65	Three years
----------------------	--------	-------------

GROUP NO. 13—POWER PLANT TRADES GROUP

1. Boiler Attendant	962.20	Three years
2. Steam Turbine cum Auxilliary Plant Operator.	961.30	Three years
3. Switch Board Attendant	961.50	Three years

GROUP NO. 14—PRINTING TRADES GROUP**(i) TYPE SETTING GROUP**

1. Hand Compositor	921.20	Two years
2. Line Operator	922.10	Three years
3. Mono Key Board Operator	922.20	Three years
4. Mono Caster Operator	922.30	Two years

(ii) PRINTING GROUP

1. Letterpress Machine Minder	923.20, 923.30	Three years
-------------------------------	----------------	-------------

(iii) PHOTO MECHANIC GROUP

1. Process Cameraman	926.10	Three years
2. Retoucher Lithographic	925.10	Three years
3. Engraver	926.50	Three years

(iv) BINDER GROUP

1. Book Binder	927.10	Two years
----------------	--------	-----------

(v) LITHO OFFSET GROUP

1. Plate Maker (Lithographic)	926.40	Two years
2. Litho Offset Machine Minder	923.50, 923.60	Three years

GROUP NO. 15—HOTEL AND CATERING TRADES GROUP

1. Cook (General)	520.20	Three years
2. Cook (Vegetarian)	520.20	One year and six months
3. Steward	521.40, 539.20, 539.30	One year and six months
4. Baker or Confectioner	770.10	Two years
5. House Keeper	510.10	One year and six months
6. Hotel Clerk or Receptionist or Front Office Assistant.	352.10	One year and six months

GROUP NO. 16—TEXTILE TRADES GROUP

1. Weaver	755.50	Six months
2. Doffer cum Picker	702.35, 702.60	Six months
3. Tenter (Drawing & Speed/Fly Framers)	702.10, 702.13, 702.16	Six months
4. Winder	752.70	Six months
5. Knitter (Hosiery)	757.10, 757.15, 757.20, 757.25, 757.30	One year and six months
6. Printing (Textile)	758.30, 758.32, 758.34	Six months
7. Greel Boy Cum Warper	753.10, 753.20	Six months
8. Back Sizer cum Front Sizer	753.40, 753.50	Six months

GROUP NO. 17—MINING TRADES GROUP

1. Sillar (Gollieri)	710.50	Three years
2. Shotfirer/Blaster (Mines)	714.10	Two years
3. Rigger (Engineering and Chemical Industry).	716.20, 972.10	Three years
4. Mate (Mines)	710.40, 715.90	Three years

GROUP NO. 18—CHEMICAL TRADES GROUP

1. Attendant Operator (Chemical Plant)	733.10, 733.15, 733.20, 733.35, 733.40, 733.45, 733.50, 733.55, 733.60, 733.90, 734.10, 734.15, 734.25, 739.20, 741.10, 741.15, 741.20, 741.30, 741.60, 741.70, 742.10, 742.20, 742.30, 742.40, 742.60, 742.90, 743.10, 743.30, 743.40, 744.10, 744.20, 744.30, 744.40, 744.50, 745.10, 749.30, 749.34, 749.38, 749.42, 749.62, 749.64, 749.68, 649.72, 749.74, 749.76, 749.80, 749.82, 749.84, 749.86, 749.88, 773.13, 773.23, 773.33, 773.40, 773.43, 773.45, 773.50, 773.57, 773.60, 773.65, 775.30, 775.35, 775.40, 775.45, 775.65, 776.20, 776.30, 776.50, 776.70, 893.10, 893.30, 899.33, 902.10, 902.20, 902.30, 920.40, 902.50, 903.10, 903.20.	Three years
2. Instrument Mechanic (Chemical Plant)	841.20, 841.70, 851.20	Three years
3. Laboratory Assistant (Chemical Plant)	010.30, 010.80, 034.10, 034.20, 034.50, 035.10, 083.10	Three years

Provided that in respect of persons who have passed B.Sc. degree examination with Physics, Chemistry and Mathematics, the period of training shall be reduced to 18 months as apprentices for trades under the Group.

GROUP NO. 19—CUTTING AND TAILORING TRADES GROUP

1. Designer & Master Cutter	794.60, 794.40	Two years
2. Tailor (Men)	791.30, 791.40, 791.50	One year and six months
3. Tailor (Women)	791.20	One year and six
4. Tailor (General)	791.10, 791.90	Two years

GROUP NO. 20—AGRICULTURE TRADES GROUP

1. Mechanic (Agricultural Machinery)	845.20	Three years
2. Horticulture Assistant	053.20	Two years
3. Stockman (Dairy)	082.10, 082.20	Two years
4. Attendant Operator (Dairy)	776.10, 776.20, 776.30, 776.40, 776.50, 776.90.	Three years
5. Pump Mechanic	845.57	Two years

GROUP NO. 21—LEATHER CRAFT TRADES GROUP

1. Sports Goods Maker (Leather)	809.90	Two years
2. Leather Goods Maker	809.10, 809.20, 809.30, 809.40.	Two years
3. Foot wear Maker	801.10	Two years
4. Finished Leather Maker	761.00	Two years
5. Maintenance Mechanic for Leather Industry.	854.81	Three years

GROUP NO. 22—SHIP BUILDING TRADES GROUP

1. Shipwright (Steel)	816.20	Three years
2. Pipe Fitter	871.20	Three years
3. Rigger	872.10	Two years
4. Gas Cutter	872.40	Two years
5. Shipwright (Wood)	816.20	Three years
6. Boat Builder	816.70	Three years

GROUP NO. 23—ELECTRONICS TRADES GROUP

1. Mechanic Radio and Radar Aircraft	852.30, 854.50, 854.60	Four year
2. Electronics Mechanic	852.20	Three years
3. Mechanic Television (Video)	854.20	Three years

Provided that in respect of candidates who have successfully undergone training under the Craftsman Training Scheme and awarded National Trade Certificate in the trade of Mechanic.

Radio and Television and Electronics Mechanic, the period of Apprenticeship Training shall be one year.

1	2	3	4
GROUP NO. 24 PHOTOGRAPHY TRADES GROUP			
1. Photographer	173.10	Two years	
GROUP NO. 25 IRON AND STEEL TRADES GROUP			
1. Millwright (Rolling Mills)	845.50	Three years	
2. Bricklayer (Refractory)	951.30	Three years	
3. Furnace Operator (Steel Industry)	721.55, 721.60	Two years	
4. Crane Operator (Overhead) (Steel Industry)	973.45	Two years	
5. Steel Melting Hand	723.15, 723.20, 723.30.	Two year	
6. Mill Hand	722.15, 722.25, 722.35	Two years	
7. Turner (Steel Industry)	835.17	Three years	

1	2	3	4
GROUP NO. 26—BEAUTICIAN TRADES GROUP			
1. Beautician	560.30	Two years	
2. Hair Dresser	560.10, 560.20	Two years	
3. Health and Slimming Assistant	089.50	Two years	
GROUP NO. 27 GLASS AND CERAMICS TRADES GROUP.			
1. Ceramic Moulder	892.25	Two years	
2. Ceramic Caster	892.20	Two years	
3. Ceramic Kiln Operator	893.30	Two years	
4. Ceramic Press Operator	892.60	Two years	
5. Ceramic Modeller	892.10	Two years	
6. Ceramic Decorator	895.30	Two years	
7. Clay Toy Maker	892.30	Two years	
8. Moulder (Refractory)	892.65	Two years	
9. Enamel Glazer	895.50	Two years	
10. Insulator Maker/ Machine Operator (Ceramic).	899.44, 899.45	Three years	
11. Optical Worker	891.48	Three years	
GROUP NO. 28 PAINTING TRADES GROUP			
1. Painter (General)	932.10	Three years	
2. Painter (Marine)	931.20	Two years	

(2)(a) Where a trade apprentice is unable to complete the full apprenticeship course within the period prescribed in sub-rule (1) or to take the final test owing to illness or other circumstances beyond his control, the establishment concerned shall extend the period of his apprenticeship until he completes the full apprenticeship course and the next test is held if so required by the Apprenticeship Adviser. Similar extension of the period of training may also be allowed in the case of those trade apprentices who having completed the course, fail in the final test. A trade apprentice who fails in the second test shall not be allowed any extension of the period of training;

(b)(i) Where a trade apprentice is unable to complete the period of apprenticeship training due to strike or lockout or lay off in an establishment where he is undergoing training and is not instrumental for the same, the period of his apprenticeship training shall be extended for a period equal to the period of strike or lock out lay off, as the case may be, and he shall be paid stipend during the period of such strike or lock out or lay off or for maximum period of six months, whichever is less;

(ii) If the strike or lock out or lay off is likely to continue for a longer period, the employer shall follow the procedure for novation of contract of apprenticeship of a trade apprentice referred to in clause (i) with the other employer as specified in section 5 of the Act.

(3) In the case of trade apprentices other than those covered by clause (a) of section 6 of the Act, the first six months of the period of training shall be treated as period of probation.

(4)(a) The period of apprenticeship training in the case of Engineering Graduates, Diploma holders and Vocational Certificate holders shall be one year.

(b) In the case of Sandwich Course Students, the period of practical training they undergo as part of apprenticeship course of studies shall be the period of apprenticeship training.

(c) Where a Graduate/Technician/Technician (Vocational) Apprentice is unable to complete the period Apprenticeship Training due to strike/lockout/lay off in an establishment where he is undergoing training and is not instrumental in the same, the period of his Apprenticeship Training would be extended equal to the period of strike/lockout/lay off and he shall be paid stipend during the period of such strike/lockout/lay off or for a maximum period of six months, whichever is less.

(d) If the strike/lock out/lay off is likely to continue for a longer period, the employer shall follow the procedure for novation of contract of apprenticeship for the apprentices referred to in clause (c) with the other employer as specified in section 5 of the Act.

8. Compensation for Termination of Apprenticeship.—Whereas the contract of apprenticeship is terminated through failure on the part of any employer in carrying out the terms and conditions thereof such employer shall be liable to pay the apprentice compensation of an amount equivalent to his three months last drawn stipend; and when the said termination is due to failure on the part of an apprentice in the above manner then, a training cost of an amount equivalent to his three months last drawn stipend shall be made recoverable from such apprentice or from his guardian in case he is minor.

9. Qualifications of persons placed in charge of the Training of Apprentices.—A person placed in charge of the training of apprentices by the employer shall possess the qualifications specified in Schedule IV to these rules.

The person so appointed shall be of the appropriate level commensurate with the number of seats located for apprenticeship training and size of the establishment.

10. Maintenance of record of work by Apprentices.—Every Graduate or Technician or Technician (Vocational) Apprentice shall maintain a daily record of the work done by him relating to the apprenticeship training in the form of a workshop or laboratory note book.

11. Payment of stipend to Apprentices.—(1) The minimum rate of stipend payable to trade apprentices shall be as follows, namely :—

- (a) During the first year of training—Rs. 290 per month.
- (b) During the second year of training—Rs. 330 per month.
- (c) During the third year of training—Rs. 380 per month.
- (d) During the fourth year of training—Rs. 440 per month.

Provided that in the case of trade apprentices referred to in clause (a) of section 6 of the Act, the period of training already undergone by them in a school or other institution recognised by the National Council, shall be taken into account for the purpose of determining the rate of stipend payable.

(2) The minimum rates of stipend payable to Graduate, Technician and Technician (Vocational) Apprentices shall be as follows, namely :—

- (a) Engineering Graduates—Rs. 700 per month (for post-institutional training).
- (b) Sandwich Course Student—Rs. 500 per month (from Degree Institutions.)
- (c) Diploma Holders.—Rs. 500 per month (for post-institutional training).
- (d) Sandwich Course Student—Rs. 400 per month from Diploma Institutions.
- (e) Vocational Certificate holder Rs. 380 per month.

(3) The stipend for a particular month shall be paid by the tenth day of the following month.

(4) No deduction shall be made from the stipend for the period during which an apprentice remains on casual leave or medical leave. Stipend shall, however, not be paid for the period for which an apprentice remains on extraordinary leave.

(5) Notwithstanding anything contained in this rule, where an establishment has a system of deferred payment whereby only a portion of the stipend is paid to the apprentice every month and the balance is paid to the apprentice on the completion of training, such establishment shall be free to continue such system provided that the minimum amount paid to the apprentices every month shall not be less than the monthly stipend prescribed under these rules and no deduction is made from the said accumulated amount on any account. Establishments which do not already have such a system shall be free to institute a system on the same conditions.

(6) The continuance of payment of stipend to an apprentice shall be subject to the work and conduct of the apprentice being satisfactory.

(7) Where the work and conduct of the apprentice is not satisfactory, the employer shall report the matter to the Apprenticeship Adviser and with his consent may stop the continuance of payment of stipend to the apprentices.

Provided that the stipend of an apprentice shall not be stopped without intimating him the grounds thereof and giving him an opportunity of representing against the action proposed.

(8) On report being made by the employer under sub-rule (7), the Apprenticeship Adviser shall give his decision thereon within 30 days of the receipt of the report and where the Apprenticeship Adviser does not communicate to the employer refusal to consent to the stopping of the payment of stipend within the period of thirty days, it shall be deemed that he has consented to the stopping of the stipend.

12. Hours of Work.—(1) The weekly hours of work of a trade apprentice while undergoing practical training shall be as follows, namely :—

- (a) The total number of hours per week shall be 42 to 48 hours (including the time spent on Related Instruction).
- (b) Trade apprentices undergoing basic training shall ordinarily work for 42 hours per week including the time spent on Related Instruction.
- (c) Trade apprentices during the second year of apprenticeship shall work for 42 to 48 hours per week including the time spent on Related Instruction.
- (d) Trade apprentice during the third and subsequent years of apprenticeship shall work for the same number of hours per week as the workers in the trade in the establishment in which the trade apprentice is undergoing apprenticeship training.

(2) No trade apprentice shall be engaged on such training between the hours of 10.00 P.M. to 6.00 A.M. except with the prior approval of the Apprenticeship Adviser who shall give his approval if he is satisfied that it is in the interest of the training of the trade apprentice or in public interest.

(3) Graduate, Technician and Technician (Vocational) Apprentices shall work according to the normal hours of work of the department in the establishment to which they are attached for training.

13. Grant of Leave to Apprentices.—(1) In establishments where proper leave rules do not exist or the total leave of different types admissible to their workers is less than thirty seven days in a year, the apprentice shall be entitled to the following kinds of leave and subject to the conditions specified under each kind of leave.

(a) CASUAL LEAVE :

- (i) Casual leave shall be admissible for a maximum period of twelve days in a year.
- (ii) Any holiday intervening during the period of casual leave shall not be counted for the purpose of the limit of twelve days.
- (iii) Casual leave not utilised during any year shall stand lapsed at the end of the year.
- (iv) Casual leave shall not be combined with medical leave. If casual leave is proceeded or followed by medical leave, the entire leave taken shall be treated either as medical or casual leave, provided that it shall not be allowed to exceed the maximum period prescribed in respect of medical or casual leave, as the case may be.
- (v) Except in case of extreme urgency applications for such leave shall be made to the appropriate authority and sanction obtained prior to availing of leave.

(b) MEDICAL LEAVE :

- (i) Medical leave up to fifteen days for each year of training may be granted to the apprentice who is unable to attend duty owing to illness. The unused leave shall be allowed to accumulate upto a maximum of forty days.
- (ii) Any holiday intervening during the period of medical leave shall be treated as medical leave and accounted for in the limits prescribed under clause (i) above.
- (iii) The employer may call upon the apprentice to produce a medical certificate from a registered medical practitioner in support of his medical leave. A Medical certificate shall, however, be necessary if the leave exceeds six days.
- (iv) It shall be open to the employer to arrange a special medical examination of an apprentice if he has reason to believe that the apprentice is not really ill or

the illness is not of such a nature as to prevent attendance.

(c) EXTRAORDINARY LEAVE :

- (i) Extraordinary leave upto a maximum of ten days or more in a year may be granted to the apprentice, after he has exhausted the entire casual and medical leave, if the employer is satisfied with the genuineness of the grounds on which the leave is applied for.
- (2) In establishments where proper leave rules exist for workers, the leave to apprentices shall be granted by the employers in accordance with those rules :

Provided that in the case of trade apprentices grant of such leave shall be subject to the following conditions, namely :—

- (a) that every apprentice engaged in an establishment which works for five days in a week (with a total of 45 hours per week) shall put in a minimum attendance of 200 days in a year out of which one sixth, namely 33 days shall be devoted to related instructions and 167 days to practical training ;
- (b) that every apprentice engaged in an establishment which works for 5 1/2 days or six days in a week shall put in minimum attendance of 240 days in a year, out of which one sixth, namely 40 days shall be devoted to related instructions and 200 days to practical training ;
- (c) an apprentice who for any reason is not able to undergo training for the period specified in clause (a) or clause (b), shall be given an opportunity to make up for the shortfall in the following year and shall be eligible to take the test conducted by the National Council—
 - (i) if he is engaged in an establishment referred to in clause (a) only if he has completed the period of training and has put in minimum attendance of 600 days or 800 days accordingly as the period of training is three years or four years;
 - (ii) if he is engaged in an establishment referred to in clause (b) only if he has completed the period of training and has put in a minimum attendance of 720 days or 900 days accordingly as the period of training is three years or four years.

(3) If the trade apprentice is not able to put in the minimum period of attendance specified in clause (c) of the proviso to sub-rule (2) during the period of training for circumstances beyond his control and the employer is satisfied with the grounds for shortfall in attendance and certifies that the apprentice has otherwise completed the full apprenticeship course he shall be considered as having completed the full period of training and shall be eligible to take the test conducted by the National Council.

(4) If a trade apprentice is not able to put in the minimum period of apprenticeship specified in clause (c) of the proviso to sub-rule (2) during the period of training and has not completed the full apprenticeship course he shall not be considered as having completed the full period of training and the employer shall, under sub-rule (2) of rule 7, extend his period of training until he completes the full apprenticeship course and the next test is held.

14. Record and Returns.—(1) Establishments referred to in item (b) and (c) of sub-clause (1) of clause (d) of section 2 of the Act shall submit returns as hereinafter provided to the respective Regional Director.

(2) Establishments referred to in item (b) of sub-clause (2) of clause (d) of section 2 of the Act submit returns as hereinafter provided to the respective State Apprenticeship Adviser.

(3) Within seven days from the date a trade apprentice joins an establishment, the employer shall prepare the return in

Form Apprenticeship-4 in Schedule-III in duplicate and shall submit one return to the Regional Director or State Apprenticeship Adviser, as the case may be, and the other to the Principal or Head of the Institute where Basic Training or Related Instructions shall be imparted.

(4) As soon as a trade apprentice joins the establishment, the employer shall prepare an index card (Envelope) in Form Apprenticeship-1 in Schedule-III in duplicate and shall submit one of the cards to the Regional Director or State Apprenticeship Adviser, as the case may be, within a period of fifteen days of the date of registration of the contract of apprenticeship and retain the other one with him.

(5) (a) Every employer shall maintain a record of Basic Training or Practical Training and Related Instruction in Form Apprenticeship-1A in Schedule-III. Information regarding Basic Training or Practical Training shall be based on the syllabus approved by the Central Apprenticeship Council and operations actually performed by the trade apprentice during the half year under review. Every employer shall send a copy of this report to the Regional Director or the State Apprenticeship Adviser, as the case may be, at the end of every half year, and the said report shall be kept inside Form Apprenticeship-1.

(b) In case where the Basic Training is given to the trade apprentices at an institute set up by the Government, reports during the period of such training, giving the required information shall be furnished to the establishment by the Head of the Institute concerned in Form Apprenticeship-1A in duplicate.

(c) The details relating to "Trade Theory", "Workshop Calculation and Science", "Engineering Drawing" and "Social Studies" shall be entered periodically in Apprenticeship-1A, in Schedule-III by the establishments on the basis of half yearly report which is furnished by the authorities imparting related instructions in Apprenticeship-1 (Supplementary).

(6) At the end of each half year every establishment shall in respect of trade apprentices receiving training in the establishment submit a report in Form Apprenticeship-2 in Schedule-III to the Regional Director or the State Apprenticeship Adviser, as the case may be, accordingly to the table below alongwith the relevant half yearly report in Form Apprenticeship-1A in Schedule-III.

TABLE

Report for period ending	Date by which to be sent
March	15th April
September	15th October

(7) (a) Every employer shall during the months of November and May, submit to the Regional Director or the State Apprenticeship Adviser, as the case may be, the particulars of such trade apprentices who satisfy the minimum conditions of eligibility to appear in the ensuing trade test in March or September and the particulars so submitted shall be in Form Apprenticeship-3 in Schedule-III.

(b) Having scrutinised the eligibility of such trade apprentices, the Regional Director or the State Apprenticeship Adviser, as the case may be, shall inform the employer the programme of the trade test and name of the trade testing centre.

(c) After receiving the information under clause (b) the employer shall furnish the progress reports in Apprenticeship-1 and Apprenticeship-1A in Schedule-III of the eligible trade apprentices to the trade testing officer in advance and not later than seven days before the commencement of the trade test.

(8) Every employer shall maintain a register of attendance of the trade apprentices undergoing apprenticeship training in his establishment and action taken for irregular and unauthorised absence shall be recorded in the said register at the end of each month.

(9) On a Graduate or Technician or Technician (Vocational) apprentice joining an establishment, the employer shall prepare index cards in Form Apprenticeship-5 set out in Schedule-III with complete bio-data and retain one card with himself and forward within ten days from the date of the engagement of the apprentice, one card to each of the following authorities, namely :—

- (i) The Central Apprenticeship Adviser;
- (ii) The Director, Regional Board of Apprenticeship Training concerned; and
- (iii) In the case of Sandwich course student, the technical Institution concerned.

(10) Every employer shall maintain a record of the work done and the studies undertaken by the graduate, technician and technician (Vocational) apprentices engaged in his establishment, for each quarter and at the end of each quarter shall send a report in Form Apprenticeship-6 set out in Schedule-III to the Director, Regional Board of Apprenticeship Training concerned.

SCHEDULE I [See rule 3(i)]

Serial No.	Designated trade	Minimum Educational Qualification	
		Essential	Desirable
1	2	3	4
1. Fitter		Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	..
2. Turner		Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	..
3. Machinist		Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	..
4. Machinist (Grinder)		Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	..

1	2	3	4
5. Pattern Maker	Passed the 8th class examination or its equivalent.		
6. Moulder	Passed the 8th class examination or its equivalent.		
7. Forger and Heat Treater	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.		
8. Sheet Metal Worker	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.		
9. Welder (Gas and Electric)	Passed the 8th class examination or its equivalent.		
10. Motor Vehicle Body Builder	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.		
11. Electrician	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science as one of the subject.		
12. Lineman	Passed the 8th class examination or its equivalent.		
13. Wireman	Passed the 8th class examination or its equivalent.		
14. Auto Electrician	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science.		
15. Electrician (Aircraft)	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.		
16. Winder (Armature)	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.		
17. Cable Jointer	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science subjects.	
18. Electrician (Mines)	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) as one of the subjects or its equivalent or 10th class with Science as one of the subject.		
19. Electroplator	S.S.L.C. or the 10th class under 10+2 system with Science subjects.		
20. Carpenter	Passed the 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science as one of the subjects.	
21. Plumber	Passed the 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) or its equivalent or 10th Class under 10+2 system with Science as one of the subjects.	

1	2	3	4
22. Mason (Building Constructor)	Passed the 8th class examination or its equivalent.	..	
23. Furniture and Cabinet Maker	Passed the 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science as one of the subjects.	
24. Sports Goods Maker (Wood)	Passed the 8th class examination or its equivalent.	..	
25. Mill wright Maintenance Mechanic	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	..	
26. Mechanic Maintenance (Textile Machinery)	Passed Matriculation with Science (with Physics and Chemistry) as one of the subjects or its equivalent or 10th class with Science as one of the subjects.	..	
27. Mechanic Maintenance (Chemical Plant)	Passed Matriculation with Science (with Physics and Chemistry) as one of the subjects or its equivalent or 10th class with Science under 10+2 system.	..	
28. Mechanic Dairy Maintenance	Passed Matriculation with Science (with Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	..	
29. Sewing Machine Mechanic	Passed the 8th class examination or its equivalent.	..	
30. Mechanic Mining Machinery	Passed Matriculation with Science (with Physics and Chemistry) as one of the subjects or its equivalent or 10th class with Science as one of the subjects	..	
31. Tool and Die Maker	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	..	
32. Plastic Mould Maker	Passed Matriculation with Science and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	Passed pre University Course with Science and Mathematics or its equivalent under 10+2 system.	
33. Instrument Mechanic	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	..	
34. Mechanic Instrument Aircraft	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	..	

1	2	3	4
35. Watch and Clock Repairer	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—	
36. Refrigeration and Air Conditioning Mechanic.	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Science and Mathematics as subject.		
37. Mechanic (Motor Vehicle)	Passed the 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Science as one of the subjects.	
38. Mechanic (Diesel)	Passed the 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Science as one of the subjects.	
39. Mechanic (Tractor)	Passed the 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th Class under 10 + 2 system with Science as one of the subjects.	
40. Mechanic (Earth Moving Machinery).	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—	
41. Mechanic (Marine Diesel Engines).	Passed the 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	
42. Driver-Cum-Fitter	Passed 8th class examination or its equivalent. MEDICAL FITNESS : Should satisfy medical fitness requirements specified by the transport licensing authority.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	
43. Draughtsman (Civil)	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Science and Mathematics as subjects.	—	
44. Draughtsman (Mechanical)	Passed Matriculation or its equivalent or 10th Class under 10 + 2 system with Science and Mathematics as subjects.	—	
45. Surveyor	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Science and Mathematics as subjects.	—	
46. Fitter Structural	Passed Matriculation with Science and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Science and Mathematics as subjects.	—	
47. Boiler Attendant	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics as subjects or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Science and Mathematics as subjects.	—	
48. Steam Turbine-Cum-Auxiliary Plant Operator.	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics as subjects or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Science and Mathematics as subjects.	—	

1	2	3	4
49. Switch Board Attendant	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics as subjects or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Science and Mathematics as subjects.	—	
50. Hand Composer	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with proficiency in English and any regional language.	—	
51. Line Operator	Passed Matriculation or is equivalent or 10th Class under 10 + 2 system with proficiency in English and any regional language.	—	
52. Mono Key Board Operator	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with proficiency in English and any regional Language.	—	
53. Mono Caster Operator	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with proficiency in English and any regional language.	—	
54. Letter Press Machine Minder	Passed Matriculation or its equivalent or 10th Class under 10 + 2 system.	—	
55. Process Cameraman	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Physics and Chemistry	—	
56. Retoucher Lithographic	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Physics and Chemistry.	—	
57. Engraver	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Physics and Chemistry.	—	
58. Book Binder	Passed 8th Class examination or its equivalent.	—	
59. Plate Maker (Lithographic)	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Physics and Chemistry as subjects.	—	
60. Litho Offset Machine Minder	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system with Physics and Chemistry as subjects.	—	
61. Cook (General)	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—	
62. Cook (Vegetarian)	Passed Matriculation or its equivalent or 10th Class under 10 + 2 system.	—	
63. Steward	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—	
64. Baker and Confectioner	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—	
65. House Keeper	Passed Matriculation or its equivalent or 10th Class under 10 + 2 system.	—	
66. Hotel Clerk or Receptionist or Front Office Assistant	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
67. Weaver	Passed 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation or its equivalent or passed 10th class under 10+2 system.	—
68. Doffet-Cum-Piecer	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
69. Tenter (Drawing/Speed Fly/Frames).	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
70. Winder (Textile)	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
71. Knitter (Hosiery)	Passed Matriculation or its equivalent or passed 10th class under 10+2 system.	—	—
72. Printing Textile	Passed 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	—
73. Greel Boy-Cum-Warper	Passed 8th Class examination or its equivalent	—	—
74. Back Sizer-Cum-Front Sizer	Passed Matriculation or its equivalent or passed 10th class under 10 + 2 system.	—	—
75. Sirdar (Colliery)	Passed Matriculation with Science (with Physics and Chemistry) as one of the subjects or 10th class with Science as one of the subjects.	—	—
76. Shotfirer/Blaster (Mines)	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—	—
77. Rigger (Engineering and Chemical Industry).	Passed 8th Class examination or its equivalent.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—
78. Mate (Mines)	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) as one of the subjects or its equivalent or 10th class with Science as one of the subjects.	—	—
79. Attendant Operator (Chemical Plant)	Passed Matriculation with Science (with Physics and Chemistry) and Mathematics as subjects or its equivalent or 10th class subjects or its equivalent or 10th class with Science and Mathematics under 10+2 system	—	—
	OR	—	—
	Passed B.Sc. with Physics, Chemistry and Mathematics as subjects.	—	—
80. Instrument Mechanic (Chemical Plant)	Passed Matriculation with Science (with Physics and Chemistry) and Mathematics as subjects or its equivalent or 10th class with Science and Mathematics under 10+2 system.	—	—
	Passed B.Sc. with Physics, Chemistry and Mathematics as subjects.	—	—
81. Laboratory Assistant (Chemical Plant)	Passed Matriculation with Science (with Physics and Chemistry) and Mathematics as subjects or its equivalent or 10th class with Science and Mathematics under 10+2 system.	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
		OR	
		Passed B.Sc. with Physics, Chemistry and Mathematics as subjects.	
82. Designer and Master Cutter		Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—
83. Tailor (Men)		Passed 8th class examination or its equivalent.	—
84. Tailor (Women)		Passed 8th class examination or its equivalent.	—
85. Tailor (General)		Passed 8th Class examination or its equivalent.	
86. Mechanic (Agricultural Machinery).		Passed 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th Class under 10 + 2 system.
87. Horticulture Assistant		Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—
88. Stockman (Dairy)		Passed 10th class examination under 10+2 system with Science or its equivalent.	—
89. Attendant Operator (Dairy)		Passed 10th class examination under 10+2 system with Science and Mathematics or its equivalent.	—
90. Pump Mechanic		Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	—
91. Sports Goods Maker (Leather)		Passed 8th class examination or its equivalent.	—
92. Leather Goods Maker		Passed 8th Class examination or its equivalent.	—
93. Foot Wear Maker		Passed 8th Class examination or its equivalent.	—
94. Finished Leather Maker		Passed 8th class examination or its equivalent.	—
95. Maintenance Mechanic for Leather Industry.		Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) as subjects or its equivalent or passed 10th Class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	—
96. Shipwright (Steel)		Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10 + 2 system.	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or passed 10th class under 10 + 2 system with Science and Mathematics as subjects).
97. Pipe Fitter		Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or 10th Class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	—
98. Rigger		Passed 8th class examination or its equivalent.	Passed 8th Class examination with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics as subjects or its equivalent.

(1)	(3)	(4)
99. Gas Cutter.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.
100. Shipwright (Wood)	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.
101. Boat Builder	Passed 8th class examination or its equivalent.	—
102. Mechanic Radio and Radar Aircraft.	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	—
103. Electronics Mechanic	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science.	—
104. Mechanic Television (Video)	Passed 10th class under 10+2 system with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics as subjects or its equivalent.	—
105. Photographer	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) as one of the subjects or its equivalent or passed 10th class under 10+2 system with Science as one of the subjects.	—
106. Millwright (Rolling Mills)	Passed 8th class examination or its equivalent.	—
107. Brick Layer (Refractory)	Passed 8th class examination or its equivalent.	—
108. Furnace Operator (Steel Industry)	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	—
109. Steel Melting Hand	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Physics, Chemistry and Mathematics.	—
110. Mill-Hand	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Physics, Chemistry and Mathematics.	—
111. Crane Operator (Overhead) (Steel Industry)	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Science and Mathematics as subjects.	—
112. Turner (Steel Industry)	Passed 8th class examination or its equivalent.	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.
113. Beautician	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Biology as one of the subjects.	Passed Higher Secondary or Pre-University Course or +2 under 10+2 system with Biology.

(1)	(2)	(3)	(4)
114. Hair Dresser	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Biology as one of the subjects.	Passed Higher Secondary or Pre-University Course or + under 10+2 system with Biology.	—
115. Health and Slimming Assistant	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system with Biology as one of the subjects.	Passed Higher Secondary or Pre-University Course or +2 under 10+2 system with Biology.	—
116. Ceramic Moulder	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
117. Ceramic Caster	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
118. Ceramic Kiln Operator	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
119. Ceramic Press Operator	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
120. Ceramic Modeller	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
121. Ceramic Decorator	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
122. Clay Toy Maker	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
123. Moulder (Refractory)	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
124. Enamel Glazer	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
125. Insulator Maker/Machine Operator (Ceramic)	Passed Matriculation with Science (Physics and Chemistry) as subjects or its equivalent or 10th class with Science as one of the subjects under 10+2 system.	—	—
126. Optical Worker	Passed Matriculation or its equivalent or 10th class under 10+2 system.	—	—
127. Painter (General)	Passed 8th class examination or its equivalent.	—	—
128. Painter (Marine)	Passed 8th class examination or its equivalent.	Passed 8th class with Science (Physics and Chemistry) and Mathematics or its equivalent.	—

SCHEDULE-IA

[See rule 3 (2)]

Category of Apprentices	Minimum Educational Qualification
1. Graduate Apprentices	<p>(a) A degree in engineering or technology granted by a statutory University.</p> <p>(b) A degree in engineering or technology granted by an institution empowered to grant such degrees by an Act of Parliament.</p> <p>(c) Graduate examination of professional bodies recognised by the Central Government as equivalent to a degree.</p> <p>(d) A Sandwich course student who is undergoing training in order that he may hold a degree in engineering or technology as mentioned at (a) and (b) above.</p>

1	2	3
2. Technician Apprentices	(a) A diploma in engineering or technology granted by a State Council or Board of Technical Education established by a State Government. (b) A diploma in engineering or technology granted by a University. (c) A diploma in engineering or technology granted by an Institute recognised by the State Government or Central Government as equivalent to (a) and (b) above. (d) A Sandwich course student who is undergoing training in order that he may hold a diploma mentioned in (a), (b) & (c) above.	
3. Technician (Vocational) Apprentices	(a) A Certificate in vocational course involving two years of study after the completion of the secondary stage of school education recognised by the All India Council for Technical Education. (b) A Sandwich course student who is undergoing training in order that he may hold a certificate mentioned in (a) above.	

SCHEDULE-II

[See rule (4)]

STANDARD OF PHYSICAL FITNESS FOR TRAINING

(1) A candidate should be free from evidence of any contagious or infectious disease. He should not be suffering from any disease which is likely to be aggravated by service or is likely to render him unfit for service or endanger the health of the public. He should also be free from evidence of tuberculosis in any form, active or healed.

(2) HEIGHT, WEIGHT AND CHEST

Candidates should satisfy the following minimum standards, namely:—

Height : 137 centimetres; Weight : 25.4 Kilogram; Chest expansion should not be less than 3.8 centimetres irrespective of size of chest:

Provide that where a candidate does not satisfy the said minimum standards but is certified in writing by a Medical Officer not below the rank of an Assistant Surgeon (Gazetted), to be physically fit for being engaged as an apprentice in a particular trade under the Apprentices Act, 1961, he may be engaged as an apprentice in that trade.

(3) EYES

There should be no evidence of any morbid condition of either eye or of the lids of either eye which may be liable to risk of aggravation of recurrence.

STANDARD OF VISION

(A) Visual acuity:

The minimum standard of visual acuity for all trades shall be : 6/18 in each eye or 6/12 in one eye and 6/24 in the other eye without glasses or 6/9 with glasses in both eyes.

Candidates with vision in one eye only shall be rejected.

(B) Colour vision:

Not required.

(4) EARS:

Hearing must be good in both ears and there should be no sign of suppurative disease. No hearing aid shall be permitted.

(5) SKIN:

There should be no evidence of acute or chronic skin disease or chronic ulceration.

(6) SPEECH:

Speech should preferably be without impediment.

(7) ALIMENTARY SYSTEM

1. Candidates should have sufficient number of natural teeth (in healthy state) for mastication.
2. Spleen should not be palpably enlarged and there should be no evidence of tenderness in the splenic area.
3. Liver should not be palpable or tender.
4. There should be no oral sepsis.

5. There should be no sugar in the urine.

6. Candidates should not be suffering from haemorrhoids, fissures in and fistulae, anal hernia or bubonocoele or ischio-rectal abscess or hydrocele.

(8) CARDIO VASCULAR SYSTEM

1. Blood pressure should not exceed 85 diastolic and 140 systolic.

2. Candidates with low blood pressure (i.e. systolic below 100) should be rejected.

3. There should be no sign of any cardiovascular disease.

(9) RESPIRATORY SYSTEM

Candidates should be free from all diseases of respiratory system. There should be no deformity of chest which may cause impediment to breathing.

(10) GENITO URINARY SYSTEM

There should be no evidence of genito urinary disease or any abnormality.

(11) SKELETAL SYSTEM

1. The function of all limbs should be within normal limits.

2. There should be no evidence of serious deformity of the spinal column or of the extremities.

(12) NERVOUS SYSTEM

There should be no evidence of any disease of nervous system or of any mental disease.

(13) GLANDULAR SYSTEM

There should be no evidence of tuberculosis or other disease of the glandular system including the endocrine glands.

SCHEDULE-IIA

(See rule 5)

S. No.	Name of State	Ratio of Scheduled Castes Apprentices to the total Apprentices	Ratio of Scheduled Tribes Apprentices to the total Apprentices
1	2	3	4
1.	Andhra Pradesh	1:8	1:20
2.	Assam	1:17	1:9
3.	Bihar	1:7	1:11
4.	Gujarat	1:14	1:7
5.	Haryana	1:5	1:20
6.	Himachal Pradesh	1:5	1:20
7.	Jammu and Kashmir	1:12	1:20
8.	Karnataka	1:8	1:20
9.	Kerala	1:11	1:20
10.	Madhya Pradesh	1:8	1:5
11.	Maharashtra	1:17	1:17
12.	Manipur	1:50	1:3
13.	Meghalaya	1:10	1:2
14.	Nagaland	—	1:2
15.	Orissa	1:7	1:4
16.	Punjab	1:4	1:20
17.	Rajasthan	1:6	1:8
18.	Tamilnadu	1:6	1:20
19.	Uttar Pradesh	1:5	1:20
20.	Tripura	1:8	1:3
21.	West Bengal	1:5	1:17
22.	Andaman & Nicobar Islands	—	1:6
23.	Arunachal Pradesh	—	1:2
24.	Chandigarh	1:8	1:20
25.	Dadar & Nagar Haveli	1:50	1:2
26.	Delhi	1:6	1:13
27.	Goa, Daman & Diu	1:50	1:20
28.	Lakshadweep	—	1:2
29.	Mizoram	—	1:2
30.	Pondicherry	1:6	1:30

SCHEDULE-III
(See rule 14)
FORM APPRENTICESHIP-I
Front Side

PERSONAL DETAILS (Envelope Size 23 cms × 15 cms)

Name and address of the establishment

Registration No. and date of execution of contract of Apprenticeship	Designated Trade	Date/Year of birth	Whether SC/ST	Whether belongs to SC/ST	Photo of Apprentice (passport size)
Period of Training as per contract	Date of Commencement of training	Date of completion of training	Date of completion, if period of training extended		
Name and address of apprentices		Name and address of Father/Guardian		Details of previous training, if any. Name of Industrial Training Institute/Centre:	
Educational qualifications at entry		Designated Trade		Period of Training From To Examination passed from National Council for Training in Vocational Trade—1 year/2 years.	
Examination Passed	Name of School/Institute	Date	Remarks		
Basic Training imparted at	Related Instruction imparted at			Signature of Apprentice Signature of Training Officer	

(Back side)

(I, II & III to be completed by the employer before submitting it to the Trade Testing Officer)

I. Total No. of days of attendance during the entire period of apprenticeship training (i) Practical.....days out of..... (ii) Related Instruction.....days out of..... (iii) Total.....days out of.....		II. Consolidated assessment of half yearly report (APP-IA) during the entire period of apprenticeship training. <table> <tr> <td>Subject</td> <td>% of Sessional Marks</td> </tr> <tr> <td>Trade Theory</td> <td>.....</td> </tr> <tr> <td>W. Cal. & Science</td> <td>.....</td> </tr> <tr> <td>Engg. Drawing</td> <td>.....</td> </tr> <tr> <td>Social Studies</td> <td>.....</td> </tr> <tr> <td>Practical (Basic Training and Shop Training)</td> <td>.....</td> </tr> </table>		Subject	% of Sessional Marks	Trade Theory	W. Cal. & Science	Engg. Drawing	Social Studies	Practical (Basic Training and Shop Training)						
Subject	% of Sessional Marks																				
Trade Theory																				
W. Cal. & Science																				
Engg. Drawing																				
Social Studies																				
Practical (Basic Training and Shop Training)																				
III. Conduct during apprenticeship <div style="border: 1px solid black; height: 40px; width: 100%;"></div>		IV. Exemptions obtained by failed candidates in the NCVT Trade Test with Date/Dates. <table> <tr> <th>Subject</th> <th>Minimum marks required for exemption</th> <th>Exemption obtained with marks</th> </tr> <tr> <td></td> <td></td> <td>I chance Date.... II chance Date....</td> </tr> <tr> <td>Practical (including sessional work)</td> <td></td> <td>280</td> </tr> <tr> <td>Trade Theory (including sessional work)</td> <td></td> <td>72</td> </tr> <tr> <td>Workshop Calculation and Science (including sessional work)</td> <td></td> <td>36</td> </tr> <tr> <td>Engineering Drawing (including sessional work)</td> <td></td> <td>42</td> </tr> </table>		Subject	Minimum marks required for exemption	Exemption obtained with marks			I chance Date.... II chance Date....	Practical (including sessional work)		280	Trade Theory (including sessional work)		72	Workshop Calculation and Science (including sessional work)		36	Engineering Drawing (including sessional work)		42
Subject	Minimum marks required for exemption	Exemption obtained with marks																			
		I chance Date.... II chance Date....																			
Practical (including sessional work)		280																			
Trade Theory (including sessional work)		72																			
Workshop Calculation and Science (including sessional work)		36																			
Engineering Drawing (including sessional work)		42																			
Signature of Training Officer																					

APPRENTICESHIP I

(Supplementary)

Report on Related Instruction for the half year ending _____

From: Name and address of Industrial Training Institute _____

To: Name and address of the Establishment for which Related Instruction of apprentices is being carried out _____

Serial number	Name of Apprentices	Registration No.	Designated trades	Work calculation and Science	Engg. Drawing	Trade Theory	Social Study	Attendance in days	
								Actual	Possible
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

Note:

1. A—Average, BA—Below Average, AA—Above Average, AA—Above 70%, A—50% to 69%, BA—Below
2. In case Basic Training is imparted at the ITI, Form Apprenticeship IA of such apprentices, completed upto March/September may be attached with this report, in duplicate.

FORM APPRENTICESHIP—IA

To be kept inside Form Apprenticeship I

Record of Practical Training and Related Instructions

Name of Establishment Report for the half year ending

Name of apprentice

Registration No.

Designated trade

Name of the ITI for R.I., if the same is not imparted in the establishment,

Serial number of operation as per prescribed list of operations	Name of operation	Months in which operations performed during the half year					
		1	2	3	4	5	6

GRADING

ATTENDANCE IN DAYS

Trade W. Cal. & Science Theory	Engineering Drawing	Social Studies	Practical Instructions	Related
		Actual possible	Actual possible	
Grading	Related Practical Instructions	Signature of Apprentice	Signature of Training Officer	
AA	Above 70% Above 80%			
A	50 to 60% 60 to 70%			
BA	Below 50% Below 60%			

Note: Operations performed during half year should be indicated by putting a tick mark in the month column in which performed.

FORM APPRENTICESHIP-2

Name and address of the establishment

Report for the half year ending
(Name of the Manager/Director

(Name and Designation of the Officer Incharge of Training

Name of Industry
and Standard Industrial Classification Code No. (Minor)

Telex and Telephone No.
Telegraphic Address

Nature of product

Total number of workers

Serial number	Designated Trade	Number of workers other than unskilled workers	Number of apprentices to be engaged	Number of apprentices under training.				Remarks/Reasons for short-fall if any
				Freshers under Basic Training	Freshers under Shop Training	Ex-ITI	Total	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.								
2.								
3.								
4.								
5.								
etc.								

*Apprentices joined during half year

*Apprentices completed training during half year.

*Apprentices whose contracts terminated during half year.

10

11

12

1.
2.
3.
4.
5.
etc.

Number of apprentices under training

Arrangement of Related Instructions on

- (i) Day Release Basis
- (ii) Block Release Basis
- (iii) Any other Basis

Total number of Apprentices
 Scheduled Castes Apprentices
 Scheduled Tribes Apprentices
 Physically Handicapped Apprentices
 Women Apprentices

Apprentices under column 5 above are undergoing Basic
 Training at

(Name of the Basic Training Centre)

Apprentices under column 8 above are undergoing Related
 Instructions at own establishments in trades at Sl. Nos.
 at, ITI
 In Trades at Sl. Nos.

Dated :

Signature of Employer

FORM APPRENTICESHIP-3 (Half Yearly)
 NOTIFICATION OF DUE COMPLETION

Name of Establishment

The apprentices whose particulars are given below are due to complete their period of training on dates shown against each in accordance with the provisions of the Apprentices Act, 1961.

They are being sponsored to appear in the All India Trade Test to be held in March/September

Serial number	Name of the apprentice and his father's name	Registration number	Designated trade	Date of commencement of training.	Date of completion
1	2	3	4	5	6

Attendance (Likely) on the date of completion of training		Maximum possible attendance i.e. total working days of the establishment.	Conduct (Very good/Good/Satisfactory)	Remarks
Practical	Related Instructions			
7	8	9	10	11

Progress record of these apprentices in Form APP-I and APP-IA will be submitted to the Trade Testing Officer for evaluation of sessional marks at the time of Trade Test.

Apprentices who also complete their period of training in March/September, but whose candidature has been with held, due to other conditions of eligibility not being fulfilled, are given below, with the reasons therefore. These apprentices have been informed accordingly.*

Signature of Employer

*In case the period of apprenticeship of these apprentices is being extended under Rule 7(2) of the Apprenticeship Rules, 1991, same may be indicated.

(Half yearly)

Name and Address of the Establishment

The apprentices whose names and particulars are noted below have been engaged for undergoing apprenticeship training under the Apprentices Act, 1961 at this Establishment during February/August, 19 . They are qualified to be engaged as apprentices and satisfy the minimum requirements as laid down under the rules.

Serial number	Name of Apprentice	Educational qualification	If ex-ITI boy the particulars of trade and ITI			Name of corresponding designated trade joined.	Date of joining	Remarks
			Name of ITI	Trade	Period of training			
					From To			

N.B. : The contracts of apprenticeships in respect of the above mentioned apprentices are in the process of execution and will be forwarded within one month.

Signature of Employer/Training Officer
(Name and Designation)

To

1. The State Apprenticeship Adviser or the Regional Director.
2. The Principal, Industrial Training Institute where Basic Training/Related Instructions is proposed to be imparted to the apprentice. The apprentices marked (*) will be released on Day/Block release basis for Related Instructions at your Institution.

FORM APPRENTICESHIP-5

To be submitted within ten days from the date of engagement of apprentice—applicable only to Graduate or Technician or Technician (Vocational) Apprentices.

Please state whether the apprentice is a student of Sandwich course.

Yes/No

Personal Details

Name and Address of Establishment	Nature of Industry and Standard Industrial Classification Code No.
-----------------------------------	--

Registration No. and date of contract of apprenticeship	Subject filed in engineering/technology/vocational course	Date of commencement of training.
---	---	-----------------------------------

Name and address of apprentice	Name and address of guardian	Photo of apprentice passport size.
--------------------------------	------------------------------	------------------------------------

Educational and qualification at entry

Date and year of birth	Examination passed	Name of Institution	Date of passing	Remarks.
------------------------	--------------------	---------------------	-----------------	----------

Period of training

Date of completion of training

Rate of stipend to be paid

APPRENTICESHIP-6

RECORD OF PROGRESS OF APPRENTICE :

(To be submitted once in a quarter in respect of graduate or technician or technician (vocational) apprentices)

Name	Registration No.
Subject field in Engineering or Technology or Vocational course.....	Under Training at
Date of Commencement.....	
Area of Training during the quarter	
Progress report for quarter.....to	
(i) Aptitude for training	
(ii) Performance during the quarter	
(iii) Shortcomings, if any	
(iv) Reaction of trainee to corrective action at (iii) above	
(v) Assessment	
Excellent Above Average Average Below Average (Strike out those not applicable)	
Signature of Officer Executive Incharge of Training Remarks.	

Signature of Manager of the
Industry/Establishment.

SCHEDULE-IV

(See rule 9)

1. In case of Trade Apprentices :

- (a) Must possess a degree or diploma in engineering or technology or equivalent qualification recognised by Government of India.

OR

- (b) National Apprenticeship Certificate with minimum five years experience.

2. In the case of Graduate Apprentices :

Must hold a degree in engineering or technology or equivalent qualification as recognised by the Government of India.

3. In the case of Technician and Technician (Vocational) Apprentices :

Must hold degree or diploma in engineering or certificate in vocational courses or equivalent qualification recognised by the Government of India.

4. The person placed in over all charge of training of apprentices may be assisted by such number, as is considered necessary, of shop floor or workshop personnel who have practical know how to guide the apprentices. It is desirable that the person in charge should have industrial experience.

5. Desirable qualification in the case of 1, 2 and 3 above :

Training in Central Staff Training and Research Institute/ Technical Teacher Training Institute/Central Training Institute.

SCHEDULE V

(See rule 6)

I. Obligations of Employer (both in the case of Major and Minor Trade Apprentices) :

(Under section II of the Apprentices Act, 1961).

- (1) The employer shall make suitable arrangements in the workshop for imparting a course of practical training to the apprentice in accordance with the programme approved by the Central/State Apprenticeship Adviser and the syllabus approved by the Central Government in consultation with the Central Apprenticeship Council.

- (2) (a) Such of those employer as specified in sub-section (4) of section 9 shall make suitable arrangements to impart course of basic training to the apprentice in accordance with the syllabus approved by the Central Government in consultation with the Central Apprenticeship Council, either in separate parts of the workshop building or in a separate building set up by the employer;

- (b) Such of the employer as specified in sub-section (5) of section 9 shall make suitable arrangements in a training institute set up by the Government for imparting a course of basic training to the trade apprentice in accordance with the syllabus approved by the Central Government in consultation with Central Apprenticeship Council.

- (3) The employer shall release the apprentice for receiving related instructions as required by section 10 of the Apprentices Act, 1961, treating any time spent in attending such classes as part of his paid period of work.

- (4) (a) The employer shall pay stipend to the apprentice at the rate as specified from time to time under rule II of the Apprenticeship Rules, 1991.

- (b) The stipend for a particular month shall be paid by the 10th day of the following month. No deduction shall be made from the stipend for the period during which the apprentice remains on casual or medical leave. Stipend shall, however, not be paid for the period for which the apprentice remains on extraordinary leave.

- (5) (a) The weekly hours of work of an apprentice while undergoing practical training shall be as follows :—

- (i) The total number of hours per week shall be 42 to 48 hours (including the time spent on related instructions);
- (ii) apprentice during basic training shall ordinarily work for 42 hours per week including the time spent on related instructions;
- (iii) apprentice during the second year of apprenticeship shall work for 42 to 45 hours per week including the time spent on related instructions;
- (iv) apprentice during the third and subsequent years of apprenticeship shall work for the same number

of hours per week as the workers in the trade in the establishment in which the apprentice is undergoing apprenticeship training :

Provided, however, that short term apprentice may be engaged to work upto a limit of 40 hours per week.

- (b) No apprentice other than a short term apprentice, shall be engaged on such training between the hours of 10 p.m. and 6 a.m. except with the prior approval of the apprenticeship Adviser who may give his approval if he is satisfied that it is in the interest of the training of the apprentice or in public interest.

(6) Where the contract of apprenticeship is terminated on account of failure on the part of the employer to carry out the terms and conditions of the contract, he shall pay to the apprentice or his guardian (in the case of a minor) compensation in accordance with the rates as specified under rule 8 of the Apprenticeship Rules, 1991.

(7) The employer shall allow leave to the apprentice as under :—

- (i) Casual leave for a minimum period of 12 days in a year. Any holidays intervening during the period of casual leave shall not be counted for the purpose of the limit of 12 days. Casual leave not used during any year shall stand lapsed at the end of the year.
- (ii) Medical leave upto 15 days for each year of training shall be granted to the apprentice who is unable to attend duty owing to illness. The unused leave may be allowed to accumulate upto a maximum of 40 days. Any holidays intervening during the period of medical leave shall be treated as medical leave. The employer may call upon the apprentice to produce a medical certificate from a registered medical practitioner, as defined in the Apprenticeship Rules, 1991, in support of his medical leave. A medical certificate shall, however, be necessary if the leave exceeds 6 days. It shall be open to the employer to arrange a special medical examination of the apprentice if he has reason to believe that the apprentice is not really ill or the illness is not of such a nature as to prevent his attendance.
- (iii) Casual leave shall not be combined with medical leave. If casual leave is preceded or followed by medical leave, the entire leave taken shall be treated as either medical or casual leave, provided that it shall not be allowed to exceed the maximum period prescribed in respect of medical or casual leave, as the case may be.
- (iv) Extraordinary leave upto a maximum of 10 days or more in a year may be granted to the apprentice, after he has taken the entire medical or casual leave if the employer is satisfied with the genuineness of the grounds on which the leave is applied for.
- (v) (a) The apprentice engaged in an establishment which works for five days in a week (with a total of 45 hours per week) shall put in a minimum attendance of 200 days in a year on training, out of which one-sixth, namely, 33 days, shall be devoted to related instructions and 167 days to practical training;
- (b) the apprentice engaged in an establishment, which works for 5-1/2 days or 6 days in a week shall put in a minimum attendance of 240 days in a year on training, out of which one-sixth, namely 40 days shall be devoted to related instructions and 200 days to practical training.
- (vi) The apprentice, who for any reason is not able to undergo training for the period specified in sub-clause shall be given an opportunity to make up for the shortfall in the following year and shall be eligible to take the test conducted by the National Council—
 - (a) only if he has completed the period of training and has put in a minimum attendance of 600 days

or 800 days accordingly as the period of training is three years or four years, as the case may be, in an establishment which works for 5 days in a week.

OR

- (b) only if he has completed the period of training and has put in a minimum attendance of 720 days or 960 days accordingly as the period of training is three years or four years, as the case may be, in an establishment which works for 5-1/2 days or 6 days in a week.
 - (vii) If the apprentice is not able to put in the minimum period of attendance specified in sub-clause (v) during the period of training for circumstances beyond his control and the employer is satisfied with the grounds for shortfall in attendance and certifies that the apprentice has otherwise completed the full apprenticeship course, he shall be considered as having completed the full period of training and shall be eligible to take the test conducted by the National Council;
 - (viii) If the apprentice is not able to put in the minimum period of attendance specified in sub-clause (vi) during the period of training and has completed the full apprenticeship course, he shall not be considered as having completed the full period of training and the employer shall under sub-rule (2) of rule 7 extend his period of training unless he completes full apprenticeship course and the next test is held.
 - (8) The employer shall allow to the apprentice such holidays as are observed in the establishment.
 - (9) If personal injury is caused to an apprentice by accident arising out of and in the course of his training as an apprentice, the employer shall pay to the apprentice compensation in accordance with the provisions of the Workmen's Compensation Act, 1923, subject to the modifications specified in the Schedule to the Apprentices Act, 1961.
- II. Obligations of Trade Apprentice (both in case of Major and Minor Trade Apprentices) (Under Section 12 of Apprentices Act, 1961).
- (1) The apprentice shall abide by the rules and regulations of the establishment in all matters of conduct and discipline and carry out all lawful orders of the employer and superiors in the establishment.
 - (2) The apprentice shall conduct himself as a trainee and not as a worker, learn his trade conscientiously and diligently and endeavour to qualify himself as a skilled Craftsmen in his trade before the expiry of the period of training. Save as provided in the Apprentices Act, 1961, provisions of any law with respect to labour will not be applicable to him.
 - (3) The apprentice shall attend practical (basic and shop-floor training and related instructions classes regularly.
 - (4) The apprentice shall appear for periodical tests that may be conducted by the employer or other authorities concerned by the National Council for Vocational Training for award of a certificate of proficiency in the trade.
 - (5) In the event of premature termination of contract of apprenticeship for failure on the part of the apprentice to carry out the terms and conditions of contract, the surety or the guardian may be bound to pay the employer such amount as may be determined by the Central/State Apprenticeship Adviser as and towards the cost of training in accordance with rates as specified under rule 8 of the Apprenticeship Rules, 1991.
 - (6) Except in case of extreme urgency the apprentice shall submit applications for all leave except medical leave to the appropriate authority and obtain sanction before the leave is taken.
 - (7) The apprentice, his/her guardian (in case of minor) declares that no other contract of apprenticeship subsists already between him and any other employer (in respect of minor apprentice, by the guardian) and undertakes that he

shall not enter into any other contract of apprenticeship with any other employer (in respect of minor apprentice, by the guardian) before the expiry or termination of the contract of apprenticeship.

(8) The apprentice or his/her guardian (in case of minor) shall not enter into any other contract of apprenticeship with any other employer in respect of the apprentices mentioned in the first recital before the expiry or termination of the contract of apprenticeship.

(9) The first six months of the period of apprenticeship training shall be treated as period on probation. Either party may make an application to the Central/State Apprenticeship Adviser for the earlier termination of contract and when shall send by post a copy thereof to the other party to the contract. The Central/State Apprenticeship Adviser after considering the contents of the application and objectives, if any, filed by the other party, may terminate the contract, if he is satisfied that the parties to the contract, if any, of them have or has failed to carry out the terms and conditions of the contract and that it is desirable in the interests of the parties or any of them to terminate the same. Provided that the amount as stated in paras I(6) and II(5) of this schedule shall become payable by one party to the other accordingly as the failure is on the part of the employer or the apprentice :

Provided further that no compensation shall be payable by the employer to the guardian of the apprentice if the employer makes an application to the Central/State Apprenticeship Adviser during the period the apprentice is on probation for the termination of the contract on the ground that the apprentice on the trade in which he has been engaged and that his guardian has refused to allow him to undergo apprenticeship training in another designated trade for which he is found suitable by the employer and if the Central/State Apprenticeship Adviser, after considering the contents of the application of the employer and the objections, if any, filed by the other party is satisfied that it is desirable in the interests of the parties or any of them to terminate the contract.

(10) It shall not be obligatory on the part of the employer to offer any employment to the apprentice on completion of period of his apprenticeship training in his establishment nor shall it be obligatory on the part of the apprentice to accept an employment under the employer.

(11) Any disagreement or dispute between the employer and the guardian of the apprentice arising out of the contract shall be referred to the Central/State Apprenticeship Adviser, for decision and any person aggrieved by the decision of the Central/State Apprenticeship Adviser, may, within 30 days from the date of communication to him of such decision, prefer an appeal against the decision to the Central/State Apprenticeship Council and such appeal shall be heard and determined by the Committee of that Council appointed for the purpose. The decision of such Committee shall be final.

SCHEDULE VI

(See rule 6)

TERMS AND CONDITIONS OF THE CONTRACT OF APPRENTICESHIP FOR GRADUATE, TECHNICIAN AND TECHNICIAN (VOCATIONAL) APPRENTICES

1. The period of training shall be one year (in the case of Sandwich students, the period of training shall be stipulated in the curriculum).

2. It shall not be obligatory on the part of the employer to offer any employment to the apprentice on completion of period of apprenticeship training in his establishment nor shall it be obligatory on the part of the apprentice to accept an employment under the employer.

Note :—If, however, there is a condition in the contract of Apprenticeship that the apprentice shall,

after the successful completion of training serve the employer, the employer shall, on such completion be bound to offer suitable employment to the apprentice and the apprentice shall be bound to serve the employer in that capacity for such period and for such remuneration as may be specified in the contract subject to the approval of the Central Apprenticeship Adviser.

3. Every apprentice undergoing apprenticeship training in an establishment shall be a trainee and not a worker and as such the provisions of any law with respect to labour shall not apply to or in relation to such apprentice.

4. (i) The apprentice shall abide by the rules and regulations of the establishment in all matters of conduct and discipline and safety and carry out all lawful orders of the employer and superiors in the establishment.

(ii) The apprentice shall learn his subject filed conscientiously and diligently and attend to practical and instructional classes regularly.

(iii) The apprentice shall maintain a record of his work during the period of his apprenticeship training in a proforma approved by the Apprenticeship Adviser.

(iv) Where the contract of apprenticeship is terminated for failure on the part of the apprentice to carry out the terms of contract, the apprentice shall refund to the employer as cost of training such amount as may be determined by the Apprenticeship Adviser. In such event, the apprentice shall not be entitled to enter into another contract of Apprenticeship under the Act with any other employer.

(v) The contract of apprenticeship can be terminated without compensation payable to the apprentice :—

(a) If he/she secures gainful employment (on production of copy of the appointment order); and

(b) If he/she is unable to continue training on medical grounds (on production of a certificate to this effect from a Medical Officer not below the rank of Civil Surgeon).

(vi) For breach of contract by the employer, the employer shall pay compensation to the apprentice in accordance with rates specified under rule 8 of these rules.

(vii) Continuance of payment of stipend shall depend on satisfactory performance of the apprentice during the training period.

5. (i) The employer shall make suitable arrangement in his establishment for imparting a course of apprenticeship training to the apprentice in accordance with the provisions of the Act and rules made thereunder and with the approval of the respective Regional Central Apprenticeship Adviser.

(ii) Every employer is required to formulate a "Training Programme" for the training of Graduate/Technician/Technician (Vocational) Apprentices and get it approved by the respective Regional Central Apprenticeship Adviser.

(iii) The employer will arrange for a suitable person to be placed in charge of training of apprentices as laid down under the Act and the rules made thereunder.

6. (i) A Graduate, Technician and Technician (Vocational) apprentice shall work according to the normal hours of work of the department in the establishment to which he/she is attached for training. They will be eligible for 12 days of Casual Leave and 15 days of Medical Leave with payment of stipend. Extraordinary Leave upto 10 days with or without payment of stipend may be granted at the discretion of the establishment.

(ii) The stipend for a particular month shall be paid before the 10th day of the following month.

[No. DGET-2(7)/90-AP]

M. N. VARADARAJAN, Dy. Secy.

विद्युत् और प्रापारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय
(विद्युत् विभाग)
केन्द्रीय विद्युत् बोर्ड

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1992

सा. का. नि. 357.—भारतीय विद्युत् नियम, 1956 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिन्हें केन्द्रीय विद्युत् बोर्ड, भारतीय विद्युत् अधिनियम, 1910 (1910 का 9) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करता है, उक्त अधिनियम की धारा 38 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उमसे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिवस के समय पर या उसके पश्चात् उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप के संबंध में पूर्वोक्त नब्बे दिवस की अवधि से पहले किसी व्यक्ति से प्राप्त किन्हीं आशेषों और सुझावों पर केन्द्रीय विद्युत् बोर्ड विचार करेगा।

आक्षेप और सुझाव, यदि कोई हों, सचिव, केन्द्रीय विद्युत् बोर्ड, एस-907, सेवा भवन, आर. के. पुरम, नई दिल्ली-110066 को भेजे जा सकते हैं।

(प्रारूप नियम)

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय विद्युत् (संशोधन) नियम, 1992 है।

2. भारतीय विद्युत् नियम, 1956 में—

(1) नियम 2 के उपनियम (1) में खण्ड (प) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(प)” ज्वालासह “आवरण” से विद्युत् मशीनरी या यंत्र के लिए कोई ऐसा आवरण अभिप्रेत है जो उस स्थिति में जबकि आवरण या अन्य प्रवेश द्वार उचित रूप से संरक्षित हों आवरण के भीतर उत्पन्न होने वाली या प्रवेश कर सकने वाली ज्वलनशील गैस या वाष्प के किसी आंतरिक विस्फोट से क्षति पहुंचे बिना और आवरण में किसी जोड़ या अन्य संरचनात्मक प्रवेश के माध्यम से जिसमें कि वह उपयोग के लिए अभिकल्पित है आंतरिक ज्वलनशीलता (या विस्फोट) के बाह्य ज्वलनशील गैस या वाष्प से संपर्क में आए बिना, प्रतिरोध करेगा।

(2) नियम 29 के उपनियम (1) में “कामियों और संपत्ति” शब्दों के स्थान पर “मनुष्यों, पशुओं और संपत्ति” शब्द रखे जाएंगे।

(3) नियम 33 में,—

(क) उप नियम (1) के पहले परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

परन्तु प्रदायकर्ता की भूसंपर्कण व्यवस्था के साथ-साथ कोई उपभोक्ता या किन्हीं उपभोक्ताओं का समूह जिनका संयोजित

भार 2 किलोवाट और अधिक है उसकी या उनकी स्वयं की स्वतंत्र इलेक्ट्रोड के साथ भूसंपर्कण प्रणाली की व्यवस्था होगी और उसका अनुरक्षण होगा।

(4) नियम 45 में,

(क) उप नियम (1) में, “उपभोक्ता, स्वामी या अधिभोगी” शब्दों के स्थान पर “उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, स्वामी या अधिभोगी” शब्दों को रखा जाएगा;

(ख) उप नियम (1) में परन्तुक में, “उपभोक्ताओं, स्वामियों या अधिभोगियों” शब्दों के स्थान पर “उपभोक्ताओं, प्रदायकर्ताओं, स्वामियों या अधिभोगियों” शब्दों को रखा जाएगा;

(5) नियम 47 के पश्चात् निम्नलिखित नियम 47क अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“47क. उत्पादन एककों का संस्थापन और परीक्षण :—

(1) जहाँ कोई उपभोक्ता या अधिभोगी उत्पादन संयंत्र संस्थापित करता है वह संयंत्र स्थापित करने के उसके आशय की तीस दिवस की सूचना प्रदायकर्ता के साथ-साथ निरीक्षक को देगा। निरीक्षक द्वारा संस्थापन का निरीक्षण और परीक्षण किया जाएगा तथा बिना उपर लिखित अनुमोदन के संस्थापित नहीं किया जाएगा :

परन्तु 5 किलोवाट तक की क्षमता के उत्पादन संयंत्र के लिए कोई अनुमोदन अपेक्षित नहीं होगा :

परन्तु यह और कि उपभोक्ता या अधिभोगी 5 किलोवाट से अधिक परन्तु 10 किलोवाट तक की क्षमता के अपने उत्पादन संयंत्र का स्थापन यदि निरीक्षक द्वारा पूर्वोक्त 30 दिवस की अवधि के भीतर निरीक्षण नहीं किया जाता है तो सूचना की 30 दिवस की अवधि के पश्चात् करेगा।

परन्तु यह और भी कि कोई उपभोक्ता या अधिभोगी 10 किलोवाट से अधिक क्षमता के अपने उत्पादन संयंत्र का स्थापन निरीक्षक की बिना लिखित पूर्व अनुमति के नहीं करेगा।

(2) निरीक्षक लिखित में अपना पूर्व अनुमोदन देने से पहले यह सुनिश्चित करेगा कि समुचित स्थिति परिवर्तन या अंतर्बंधन युक्तियों द्वारा अनवधान समानांतर विभिन्न पूर्तियां न हो।”

(6)(क)(i) नियम 50 के उप-नियम (1) के खंड (क) में “और उसके यथासंभव निकट” शब्दों का लोप किया जाएगा;

(ii) खंड (च) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा,—

“(छ) उन सभी संस्थापनों में जिनमें विद्युत् मोटर और अन्य प्रतिघाती भार हैं और जिनकी संयुक्त रेटिंग 5 किलो-

वाट और अधिक है में उपयुक्त कैपेसिटर या युक्तियों की व्यवस्था की जाएगी जिससे अनुमत निर्गम पर 0.90 से कम शक्ति गुणांक न हो :

परन्तु इस खंड के उपबंध ऐसी तारीख को प्रवृत्त होंगे जो कि समुचित सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे परन्तु ऐसी तारीख भारतीय विद्युत् (संशोधन) नियम, 1992 के लागू होने की तारीख से तीन वर्ष पश्चात् की तारीख नहीं होगी ।”

(ख) उप नियम (2) में, “उपभोक्ता या सर्वाधिक संस्थापन का स्वामी” शब्दों के स्थान पर “उपभोक्ता, प्रदायकर्ता या संबंधित संस्थापन का स्वामी” शब्द रखे जाएंगे ।

(7) नियम 57 के उप नियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“(1) धारा 26 के अनुसार उपभोक्ता परिमर में लगाया गया कोई मीटर या अधिकतम मांग उपदर्शक या अन्य यंत्र समुचित क्षमता का होगा और यदि संपूर्ण भार के दसांश से अधिक सभी भारों पर और संपूर्ण भार तक उसकी त्रुटि सीमा नीचे विनिर्दिष्ट त्रुटि सीमा के भीतर है, तो मही मानी जाएगी :

निम्न और मध्यम वोल्टता उपभोक्ता	$\pm 2\%$
उच्च वोल्टता उपभोक्ता	$\pm 1\%$
अति उच्च वोल्टता उपभोक्ता	$\pm 0.5\%$

(8) नियम 58 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“58. ऊर्जा की पूर्ति का आरंभ बिन्दु—नियम 50 के अधीन उपभोक्ता द्वारा संस्थापित कट आउट के आगामी टर्मिनल को उपभोक्ता को ऊर्जा की पूर्ति का आरंभ बिन्दु माना जाएगा ।”

(9) नियम 61क में, “पांच किलोवाट” शब्दों के स्थान पर “दो किलोवाट” शब्द रखे जाएंगे ।

(10) नियम 89 के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु निम्न और मध्यम वोल्टता कनेक्शनों की दशा में प्रतिपालक अंश निष्कासनों की संख्या चार से अधिक नहीं होगी ।”

(11) नियम 110 के स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजन के लिए “इंजीनियर” शब्द स—

(क) कोयला खान की दशा में, वही अर्थ होगा जो उसका कोयला खान विनियम, 1957 में है;

(ख) धातुत्पादक खान की दशा में, वही अर्थ होगा जो उसका धातुत्पादक खान विनियम, 1961 में है; और

(ग) तेल खान की दशा में, तेल खान विनियम, 1984 के अधीन “संस्थापन प्रबंधक” अभिप्रेत है ।”

(12) नियम 114 के उपनियम (2) में “सूखा निर्मित किया जाएगा और उसे सूखा रखा जाएगा” शब्दों के स्थान पर “सूखा तथा दीपित निर्मित किया जाएगा और उसे सूखा तथा दीपित रखा जाएगा” शब्द रखे जाएंगे;

(13) नियम 116 के उपनियम (3) में “संरक्षण प्रणाली की प्रभावशीलता की” शब्दों के स्थान पर “संरक्षण प्रणाली की प्रभावशीलता बनाई रखी जाएगी तथा अनुरक्षण की जाएगी और प्रत्येक” शब्द रखे जाएंगे ।

(14) नियम 119 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“119. ट्रांसफार्मर—जहां ऊर्जा का रूपांतरण किया जाता है वहां उच्चतर वोल्टता यंत्र से क्षरण या संपर्क द्वारा निम्नतर वोल्टता वाले यंत्र के अकस्मात् उसकी प्रसामान्य वोल्टता से अधिक आवेशित हो जाने के कारण खतरे के विरुद्ध रक्षा के लिए उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी ।”

(15) नियम 121 में,—

(क) उप नियम (1) में, “खान या तेल क्षेत्र की सतह पर” शब्दों का लोप किया जाएगा ।

(ख) उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

परन्तु डिग्री 2 और डिग्री 3 के गैसीय कोयला सीवन की दशा में विद्युत् द्वारा प्रचालित भूयंत्र यांत्रिक संवातक को स्विचगियर के साथ अन्तःबद्ध किया जाएगा जिससे मुख्य यांत्रिक संवातक के रूकने की स्थिति में विद्युत् का प्रदाय स्वतः वियोजित हो सके ।”

(16) नियम 123 के उपनियम (7) के दूसरे परन्तुक में “बेचबों और खनित्रों” शब्दों के स्थान पर “विद्युत् प्रचालित भारी मिट्टी हटाने वाली मशीनें” शब्द रखे जाएंगे;

(17) नियम 124 में निम्नलिखित परन्तुक अन्त में जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु भूमिगत खानों में प्रयोग में आने वाली सभी बहनीय या परिवहनीय मशीनें पायलट क्रोड सुरक्षा के साथ संबंधित स्विचगियर से सुदूर नियंत्रण द्वारा परिचालित होंगी

(18) नियम 126 में,—

(क) उप-नियम (4) में खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित अन्त में जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“और ऐसा यंत्र नियंत्रण स्विच के साथ इस प्रकार अन्तः-बद्ध किया जाएगा जिससे उस विशिष्ट जिले में ज्वलनशील गैस का प्रतिशत एक सही एक बटा चार से अधिक होने की स्थिति में विद्युत् का प्रदाय स्वतः वियोजित हो सके ।”

(ख) इस प्रकार संशोधित परन्तुक में शब्द "साधितों" और "साधित" दोनों स्थानों पर, जहाँ-जहाँ वे आते हैं वे स्थान पर "यंत्र" शब्द रखा जाएगा ;

(ग) उप नियम (5) में खंड (i) के पश्चात् और विद्यमान परन्तुक में पहले निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"उस तेल-खान में जिनमें ज्वलनशील गैस का सांद्रण उसके निम्नतम विस्फोटक सीमा का 20 प्रतिशत से अधिक हो जाता है उन सभी कोश और यंत्रों में जो संस्थापन में 30 मीटर के भीतर है विद्युत् ऊर्जा का प्रदाय तुरन्त बन्द कर दिया जाएगा और उस क्षेत्र में ज्वलन के सभी स्रोतों को भी हटा दिया जाएगा । जब तक क्षेत्र को गैस मुक्त नहीं कर दिया जाता है सामान्य कार्य किए में चालू नहीं किया जाएगा ।"

(19) नियम 128 के खंड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(घ) अनावृत जालक जहाँ प्रयोग किए गए हैं समुचित विद्युत् रोधकों में संस्थापित किए जाएंगे ।"

(20) नियम 130 में परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक और जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह और कि अभिसंपर्कित न्यूट्रल प्रणाली की दशा में निरीक्षक के अनुमोदन में पर्याप्त संरक्षण की व्यवस्था की जाएगी ।"

(21) नियम 134 के उपनियम (1) में "50(1) (क)(ख) और (घ), 51(1)" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक के स्थान पर "50(1)(क)(ख) और (घ), 50क (2), 51(1)" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे ।

(22) परिशिष्ट 12 में क्रम संख्यांक 1 और उससे संबंधित परिशिष्ट के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"1. विद्युत् पर्यवेक्षक का नाम"

[सं. सीईबी/पी पी—30/92]

बी. एम. रेड्डी, सचिव, के. वि. बो.

MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES

(Department of Power)

CENTRAL ELECTRICITY BOARD

New Delhi, the 21st July, 1992

G.S.R. 357.—The following draft of certain rules further to amend the Indian Electricity Rules, 1956 which the Central Electricity Board proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 37 of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), is hereby published as required by sub-section (1) of Section 38 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration on or after the expiry of ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft, before the expiry of the aforesaid period of ninety days shall be considered by the Central Electricity Board.

Objections or suggestions, if any, may be sent to the Secretary, Central Electricity Board, S-907, Sewa Bhawan, R. K. Puram, New Delhi-110066.

(DRAFT RULES)

1. (1) These rules may be called the Indian Electricity Rules, 1992.

2. In the Indian Electricity Rules, 1956,—(1) in rule 2, in sub-rule (1), after clause (u), the following clause shall be inserted, namely:—

"(uu) "Flameproof Enclosure" means an enclosure for electrical machinery or apparatus that will withstand, when the covers or other access doors are properly secured, an internal explosion of the flammable gas or vapour which may enter or originate inside the enclosure, without suffering damage and without communicating the internal inflammation (or explosion) to the external flammable gas or vapour in which it is designed to be used, through any joints or other structural openings in the closure."

(2) in rule 29, in sub-rule (1), for the words "personnel and property" the words "human beings, animals and property" shall be substituted;

(3) in rule 33, in sub-rule (1) for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that in addition to the earthing arrangements of the supplier, a consumer or a group of consumers having a connected load of 2 KW and above shall provide his or its own earthing system with an independent electrode and maintain the same."

(4) in rule 45,—

(a) in sub-rule (1), for the words "Consumer, owner or occupier", the words "Consumer, supplier, owner or occupier" shall be substituted;

(b) in the proviso to sub-rule (1), for the words "Consumers, owners or occupiers", the words "Consumers, suppliers, owners or occupiers" shall be substituted;

(5) after rule 47 the following rule shall be inserted, namely:—

"47A. Installation and testing of Generating Units.—(1) Where any consumer or occupier installs a generating plant, he shall give in writing thirty days' notice to the supplier as well as to the Inspector of his intention to commission the plant, and the installation shall be inspected and tested by the Inspector and shall not be commissioned without his approval in writing :

Provided that no approval shall be required for a generating plant of a capacity not exceeding 5 KW.

Provided further that the consumer or occupier shall commission his generating plant of a capacity exceeding more than 5 KW but not exceeding 10 KW after the expiry of the said notice if inspection is not carried out by the Inspector within the aforesaid period of 30 days;

Provided also that no consumer or occupier shall commission his generating plant of a capacity exceeding 10 KW without the approval in writing of the Inspector.

(2) Before giving his approval in writing, the Inspector shall ensure that inadvertent paralleling of different supplies is prevented by installing appropriate change over switches or inter-locking devices."

(6) in rule 50,—(a) in sub-rule (1)—(i) in clause (a), for the words "are placed as near as possible to", the words "are placed at" shall be substituted;

(ii) after clause (f), the following shall be inserted, namely:—

“(g) All installations having electric motors and other reactive loads with a combined rating of 5 KW and above shall be provided with suitable capacitors or devices so as not to have a power factor less than 0.90 at the rated output;

Provided that the provisions of this clause shall come into force on such date as the appropriate Govt. may, by notification in the official Gazette specify, but such date shall not be a date later than three years from the date of commencement of the Indian Electricity (Amendment) Rules, 1992.”;

(b) in sub-rule (2), for the words “Consumer or the owner”, the words “consumer, supplier or the owner” shall be substituted;

(7) in rule 57, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(1) any meter or maximum demand indicator or other apparatus placed upon a consumer's premises in accordance with section 26 shall be of appropriate capacity and shall be deemed to be correct if its limits of error are within the limits specified below at all loads in excess of one-tenth of full load and upto full load:

Low and Medium Voltage consumers	± 2%
High Voltage consumers	± 1%
Extra High Voltage Consumers	± 0.55%

(8) for rule 58, the following shall be substituted, namely:—

“58. Point of commencement of supply.—The point of commencement of supply of energy to a consumer shall be deemed to be the point at the incoming terminal of the cut-outs installed by the consumer under rule 50”;

(9) in rule 61A, for the figure and letters “5KW”, the figure and letters “2KW” shall be substituted;

(10) in rule 89, the following proviso shall be added at the end namely:—

“Provided that the number of tappings per conductor shall not be more than four in case of low and medium voltage connections.”;

(11) in rule 110, for the Explanation, the following shall be substituted, namely:—

Explanation:—For the purposes of this rule, the word “enginner” shall—

(a) in the case of a coal mine, have the same meaning as assigned to it in the Coal Mines Regulations, 1957;

(b) in the case of a metalliferous mine, have the same meaning as assigned to it in the Metalliferous Mines Regulations, 1961, and

(c) in the case of an oil mine, mean the ‘Installation Manager’ under the oil Mines Regulations, 1984.”;

(12) in rule 114, in sub-rule (2), for the words “dry and efficient ventilation,” the words “dry and illuminated and efficient ventilation,” shall be substituted;

(13) in rule 116, in sub-rule (3), for the words “system shall be checked once in three months,” the words “system shall always be kept and maintained in working order shall be checked once every three months” shall be substituted;

(14) for rule 119, the following rule shall be substituted, namely:—

“119. Transformers.— Where energy is transformed, suitable provision shall be made to guard against

danger by reason of the lower voltage apparatus becoming accidentally charged above its normal voltage by leakage from or contact with the higher voltage apparatus.”;

(15) in rule 121.—(a) in sub-rule (1), the words “at the surface of the mine or oil-field” shall be omitted.

(b) after sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that in the case of gassy coal seam of degree II and degree III, the main mechanical ventilator operated by electricity shall be interlocked with the switchgear so as to automatically disconnect the power supply in the event of stoppage of main mechanical ventilator.”;

(16) in rule 123, in sub-rule (7), in the second proviso, for the words “shovels and excavators”, the words “electrically operated heavy earth-moving machinery” shall be substituted;

(17) in rule 124, the following Proviso shall be added at the end, namely :—

“Provided that all portable and transportable machines used in underground mines shall operate on remote control from the concerned switchgear with Pilot Care Protection.”;

(18) in rule 126.—(a) in sub-rule (4), after clause (d), the following shall be added at the end, namely:—

“and such apparatus shall be interlocked with the controlling switch in such a manner as to disconnect power supply automatically in the event of percentage of inflammable gas exceeding one and one quarter in that particular district.”;

(b) in the proviso as so amended, for the word “appliances” at both the places where it occurs, the word “apparatus” shall be substituted;

(c) in sub-rule (5), after clause (i) and before existing proviso, the following shall be inserted, namely :—

“In an Oil Mine where concentration of inflammable gas exceeds 20% of its lowest explosive limit, the supply of electric energy shall be cut-off immediately from all cables and apparatus lying within 30 metres of the installation and all sources of ignition shall also be removed from the said area and normal work shall not be resumed unless the area is made gas-free.”;

(19) in rule 128, after clause (c), the following clause be inserted, namely :—

“(d) bare conductors, where used shall be installed in suitable insulators.”;

(20) in rule 130, after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that in case of unearthed neutral system adequate protection shall be provided with the approval of the Inspector.”;

(21) in rule 134, in sub-rule (1) for the figures, brackets, letters and word “50(1)(a)(b) and (d) 50(1)” the figures, brackets, letters and word “50(1)(a)(b) and (d), 50(A)(2), 51(1)” shall be substituted.

(22) in Annexure XII, for serial No. 1 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“1. Name of electrical supervisor.”.

[No. CEB/PP-30/92]

B. M. REDDY, Secy. CEB